RNI No.: MPHIN/2022/82783

॥ हर हर महादेव ॥

ISO 9001:2015 CERTIFIED

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए नवम्बर 2025 वर्ष 04, अंक 11 , मासिक पत्रिका

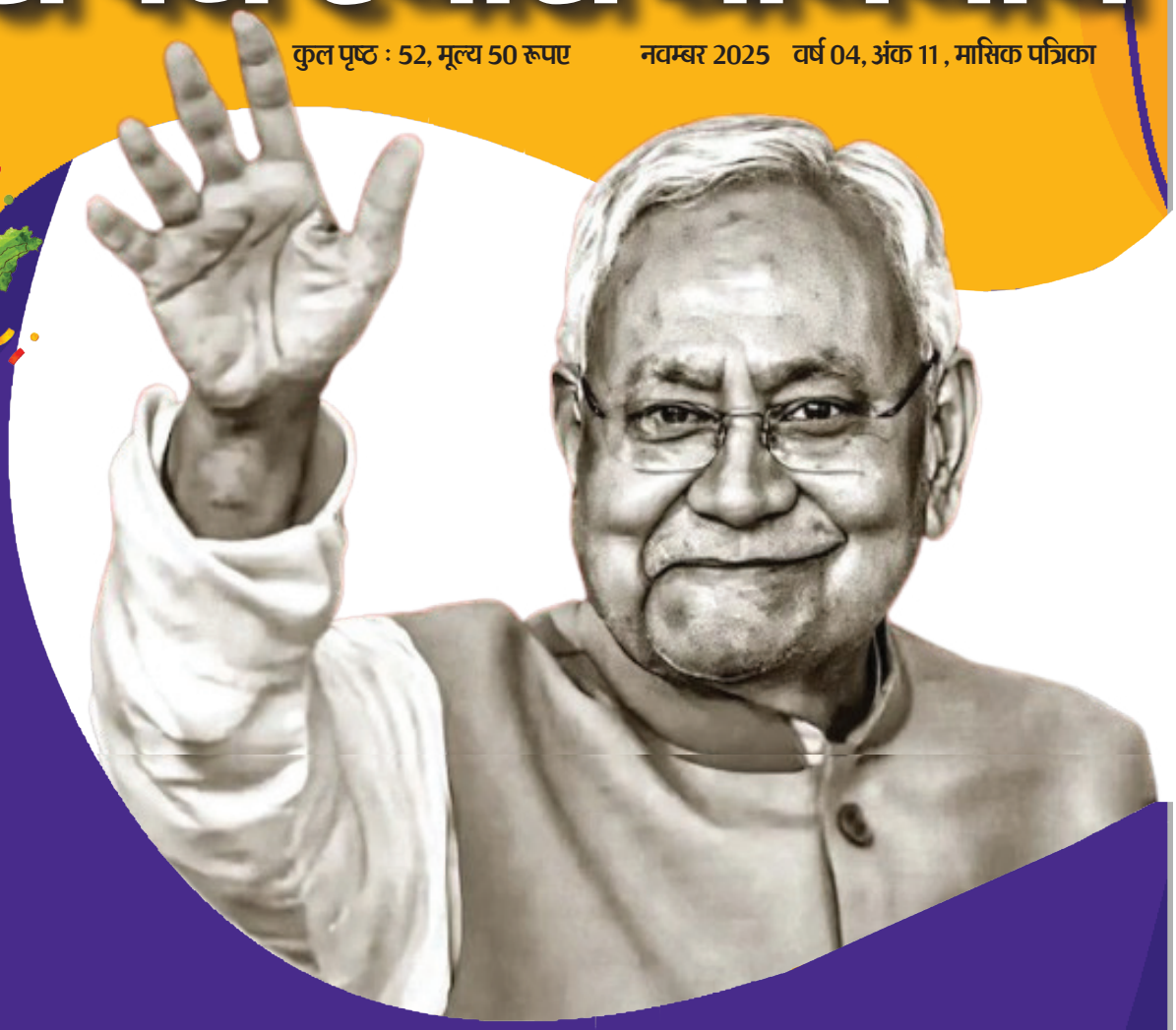

पार्टी	2025	वोट%	पिछली स्थिति
NDA	202 (+77)	55.6%	125
महागठबंधन	35 (-75)	35.0%	110
जनसुराज	0 (0)	0.3%	NA
अन्य	6 (-2)	9.1%	8

बिहार में NDA की रिकॉर्डतोड़ जीत RJD ध्वस्त, BJP सबसे बड़ी पार्टी

एनडीए की सुनामी में 9 सीटों पर 1000 से कम वोटों का रोमांचक अंतर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने राजनीतिक हलचल को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। चुनावी तस्वीर अब पूरी तरह साफ हो चुकी है और इसमें सबसे बड़ा संदेश जनता की उस निर्णायक इच्छा का है, जिसने इस बार NDA को अभूतपूर्व शक्ति सौंप दी है। पूरा चुनाव परिणाम इस बात का गवाह बना कि बिहार के मतदाताओं ने बदलाव की दिशा तय करते हुए बीजेपी को 89 सीटों तक पहुंचा दिया, जहाँ वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। इसी के साथ जेडीयू ने भी 85 सीटें जीतकर यह साबित किया कि उसका जनाधार अब भी मज़बूत है और गठबंधन के भीतर उसकी भूमिका निर्णायक बनी हुई है। एलजेपी (रामविलास) ने भी 19 सीटें जीतकर असरदार उपस्थिति दर्ज कराई। इसके ठीक उलट तस्वीर महागठबंधन की तरफ उदासीन और निराशाजनक नजर आई। RJD की ताकत 25 सीटों तक सिमट गई और कांग्रेस महज 6 सीटों पर रुक गई, जिससे विपक्ष के लिए यह परिणाम किसी बड़े झटके से कम नहीं है। AIMIM और HAM जैसे छोटे दलों ने भी 5-5 सीटें जीतकर यह संकेत दिया कि बिहार का राजनीतिक समीकरण पहले जैसा नहीं रहा और मतदाता नए विकल्पों की तलाश में हैं। इन ऐतिहासिक नतीजों के बाद दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में उत्साह का माहौल चरम पर रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम को पार्टी मुख्यालय पहुंचे, पूरा परिसर जयकारों और नारों से गूंज उठा। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की लंबी कतारें उनके स्वागत के लिए खड़ी थीं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इस जीत को बिहार की नई राजनीतिक सोच का प्रतीक बताया और कहा कि इस बार जनता ने राजनीति का नया फॉर्मूला लिख दिया है—"MY यानी महिला और युवा"। मोदी ने यह भी कहा कि बिहार के लोगों ने महागठबंधन के पुराने 'मुस्लिम-यादव' सामाजिक समीकरण को पूरी तरह नकार दिया और विकास, स्थिरता और सुशासन को सर्वोपरि रखा। प्रधानमंत्री ने बिहार को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा कि इस धरती ने एक बार फिर उन ताकतों को जवाब दे दिया है जो लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि जनादेश यह साबित करता है कि झूठ और नकारात्मकता की राजनीति अंततः पराजित होती है, जबकि विश्वास और उम्मीद हमेशा जीतते हैं। उन्होंने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए चुनाव आयोग की सराहना भी की।\मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और NDA के सहयोगी दलों को बधाई देते हुए मोदी ने कहा कि जनता ने इस बार "गर्दा उड़ा दिया" है और यह संदेश दिया है कि बिहार अब और तेजी से विकास की ओर बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने रोजगार, उद्योग, निवेश और पर्यटन के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में प्रदेश की रफ्तार और तेज होगी और युवाओं को अपने राज्य में ही नए अवसर मिलेंगे। अपने भाषण के दौरान मोदी ने विपक्ष पर भी कटाक्ष किया और कांग्रेस को "परजीवी पार्टी" बताते हुए कहा कि वह सहयोगियों के वोट बैंक को खत्म कर अपना अस्तित्व बचाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व पर व्यंग्य करते हुए कहा कि उनके 'नामदार' न सिर्फ खुद डूबते हैं, बल्कि सहयोगियों को भी साथ ले डूबते हैं। उनके अनुसार कांग्रेस अब नकारात्मकता, जातिवाद और संस्थाओं पर हमले की राजनीति में ही सीमित रह गई है और पार्टी के भीतर गहरा असंतोष है।

दलवार परिणाम

दल का नाम	विजयी	आगे	कुल
भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी	89	0	89
जनता दल (यूनायटेड) - जेडी(यू)	85	0	85
राष्ट्रीय जनता दल - आरजेडी	25	0	25
लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) - एलजेपीआरवी	19	0	19
इंडियन नेशनल कॉंग्रेस - आईएनसी	6	0	6
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन - एआईएमआईएम	5	0	5
हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) - एचएएमएस	5	0	5
राष्ट्रीय लोक मोर्चा - रश्टलक्म	4	0	4
कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सीसिस्ट - लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) - सीपीआई(एमएल)(एल)	2	0	2
इंडियन इंक्लूसिव पार्टी -	1	0	1
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सीसिस्ट) - सीपीआई(एम)	1	0	1
बहुजन समाज पार्टी - बीएसपी	1	0	1
कुल	243	0	243

हमारा देश
हमारा अभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • श्री केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- [redacted]
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री वृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- श्री कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- श्री राजेश कुमार त्रिपाठी
- श्री किशोर कान्याल, साइंटिस्ट • श्री डॉ. रजनीश चतुर्वेदी
- श्री मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

- श्री पंकज दीक्षित
  प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)

- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर

[redacted]

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री प्रमेन्द्र चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री विजय महाजन
- श्री एडवोकेट धर्मेंद्र चतुर्वेदी कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट सीएम श्रीवास्ताव कानूनी सलाहकार

सह सलाहकार

- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा
- श्री अनूप शर्मा , एम डी मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन
- श्री राजेश शर्मा • अवदेश मीणा
- अमित गर्ग राजस्था न
- मनीष पाण्डे • एडवोकेट सुमित श्रीवास्ताव

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

[redacted]

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्चना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

सुविचार

"महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।"

संपादकीय	04-05
ग्वालियर	06-07
दीपावली	08-11
इंदौर	12-15
मध्य प्रदेश	17-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
ब्यूटी कैयर- वैल्थ कैयर	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेंडिंग जॉब	51

महिला क्रिकेट विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत

पढ़ें पेज 39

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। हेड कोच अमोल मजूमदार ने रोहित शर्मा की तरह तिरंगा लहराकर खुशी जताई। यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। टीम इंडिया की महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर ICC Women's Cricket World Cup का खिताब अपने नाम कर लिया है।

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

भारत में आतंकवाद का बढ़ता खतरा

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जो अपनी सांस्कृतिक विविधता, बहुभाषी समाज, लोकतांत्रिक संरचना और समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर के लिए जाने जाते हैं। लेकिन इस शानदार पहचान के समानांतर देश को एक ऐसी चुनौती का सामना भी करना पड़ता है जो कई दशकों से उसके सामाजिक ढांचे, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के रास्ते में अवरोध बनकर खड़ी है। यह चुनौती है—आतंकवाद। समय के साथ यह समस्या न केवल अधिक घातक और जटिल होती जा रही है, बल्कि इसके रूप, तकनीक, उद्देश्य और प्रभाव भी लगातार बदलते जा रहे हैं। इस विस्तृत लेख में आतंकवाद की इस व्यापक समस्या का विश्लेषण, इसके कारणों और परिणामों पर चर्चा, और इसके निवारण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का विस्तृत चित्रण प्रस्तुत है। भारत में आतंकवाद का इतिहास काफी पुराना है। स्वतंत्रता के बाद से ही देश को अनेक प्रकार की उग्रवादी और अलगाववादी गतिविधियों से जूझना पड़ा है। साठ और सत्तर के दशक में उत्तर-पूर्वी राज्यों में शुरू हुई अलगाववादी हिंसा से लेकर नब्बे के दशक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के बड़े रूप में फैलाव तक, देश ने कई गंभीर दौर देखे हैं। कश्मीर घाटी में विदेशी आतंकी संगठनों और स्थानीय अलगाववादी समूहों की मिलीभगत ने इस क्षेत्र को दशकों तक अस्थिर बनाए रखा। पंजाब में उग्रवाद, नक्सलवाद का विस्तार, और कई बड़े शहरों में हुए बम धमाके इस बात का प्रमाण हैं कि आतंकवाद ने किस तरह पूरे भारत को अपनी चपेट में लिया है। आज भी आतंकवाद की समस्या समाप्त नहीं हुई है; बल्कि नए रूपों में यह लगातार चुनौती के रूप में उभर रही है। आतंकवाद का सबसे प्रमुख स्वरूप सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद है। पड़ोसी देशों में स्थित आतंकी संगठन भारत की अस्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार साजिशें रचते रहते हैं। इन संगठनों को न केवल आतंकियों को प्रशिक्षण देने में सहयोग मिलता है, बल्कि उन्हें धन, हथियार, तकनीक और संरक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है। यह गतिविधियाँ भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। आतंकवादी अब केवल पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं हैं; वे आधुनिक संचार साधनों, ड्रोन तकनीक, एन्क्रिप्टेड संदेश प्रणाली और साइबर नेटवर्क का प्रयोग करके नई रणनीतियाँ तैयार करते हैं। ड्रोन के माध्यम से हथियारों और धमाकों को भारतीय सीमा में पहुँचाना, इंटरनेट के माध्यम से आतंकी विचारधारा फैलाना, और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के जरिए युवाओं को बरगलाना—ये सभी तरीके आज आतंकवाद की नई रणनीतियों का हिस्सा बन चुके हैं। भारत को सिर्फ सीमा पार आतंकवाद की चुनौती का ही सामना नहीं करना पड़ता, बल्कि आंतरिक आतंकवाद भी उतना ही खतरनाक है। नक्सलवादी आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार के कई क्षेत्र नक्सली हिंसा से लंबे समय से प्रभावित रहे हैं। नक्सलवाद मूल रूप से सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक असंतोष से पैदा हुआ आंदोलन था, लेकिन समय के साथ यह हिंसक और विध्वंसकारी स्वरूप ले चुका है। बेरोज़गारी, गरीबी, प्रशासनिक उदासीनता और विकास की कमी जैसे कारक युवाओं को नक्सली संगठनों के प्रति आकर्षित करते हैं। ये संगठन अपनी विचारधारा के नाम पर स्थानीय लोगों को शोषित करते हैं और सरकारी योजनाओं को बाधित करते हैं, जिससे व्यापक क्षेत्र अविकास और भेदभाव का शिकार हो जाते हैं। भारत की बहुजातीय और बहुधार्मिक संरचना कभी-कभी विघटनकारी शक्तियों के निशाने पर आ जाती है। धार्मिक कट्टरता और सांप्रदायिकता भी आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले कारकों में से एक हैं। ऐसे संगठन समाज में नफरत फैलाकर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। डिजिटल माध्यमों के प्रसार के कारण अफवाहों, गलत सूचनाओं और कट्टरपंथी विचारधाराओं का प्रसार अब बहुत तेज़ी से होता है। ऐसे हालात में सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। तकनीक ने आतंकवाद को नई ऊर्जा दी है। भर्ती, फंडिंग, संचार और प्रचार-प्रसार के लिए इंटरनेट, सोशल मीडिया और क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। साइबर आतंकवाद अब एक उभरता हुआ खतरा है। सरकारी संस्थानों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, वित्तीय तंत्र, संचार नेटवर्क और रक्षा प्रणालियों को साइबर हमलों का निशाना बनाया जा रहा है। इस तरह के हमले देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को अपंग करने का प्रयास करते हैं। कई मामलों में देखा गया है कि आतंकवादी संगठन साइबर माध्यमों के जरिए संवेदनशील जानकारियाँ चुराने और सरकारी सिस्टम को बाधित करने का प्रयास करते हैं। भारत सरकार ने आतंकवाद से लड़ने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की स्थापना, आतंकवाद-रोधी कानूनों को सशक्त बनाना, सुरक्षा बलों को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस करना, और खुफिया तंत्र को मजबूत बनाना इन प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीक, निगरानी प्रणाली और बाड़बंदी जैसे उपाय किए गए हैं।

एआई मॉडलों का तेजी से विस्तार और सुरक्षा मानकों की आवश्यकता

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास जिस गति से आगे बढ़ा है, उसने दुनिया की तकनीकी संरचना को पूरी तरह बदल दिया है। एक समय था जब एआई सिर्फ शोधकर्ताओं और बड़ी प्रयोगशालाओं की चर्चा तक सीमित था, लेकिन आज यह सामान्य जीवन का हिस्सा बन चुका है। मोबाइल फ़ोन से लेकर सरकारी कार्यालयों तक, निजी कंपनियों से लेकर शिक्षण संस्थानों तक—हर जगह एआई आधारित तकनीकें तेजी से अपनाई जा रही हैं। भारत भी इस वैश्विक लहर का एक केंद्रीय हिस्सा बन गया है। देश की विशाल जनसंख्या, सस्ती इंटरनेट सेवाएँ, डिजिटल अपनाने की बढ़ती प्रवृत्ति और युवाओं में तकनीकी रुचि ने इसे दुनिया का सबसे आकर्षक डिजिटल बाज़ार बना दिया है। यही कारण है कि बड़ी टेक कंपनियाँ भारत में अपने एआई मॉडल मुफ्त या बेहद कम कीमत पर उपलब्ध कराकर उपयोगकर्ता आधार और डेटा दोनों हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। भारत में एआई के तेज़ प्रसार का एक प्रमुख कारण यह है कि टेलीकॉम ऑपरेटरों और वैश्विक तकनीकी कंपनियों के बीच साझेदारी बहुत सक्रिय हो गई है। बड़े एआई प्लेटफॉर्म टेलीकॉम कंपनियों के माध्यम से सीधे करोड़ों उपयोगकर्ताओं तक पहुँच पा रहे हैं। गूगल द्वारा जियो के ग्राहकों को 18 महीनों के लिए जेमिनी प्रो मुफ्त उपलब्ध कराना सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि एक रणनीतिक कदम है जिससे गूगल को बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ता डेटा मिलता है। इसी तरह, एयरटेल अपने ग्राहकों को पेरप्लेक्सिटी प्रो का मुफ्त एक्सेस दे कर एआई उपयोग को और विस्तारित कर रहा है। इस तरह की पहुँच से कंपनियों को भारतीय भाषाओं, संवाद शैलियों, व्यवहार पैटर्न और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों की डिजिटल गतिविधियों पर अनमोल डेटा प्राप्त होता है। परंतु यह विस्तार जितना रोमांचक है, उतना ही चिंताजनक भी। सरकारी तंत्र के भीतर अब यह चिंता बढ़ रही है कि एआई मॉडलों के उपयोग से न केवल संवेदनशील डेटा बाहर जा सकता है, बल्कि एआई मॉडल उन सवालों, प्राथमिकताओं और व्यवहार पैटर्न से भी बहुत कुछ समझ सकते हैं जिन्हें कोई उपयोगकर्ता मॉडल के साथ साझा करता है। उदाहरण के लिए, एक अधिकारी जब किसी प्रोजेक्ट से संबंधित जानकारी या किसी नीति से जुड़े डेटा को एआई मॉडल में इनपुट करता है, तो मान लें कि वह डेटा भले ही गुमनाम है, फिर भी एआई मॉडल उसमें छिपे संकेतों से उस विभाग की कार्यप्रणाली, प्राथमिकताओं या कमजोरियों का अनुमान लगा सकता है। इससे न केवल गोपनीयता खतरे में पड़ सकती है बल्कि रणनीतिक जोखिम भी बढ़ सकते हैं। इसी संदर्भ में वित्त मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को कार्यालय उपकरणों पर चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई टूल्स का उपयोग न करने की सलाह दी है। यह कदम इस बढ़ती चिंता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अनजाने में भी सरकार के संवेदनशील डेटा के मॉडल तक पहुँचने की संभावना को गंभीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। यह चिंता सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया भर में तकनीकी राष्ट्रवाद तेजी से बढ़ रहा है। देश अब ये समझने लगे हैं कि तकनीकी प्लेटफॉर्म और डिजिटल डेटा पर विदेशी कंपनियों की निर्भरता भविष्य में गहरे जोखिम पैदा कर सकती है। चीन इस मामले में सबसे तेज़ उदाहरण है, जिसने अपने एआई और डिजिटल प्लेटफॉर्म पूरी तरह घरेलू बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। चीन अब अपने एआई डेटा केंद्रों में स्वदेशी चिप्स के प्रयोग को अनिवार्य करने की दिशा में बढ़ रहा है। वह किसी भी क्षेत्र में विदेशी तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता को अपने लिए रणनीतिक खतरा मानता है। भारत भी इसी दिशा में अपना मार्ग खोज रहा है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा यह घोषणा कि केंद्र सरकार जोहो के भारतीय ऑफिस सूट का उपयोग करेगी, भारत की डिजिटल स्वदेशीकरण नीति को दर्शाती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय एआई मिशन के तहत स्वदेशी बड़े और छोटे भाषा मॉडलों के विकास के लिए कई भारतीय कंपनियों का चयन किया गया है। इन प्रयासों का स्पष्ट उद्देश्य है कि भारत के पास ऐसे एआई मॉडल हों जो भारतीय डेटा के आधार पर प्रशिक्षित हों, देश की भाषाओं और सांस्कृतिक पैटर्न को गहराई से समझ सकें, तथा राष्ट्रीय हितों के अनुरूप सुरक्षित और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म प्रदान कर सकें। लेकिन यह मार्ग इतना आसान नहीं है। विदेशी एआई मॉडल तकनीकी क्षमता, वैश्विक अनुभव और बड़े प्रशिक्षण डेटा के कारण पहले से ही बहुत उन्नत हैं। भारतीय उपयोगकर्ता स्वदेशी प्लेटफॉर्म तभी अपनाएँगे जब वे न केवल वैश्विक मॉडलों के बराबर हों बल्कि उनसे बेहतर अनुभव, अधिक सटीकता और अधिक विश्वसनीयता प्रदान करें। बाजार की वास्तविकता यही है कि उपयोगकर्ता किसी प्लेटफॉर्म की देशीयता नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता देखकर निर्णय लेते हैं। इसलिए, भारत को डिजिटल आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के साथ-साथ नवाचार और गुणवत्ता दोनों में वैश्विक स्तर का प्रदर्शन करना होगा। इन सभी परिस्थितियों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि एआई सेवाओं का उपयोग किस प्रकार सुरक्षित और विश्वसनीय बनाया जाए। चाहे प्लेटफॉर्म विदेशी हो या स्वदेशी, सुरक्षा और डिजिटल स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। संवेदनशील डेटा को अपलोड करने से बचना, सरकारी एवं निजी क्षेत्र दोनों में स्पष्ट निर्देश जारी करना, डेटा संरक्षण कानूनों को मजबूत बनाना, और कंपनियों को पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बाध्य करना अत्यंत आवश्यक है। एआई तकनीक जितनी तेजी से विकसित हो रही है, सुरक्षा जोखिम भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि डिजिटल सुरक्षा और गोपनीयता के बुनियादी सिद्धांतों का कठोरता से पालन करना अब समय की जरूरत बन चुका है।

ग्वालियर में 100 मिडी ई-बसें जल्द दौड़ेंगी, 10 रूटों पर होगा संचालन

ग्वालियर शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत शहर में 100 मिडी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की मंजूरी दे दी है। इन बसों के जरिए न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि लोगों को शहर के भीतर बेहतर और सस्ती यात्रा सुविधा भी मिलेगी। योजना के पहले चरण में दिसंबर माह तक करीब 60 ई-बसों के पहुंचने की उम्मीद है, जबकि शेष 40 बसें बाद के चरणों में आएंगी। हालांकि, नगर निगम और स्मार्ट सिटी अफसरों की लापरवाही और सुस्ती के कारण इस महत्वाकांक्षी योजना की जमीनी तैयारियां अभी अधूरी पड़ी हैं। बसों के लिए आवश्यक रूट प्लानिंग, चार्जिंग स्टेशन, ड्राइवर प्रशिक्षण और रखरखाव जैसी व्यवस्थाएं अभी तक पूरी तरह से तय नहीं हो सकी हैं। योजना के तहत निगम अधिकारियों को नासिक, दिल्ली, भोपाल और इंदौर जैसे शहरों का दौरा कर वहां के बस संचालन मॉडल और कलेक्शन सिस्टम का अध्ययन करना था, ताकि ग्वालियर में उसी तर्ज पर व्यवस्था लागू की जा सके। लेकिन दो महीने बीत जाने के बावजूद अभी तक कोई निरीक्षण दौरा नहीं किया गया। अधिकारियों में इस बात को लेकर असमंजस है कि बसों के संचालन और राजस्व संग्रह की जिम्मेदारी राज्य सरकार तय करेगी या फिर नगर निगम खुद इसके लिए जिम्मेदार होगा। यही भ्रम इस योजना की तैयारियों में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। कलेक्शन सिस्टम पर भी सवाल उठे नगर निगम के अनुसार, प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक ई-बसों से प्रति किलोमीटर लगभग 36.14 का राजस्व प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार की ओर से 22 प्रति किलोमीटर की आर्थिक सहायता मिलेगी। इस तरह निगम को संचालक को कुल 58.14 प्रति किलोमीटर भुगतान करना होगा। लेकिन चिंता की बात यह है कि इंदौर और भोपाल जैसे शहरों में इस समय मात्र 22 से 23 प्रति किलोमीटर का ही कलेक्शन हो रहा है। यदि ग्वालियर में भी ऐसी ही स्थिति बनी रही, तो नगर निगम को प्रति किलोमीटर 14 से 15 का अतिरिक्त वित्तीय बोझ उठाना पड़ सकता है। चार्जिंग स्टेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी फिलहाल शहर में बस चार्जिंग स्टेशन और रखरखाव केंद्रों की स्थापना का काम भी अधूरा है। ई-बसें तभी संचालित हो पाएंगी जब चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा। इसके लिए निगम ने कुछ स्थानों का चयन तो कर लिया है, लेकिन टेंडर प्रक्रिया और निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है। यदि समय पर काम पूरा नहीं हुआ, तो दिसंबर में बसें आने के बावजूद उनका संचालन शुरू करना मुश्किल हो जाएगा। यात्री सुविधाओं में सुधार की उम्मीद इन ई-बसों के आने से ग्वालियर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इन बसों में जीपीएस, डिजिटल टिकटिंग सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा दोनों बढ़ेगी। साथ ही यह बसें डीजल बसों की तुलना में पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल होंगी और शहर में प्रदूषण के स्तर को घटाने में मदद करेंगी। फिलहाल तैयारियों पर सवाल हालांकि योजना सुनने में आकर्षक है, लेकिन इसकी धीमी रफ्तार पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारों का कहना है कि अगर निगम ने समय रहते निरीक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी तैयारियां पूरी नहीं कीं, तो यह योजना भी अन्य योजनाओं की तरह अधूरी रह सकती है। शहरवासी अब इंतजार कर रहे हैं कि कब यह इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर दौड़ें और ग्वालियर को एक नई दिशा दें। क्या आप चाहेंगे कि मैं इसे समाचार लेख के रूप में (जैसे अख़बार में प्रकाशित होता है, रिपोर्टर नाम और उपशीर्षकों के साथ) तैयार कर दूं?

बिजली उपभोक्ताओं को राज्य सरकार की समाधान योजना 2025-26 के तहत बिजली बिलों पर बड़ी राहत

बीते दिन ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने रेसकोर्स रोड स्थित कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में आए बिजली उपभोक्ताओं को राज्य सरकार की समाधान योजना 2025-26 के तहत बिजली बिलों पर बड़ी राहत दी गई। खरगेश्वर रोड, गणेश कॉलोनी निवासी गुड्डी पत्नी दिलीप सिंह के 8,70,849 के बिल पर लगे 3,98,556 के अधिभार को माफ किया गया। कृष्णा नगर निवासी सुखलाल कोरी के 3,73,195 के बिल पर 1,75,277 का अधिभार और सुभाष नगर निवासी हरगोविंद के 5,27,047 के बिल पर 3,23,832 का अधिभार माफ किया गया। इन सभी उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा कराकर बड़ी राहत प्रदान की गई।

निःशक्त मांझी राम को मिली ट्राइसाइकिल

जनसुनवाई में उन्होंने जरूरतमंद महिलाओं को राशन पात्रता पर्ची दिलाने, वृद्धावस्था, निराश्रितजन एवं कल्याणी पेंशन तथा आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। वार्ड 15 वैष्णवपुरम, बिरला नगर निवासी निःशक्त युवक मांझी राम को मंत्री तोमर ने ट्राइसाइकिल, वॉकर एवं वैशाखी भेंट की।

साथ ही उनकी निःशक्तजन पेंशन और राशन पात्रता प्रारंभ करने के निर्देश दिए। वहीं बीजासेन माता मंदिर, न्यू कॉलोनी नंबर 2, बिरला नगर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। जिसमें मंत्री ने डस्टबिन वितरित कर शपथ दिलाई कि अपने घरों और आसपास की सफाई का ध्यान रखेंगे।

जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मैपिंग जारी

4 दिसंबर तक किया जाएगा गणना फॉर्म वितरण एवं सत्यापन कार्य

भारत निर्वाचन आयोग भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले में भी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य जारी है। जिसके तहत शुक्रवार 7 नवम्बर को जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने अपने – अपने मतदान केन्द्र से जुड़ी बस्तियों में घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक (फॉर्म) वितरित किए। इस दौरान बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म भरने में आवश्यक सहयोग भी किया जा रहा है। संबंधित एसडीएम एवं ईआरओ व एईआरओ द्वारा गणना पत्रक वितरण कार्य का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। वर्ष 2003 में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य भी बीएलओ कर रहे हैं। शुक्रवार को दोपहर तक बीएलओ द्वारा जिले में कुल मिलाकर 5 लाख 39 हजार 543 मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी थी। जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि बीएलओ द्वारा दिए जा रहे गणना पत्रक में सही-सही जानकारी भरें। यदि फॉर्म भरने में कोई समस्या आए तो अपने बीएलओ से सहयोग लें। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरण, फॉर्म भरवाने एवं सत्यापन कार्य किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म का वितरण एवं भरे हुए फॉर्म का संग्रहण कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा।

नीतीश कुमार ने एक बार फिर संभाली मुख्यमंत्री की कमान; सहयोगी मंत्रियों को दिलाई गई शपथ

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आज का दिन बिहार की राजनीति के लिए एक नए अध्याय के रूप में दर्ज हो गया, जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नई सरकार का शपथग्रहण भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जदयू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार ने लगातार दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बिहार की राजनीति में यह क्षण इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 202 सीटों का आंकड़ा हासिल कर एक मजबूत जनादेश प्राप्त किया था, जिसके बाद नई सरकार के गठन को लेकर राज्य में व्यापक उत्साह देखा जा रहा था। शपथग्रहण समारोह में राजनीतिक शक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कई केंद्रीय मंत्री, एनडीए के सभी घटक दलों के प्रमुख, तथा विभिन्न एनडीए-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने। मंच पर मौजूद इन नेताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को और बढ़ा दिया, क्योंकि बिहार की नई सरकार के गठन को राष्ट्रीय राजनीति में भी विशेष रुचि से देखा जा रहा है। नीतीश कुमार के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। दोनों नेताओं को एक बार फिर डिप्टी सीएम के तौर पर जिम्मेदारी सौंपने को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे अनुभव और संगठनात्मक मजबूती का संतुलन बताया है। शपथग्रहण के दौरान मंत्रियों के एक समूह को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई, जिनके नामों का औपचारिक ऐलान समारोह के बाद किया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने नई सरकार के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज का दिन बिहारवासियों के लिए गर्व और आशा से भरपूर है। उनके अनुसार, सरकार का यह नया कार्यकाल सिर्फ सत्ता परिवर्तन का प्रतीक नहीं, बल्कि राज्य के विकास यात्रा को नई दिशा देने वाला कदम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई सरकार से बिहार की जनता को तेज़, प्रभावी और सर्वसमावेशी विकास की उम्मीदें हैं। नंदकिशोर यादव ने आगे कहा कि आने वाले समय में सरकार विकास का एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी, जिसका लाभ समाज के हर तबके तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि आज बिहार के विकास के क्षितिज पर जो नई किरणें दिखाई दे रही हैं, वे पहले से अधिक उज्ज्वल और ऊर्जावान हैं। इस नई ऊर्जा और उजास से बिहार का हर कोना रोशन होगा और आने वाले वर्षों में राज्य समृद्धि की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगा। समारोह के समाप्त होने के बाद पूरे राज्य में राजनीतिक हलकों से लेकर आम जनता तक उत्साह का माहौल रहा। लोगों ने टेलीविजन और सोशल मीडिया पर इस ऐतिहासिक घटना को बड़े ध्यान से देखा। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, अब सबकी निगाहें नई सरकार की प्राथमिकताओं, नई नीतियों और विकास एजेंडा पर होंगी, क्योंकि जनता ने एनडीए को भारी बहुमत देकर उम्मीदों का बड़ा बोझ भी सौंपा है। बिहार में नीतीश कुमार के एक और कार्यकाल की शुरुआत के साथ राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बदलावों और अवसरों की एक नई संभावनाशील यात्रा शुरू हो चुकी है, जिसे आने वाले दिनों में किस दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा, इस पर पूरे देश की नजर बनी रहेगी।

कलेक्टर श्री कन्याल ने एसआईआर प्रक्रिया का किया निरीक्षण, कार्य में प्रगति लाने के दिये निर्देश

गुना। जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को समयबद्ध और प्रभावी रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री किशोर कुमार कन्याल ने आज विधानसभा गुना के मतदान केंद्र क्रमांक 166, 165 नानाखेड़ी तथा मतदान केंद्र क्रमांक 40, 41 एवं मतदान केंद्र क्रमांक 55 में जाकर बीएलओ द्वारा किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किए जा रहे गणना पत्रक वितरण, संकलन तथा बीएलओ एप पर अपलोड की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। आज निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने संबंधित बीएलओ से चर्चा कर प्रगति की जानकारी ली और उन्हें निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा, एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए फॉर्म भरने से लेकर डिजिटलीकरण तक किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा सभी बीएलओ एवं संबंधित अधिकारी समय पर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित हों और एसआईआर कार्य को प्राथमिकता दें।आज निरीक्षण के दौरान एसडीएम गुना श्रीमती शिवानी पाण्डे, डिप्टी कलेक्टर एवं प्र. सीएमओ सुश्री मंजुषा खत्री, तहसीलदार गुना श्री जीएस बैरवा उपस्थित रहे।

गुना कलेक्टर किशोर कान्याल एवं मनोज चतुर्वेदी हमारा देश हमारा अभिमान संपादक

श्री अमित सांघी .डी . आई. ग्वालियर संभाग

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के कामों को भुलाया नहीं जा सकता-विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय यूनिटी मार्च पदयात्रा का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य एवं क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह की विशेष उपस्थित में प्रारंभ हुआ। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा कि देश की एकता, एकात्मता और देश की मजबूती के लिये सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो काम किया है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। ग्वालियर की थीम रोड कटोराताल स्थित मेडीकल कॉलेज से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती के उपलक्ष्य में प्रारंभ हुई यात्रा के शुभारंभ अवसर पर पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, श्री ध्यानेन्द्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, श्री कमल माखीजानी, श्री गंगाराम बघेल, साडा के पूर्व अध्यक्ष श्री जयसिंह कुशवाह, श्री राकेश जादौन, श्री मुन्नालाल गोयल, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित प्रशासनिक अधिकारी, यात्रा के संयोजक श्री धर्मेन्द्र सिंह तोमर, जनप्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का जो अभूतपूर्व कार्य किया है वह सबके सामने आए इसलिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती के अवसर पर यात्राओं का आयोजन कर जन-जन को उनके द्वारा देश की मजबूती के लिये किए गए कार्यों को बताया जा रहा है। इस यात्रा में युवाओं के साथ-साथ समाज के सभी वर्ग जनभागीदार बनें और अपने देश को और मजबूत करने में अपना योगदान दें। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती पर तीन दिवसीय यात्रा का शुभारंभ मेडीकल कॉलेज से किया जा रहा है। यहां पर वर्ष 1948 में सरदार पटेल ने मेडीकल कॉलेज का शुभारंभ किया था। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की मजबूती के लिये अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने रियासतों का एकीकरण कर भारत देश को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने बताया कि ग्वालियर में तीन दिवसीय यात्रा के दौरान न केवल देश भक्ति की भावना को जागृत करने का कार्य किया जायेगा, साथ ही पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता जागरूकता और नशामुक्ति का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा। पदयात्रा का जगह-जगह हुआ आत्मीय स्वागत सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती पर प्रारंभ हुई यात्रा का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा से नागरिकों ने स्वागत किया। यात्रा पूर्व मंत्री स्व. श्री शीतला सहाय जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ प्रारंभ हुई। यह यात्रा गजराराजा मेडीकल कॉलेज से प्रारंभ होकर हॉस्पिटल रोड, नया बाजार, हुजरात, रॉक्सीपुल, महावीर भवन होते हुए नेहरू पार्क पर पहुँची। इस यात्रा के दौरान जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ विद्यार्थी, एनसीसी, मेडीकल कॉलेज की छात्र-छात्रायें, खिलाड़ी सहित गणमान्य नागरिक शामिल हुए। नेहरू पार्क में सिंथेटिक ट्रैक का भूमिपूजन हुआ यात्रा के सामपन अवसर पर क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने नेहरू पार्क में आमजनों के लिये विकसित किए जा रहे सिंथेटिक ट्रैक का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सोमवार को किलागेट से प्रारंभ होगी पदयात्रा सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती के अवसर पर आमजनों को देशभक्ति एवं स्वदेशी को अपनाने के लिये संचालित यात्रा 10 नवम्बर सोमवार को किलागेट से प्रारंभ होगी। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि, युवा, छात्र-छात्रायें व गणमान्य नागरिक यात्रा में शामिल होंगे। यह यात्रा किलागेट से प्रारंभ होकर घासमंडी, कोटेश्वर, उरवाई गेट, सूर्य नगर, जीटी पैलेस पर समाप्त होगी। समापन अवसर पर सीमेंट कंक्रीट सड़क का भूमिपूजन भी अतिथियों द्वारा किया जायेगा।

आजादी के आंदोलन का मंत्र बना था ''वंदे मातरम्'' - विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर

ग्वालियर जिले में भी समारोहपूर्वक मनी राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' की 150वी वर्षगांठ

राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" की 150वी वर्षगांठ 7 नवम्बर को ग्वालियर जिले में भी देश भर के साथ उत्साह व उमंग के साथ समारोहपूर्वक मनाई गई। देशभक्ति से ओतप्रोत "वंदे मातरम्" का जिले का मुख्य स्मरण उत्सव बाल भवन में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ । इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा राष्ट्रीगीत "वंदे मातरम्" आजादी के आंदोलन में हमारे पूर्वजों के लिए सिद्ध मंत्र बना था। परतंत्रता की बेड़ियां काटने के लिए हमारे वीर सपूतों ने इस मंत्र का गायन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा जिस तरह हम सबको ईश्वर की वंदना एवं पूजा अर्चना से ऊर्जा मिलती है और संकल्प मजबूत होता है, उसी तरह आजादी के आंदोलन में "वंदे मातरम्" के गायन के माध्यम से राष्ट्र आराधन करते हुए पूर्वजों ने हमें स्वतंत्रता दिलाई।

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा यदि हमें आजादी के संघर्ष और कुर्बानियां याद नहीं होंगी तो हम आजादी का महत्व भी नहीं समझ पाएंगे। प्रसन्नता की बात है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पीढ़ी को "वंदे मातरम्" के महत्व से अवगत कराने के लिए "वंदे मातरम्" की 150 वी वर्षगांठ को देश भर में समारोह पूर्वक मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को "वंदे मातरम्" की 150 वी वर्षगांठ की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही "वंदे मातरम्" के रचियता स्व बंकिम चंद चटर्जी एवं राष्ट्रीगीत का हिंदी में अनुवाद करने वाले महिर्षि अरविन्द घोष का सम्मान पूर्वक स्मरण किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" की 150 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रहे आयोजनों से देशभर में राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा मिलेगी। साथ ही आजादी आंदोलन में बलिदान देने वाले वीर सपूतों की वीरगाथा से युवापीढ़ी परिचित होगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, श्री राजेन्द्र बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी श्री अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय व जिला पंचायत सीईओ श्री सोजान सिंह रावत समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री एस बी ओझा ने किया। "वंदे मातरम्" का सामूहिक गायन हुआ और स्वदेशी की दिलाई शपथ जिला स्तरीय समारोह में राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने सभी को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाया। आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुए कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" की 150 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य अतिथ्य में देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित हुए भव्य आयोजन का सीधा प्रसारण भी बाल भवन में आयोजित हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में हुआ। कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों एवं बड़ी संख्या में मौजूद नागरिकों ने बड़ी स्क्रीन के जरिए यह कार्यक्रम देखा। साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी का उदबोधन भी सुना। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने "वंदे मातरम्" की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 150 रुपए का सिक्का व डाक टिकट जारी किया। साथ ही "वंदे मातरम्" पर केंद्रित वेबसाइट का विमोचन किया। चार चरणों में होंगे आयोजन वंदे मातरम् के ऐतिहासिक सांस्कृतिक महत्व के दृष्टिगत वर्ष भर विविध गतिविधियां 7 नवम्बर 2025 से 7 नवम्बर 2026 तक चार चरणों में आयोजित होंगीं। प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस), तृतीय चरण 7 से 14 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) तथा चतुर्थ चरण एक से 7 नवम्बर 2026 में व्यापक रूप से आयोजित किया जायेगा।

जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मैपिंग जारी

4 दिसंबर तक किया जाएगा गणना फॉर्म वितरण एवं सत्यापन कार्य

भारत निर्वाचन आयोग भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले में भी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य जारी है। जिसके तहत शुक्रवार 7 नवम्बर को जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने अपने – अपने मतदान केन्द्र से जुड़ी बस्तियों में घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक (फॉर्म) वितरित किए। इस दौरान बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म भरने में आवश्यक सहयोग भी किया जा रहा है। संबंधित एसडीएम एवं ईआरओ व एईआरओ द्वारा गणना पत्रक वितरण कार्य का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। वर्ष 2003 में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य भी बीएलओ कर रहे हैं।शुक्रवार को दोपहर तक बीएलओ द्वारा जिले में कुल मिलाकर 5 लाख 39 हजार 543 मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी थी। जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि बीएलओ द्वारा दिए जा रहे गणना पत्रक में सही-सही जानकारी भरें। यदि फॉर्म भरने में कोई समस्या आए तो अपने बीएलओ से सहयोग लें। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरण, फॉर्म भरवाने एवं सत्यापन कार्य किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म का वितरण एवं भरे हुए फॉर्म का संग्रहण कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा।

शहर के पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंपों पर भी शक्ति दीदियों ने संभाली कमान

ग्वालियर शहर में कम्पू व एसएएफ रोड पर पुलिस वेलफेयर के लिये संचालित तीनों पेट्रोल पंपों पर भी शक्ति दीदियों ने कमान संभाल ली है। पुलिस महानिरीक्षक एवं एसएएफ के प्रभारी आईजी श्री अरविंद कुमार सक्सेना के विशेष सहयोग से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इन पेट्रोल पंपों पर भी जरूरमंद महिलाओं को फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में "शक्ति दीदी" बनाया है। गुरुवार को शहर के 5 पेट्रोल पंपों पर 6 और जरूरतमंद महिलाओं ने "शक्ति दीदी" फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी संभाली है। जिले में कुल मिलाकर अब तक 85 जरूरतमंद महिलाओं को विभिन्न पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में शक्ति दीदी की जिम्मेदारी देकर आत्मनिर्भर बनाया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को एसएएफ रोड स्थित विशेष सशस्त्र बल 13 बटालियन के पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप पर सुश्री कौशल्या थापा को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह उन्होंने ईदगाह कम्पू के समीप स्थित दूसरी वाहिनी के पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पम्प पर सुश्री अंजली व सुश्री नंदनी को शक्ति दीदी बनाया। इसी कड़ी में

उन्होंने एसएएफ गुढ़ागुढ़ी रोड पर स्थित 14वी वाहिनी के पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप पर सुश्री अनीता देवी को जैकेट पहनाकर शक्ति दीदी बनाया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इन महिलाओं का पुष्पाहारों से स्वागत सत्कार कर उन्हें शक्ति दीदी नवाचार के तहत फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में आत्मनिर्भर बनाया। इसी तरह अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद ने चेतकपुरी स्थित आर के फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप पर सुश्री मीना बाथम को एवं एसडीएम ग्वालियर श्री प्रदीप शर्मा ने गदाईपुरा स्थित रामजानकी फ्यूल्स पर सुश्री कविता बाथम को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये ग्वालियर जिले में "शक्ति दीदी" के नाम से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नवाचार किया है। "शक्ति दीदी" नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाओं को फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में पेट्रोल पंपों पर नौकरी दिलाकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।कलेक्टर श्रीमती चौहान ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए कि शक्ति दीदियों का विशेष ध्यान रखें और उन्हें प्रावधानों के अनुसार मानदेय व सुविधायें प्रदान की जाएं। संबंधित एसडीएम, तहसीलदार पुलिस अधिकारी, पेट्रोल पंप संचालक एवं शक्ति दीदियों को शामिल कर एक वॉट्सएप ग्रुप में नई शक्ति दीदियों को जोड़ने के लिये भी कहा गया है। शक्ति दीदियों को सरकार की अन्य योजनाओं से भी कराया जा रहा है लाभान्वित जिले में शक्ति दीदी बनाई गईं सभी जरूरतमंद महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से भी लाभान्वित कराया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर सभी शक्ति दीदियों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना, बीमा सुरक्षा योजना एवं उनकी बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना से जोड़ने का काम जारी है। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को पात्रता के अनुसार शक्ति दीदियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं।

ग्वालियर जिले में "न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह" शुरू

ग्वालियर जिले में भी "न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह" मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 9 नवम्बर से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल पर शुरू हुआ यह न्यायोत्सव 14 नवम्बर तक आयोजित किया जायेगा। इस दौरान प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री ललित किशोर के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में विधिक सेवाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने के लिये कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस क्रम में पहले दिन "रन फॉर जस्टिस" सदभावना मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने हरी झण्डी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारंभ किया। इस दौड़ में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री ललित किशोर सहित जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण पैरालीगल वालेन्टियर, लीगल डिफेन्स काउंसिल, पैनल अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला न्यायालय व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारीगण शामिल हुए।

मध्यप्रदेश फार्मा उद्योगपतियों का 18 सदस्यीय दल इंदौर से हैदराबाद के लिए रवाना

हैदराबाद के फार्मा SEZ क्लस्टर में करेगा एक्सपोज़र विज़िट

विश्व बैंक समर्थित "RAMP (Raising and Accelerating MSME Performance)" योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम (MPLUN) एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा फार्मास्यूटिकल सेक्टर के एमएसएमई उद्यमों के लिए हैदराबाद स्थित फार्मा स्पेशल इकोनॉमिक झोन (SEZ) क्लस्टर का दो दिवसीय एक्सपोज़र विज़िट 5 नवम्बर से 7 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस विज़िट में फार्मा सेक्टर के 18 उद्योगपति हैदराबाद के लिए रवाना हुए। इन्हें सांसद श्री शंकर लालवानी, संयुक्त संचालक उद्योग श्री समरथ सिंह मंडलोई ने स्वागत कर शुभकामनाओं सहित हैदराबाद के लिए वायुयान से रवाना किया। महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र श्री स्वप्निल गर्ग ने बताया कि इस विज़िट का उद्देश्य राज्य के फार्मा उद्यमों को उन्नत उत्पादन प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण, अंतरराष्ट्रीय मानकों और नवाचार आधारित औद्योगिक प्रथाओं से परिचित कराना है। दल में 18 उद्योग प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें 9 इंदौर से, 2 पीथमपुर से, 2 मलानपुर से, 3 भोपाल से, 1 भिंड और 1 देवास से शामिल है। प्रतिनिधिमंडल हैदराबाद फार्मा SEZ की अग्रणी कंपनियों जैसे ऑरोबिंदो फार्मा, हेटेरो लैब्स और यूजिया फार्मा का भ्रमण करेगा।इस कार्यक्रम से राज्य के फार्मा एमएसएमई को अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी, उद्योग सहयोग और निर्यात क्षमता में वृद्धि के अवसर प्राप्त होंगे। इसका समन्वयन MPLUN द्वारा किया जा रहा है तथा PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) सहयोगी संस्था के रूप में भागीदार है। इस पहल का उद्देश्य राज्य के फार्मा एमएसएमई को उन्नत तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, नवाचार एवं अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रथाओं से जोड़ना है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता, तकनीकी दक्षता और निर्यात संभावनाएँ सशक्त हों। एक्सपोजर विजिट पूर्णतः निःशुल्क है, जिसमें होने वाला समस्त व्यय फ्लाइट, होटल और भोजन आदि का व्यय शासन द्वारा वहन किया जा रहा है। यह प्रयास मध्यप्रदेश को फार्मा उद्योग के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

90 दिन में 'ग्रेच्युटी' जारी करने का आदेश, रिटायर कर्मचारी दायरे से बाहर

हाईकोर्ट की एकल पीठ ने जल संसाधन विभाग से सेवानिवृत्त सहायक अभियंता मुन्नीलाल साहू की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार द्वारा रोकी गई ग्रेच्युटी जारी करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति आशीष श्रोती की एकलपीठ ने कहा कि विभाग ने संशोधित नियम लागू होने से पहले सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी पर नया नियम लागू कर गलती की है। पेंशन के नए नियम लागू होने से पहले सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी इसके दायरे में नहीं आएंगे।

पहले हो चुके थे रिटायर

याचिकाकर्ता ग्वालियर निवासी मुन्नीलाल साहू 31 जुलाई-2022 को सेवानिवृत्त हुए थे। विभाग ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में आपराधिक प्रकरण लंबित होने के कारण पूरी ग्रेच्युटी रोक ली थी और इसका आधार पेंशन नियम 64 (सी) बनाया था। हालांकि, यह प्रावधान 19 मई-2023 को संशोधित हुआ था, जबकि साहू उससे पहले रिटायर हो चुके थे।

ग्रेच्युटी रोकना गलत

ग्रेच्युटी रोके जाने के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अधिवक्ता डीपी सिंह ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता नियम लागू होने के पहले सेवानिवृत्त हो गए, लेकिन विभाग ने जो नियम लागू नहीं था, उसके आधार पर ग्रेच्युटी रोकी है। इस तरह से ग्रेच्युटी रोकना गलत है। राज्य शासन ने याचिका का विरोध किया। अदालत ने कहा कि संशोधित नियम का प्रभाव पूर्ववर्ती मामलों पर नहीं डाला जा सकता। इसलिए मुन्नीलाल

साहू के मामले में पुराने नियम 64 के तहत निर्णय लिया जाए। कोर्ट ने 7 अप्रेल 2022 के आदेश को निरस्त करते हुए निर्देश दिया कि विभाग 90 दिनों में ग्रेच्युटी भुगतान पर निर्णय करें।

एबी रोड से संजय गांधी नगर तक सड़क चौड़ी के लिए हटाए गए बाधक निर्माण

पंद्रह साल पहले इंदौर विकास प्राधिकरण ने आधी सड़क बनाई और प्रोजेक्ट क्लोज कर दिया। अब नगर निगम एबी रोड से रिंग रोड तक सड़क बना रहा है। इसके लिए गुरुवार को 40 से ज्यादा निर्माण तोड़े गए। 35 साल पहले बने मास्टर प्लान में इस सड़क को शामिल किया गया था, लेकिन सड़क आज भी अधूरी है। मंगलवार को भी 140 से ज्यादा निर्माण जमींदोज हुए, हालांकि यह हिस्सा बनने के बाद भी सड़क अधूरी ही रहेगी। रिंग रोड से बायपास और एबी रोड से अनोप टॉकिज तक सड़क बनाने की अभी को प्लानिंग की गई है। यह सड़क बायपास को उज्जैन रोड़ से जोड़ती है। 2004 के सिंहस्थ के समय इसे बनाने के प्रयास हुए थे।

रहवासियों ने किया विरोध

गुरुवार को नगर निगम का अमला बाधक हिस्से हटाने पहुंचा तो रहवासियों ने विरोध कर दिया। कुछ महिलाएं रोने लगी तो एक व्यक्ति जेसीबी के सामने खड़ा हो गया। रहवासियों का कहना था कि वर्षों से वे वहां पर बसे हुए है। कई लोगों ने पक्के मकान बना लिए। अब नगर निगम क्यों तोड़ रहा है। अफसरों ने कहा कि मास्टर प्लान में तय चौड़ाई के हिसाब से सड़क बनाई जा रही है।

बड़े पैमाने पर हटाना होंगे अतिक्रमण

यदि इस सड़क को पाटनीपुरा से बायपास तक बनाया जाता है तो बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाना होंगे।इंदौर विकास प्राधिकरण पंद्रह साल पहले चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा से अनोप टॉकिज चौराहा तक सड़क बना चुका है, लेकिन उसके आगे सड़क नहीं बन पाई है। अब एबी रोड से रिंग रोड के बीच सड़क बनाई जा रही है। भविष्य में यह सड़क खजराना से होते हुए बायपास तक बनेगी, लेकिन इस हिस्से में सबसे ज्यादा निर्माण बाधक है।

एबी रोड से संजय गांधी नगर तक सड़क चौड़ी हो चुकी है, लेकिन 300 मीटर में घनी बस्ती है। जो हट नहीं पाई। इस कारण सड़क पूरी तरह नहीं जुड़ पाई। 300 मीटर में दो सौ से ज्यादा बाधक निर्माण है। रहवासी जमीन के बदले प्लॉट देने की मांग कर रहे है। निगम को इस हिस्से में अतिक्रमण हटाना आसान नहीं होगा।

एमआर-9 लिंक रोड के लिए तोड़े 140 बाधक निर्माण

इंदौर में पहले मास्टर प्लान में शामिल एमआर-9 लिंक रोड को बनाने का काम नगर निगम ने शुरू किया है। इसके लिए मालवीय नगर से रिंग रोड तक 100 फीट चौड़ी सड़क की जद में आ रहे 140 मकानों को तोड़ा गया। रहवासियों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन अफसरों ने कहा कि तय मोहलत के बाद अब बाधक हिस्से तोड़ना होंगे। पिछले दिनों रहवासियों ने विधायक रमेश मेंदोला के घर के सामने धरना भी दिया था।

इंदौर विकास प्राधिकरण पंद्रह साल पहले चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा से अनोप टॉकिज चौराहा तक सड़क बना चुका है, लेकिन उसके आगे सड़क नहीं बन पाई है। अब एबी रोड से रिंग रोड के बीच सड़क बनाई जा रही है। भविष्य में यह सड़क खजराना से होते हुए बायपास तक बनेगी। चौड़ाई की जद में आ रहे 140 मकानों को पिछले माह नोटिस दिए गए थे और स्वेच्छा से मकान हटाने को कहा गया था। कुछ रहवासियों ने मकान हटा लिए थे। जिन लोगों ने निर्माण नहीं तोड़े, उन्हें नगर निगम के अमले ने जमींदोज कर दिया। पाचं जेसीबी व पोकलेन की मदद से चौड़ाई की जद में आ रहे सभी निर्माण को तोड़ दिया गया। अब नगर निगम अगले माह सड़क बनाने का काम शुरू करेगा।

बीच का हिस्सा भी अधूरा

एबी रोड से संजय गांधी नगर तक सड़क चौड़ी हो चुकी है, लेकिन 300 मीटर में घनी बस्ती है। जो हट नहीं पाई। इस कारण सड़क पूरी तरह नहीं जुड़ पाई। 300 मीटर में दो सौ से ज्यादा बाधक निर्माण है। रहवासी जमीन के बदले प्लॉट देने की मांग कर रहे थे। इस कारण अभी तक सड़क अधूरी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में खेलों में आगे बढ़ रहा है देशः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

फिट इंडिया मूवमेंट अभियान चलाया प्रधानमंत्री श्री मोदी ने : केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान विदिशा में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कल्पनाशील हैं। उनके कुशल नेतृत्व में देश खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। देश में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन करना उन्हीं की ही सोच है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अपने संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का अद्भुत आयोजन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात विदिशा के स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदिशा नगर खेलों और खिलाड़ियों के विकास में दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों को पीछे छोड़ेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी सभी क्षेत्र के लोगों को प्रोत्साहित करते हैं। खेल क्षेत्र भी इसमें शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदिशा ऐतिहासिक नगरी है। सम्राट अशोक से इसका संबंध रहा है। साथ ही उज्जैन से भी विदिशा का प्राचीन काल से गहरा संबंध रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने लोकतंत्र के मूल्य की रक्षा की और आज भी विदिशा जैसे नगर लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यहां के विजय मंदिर की प्रतिकृति के आधार पर नए संसद भवन का निर्माण किया गया है। मध्यप्रदेश के मितावली के 64 योगिनी मंदिर के आकल्पन को पुरानी संसद का आधार बनाया गया था। इस नाते मध्यप्रदेश लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदिशा भोपाल फोरलेन मार्ग के निर्माण का कार्य स्वीकृत किया जाएगा। यह फोरलेन सलामतपुर सांची होकर बनेगा। साथ ही विदिशा अहमदनगर निर्माण सहित अन्य सुझावों को शासन द्वारा स्वीकृति दी जाएगी। खिलाड़ियों और युवाओं के प्रोत्साहन के सभी कार्य होंगे। इस खेल उत्सव में क्रिकेट, कबड्डी, मलखंभ और अन्य खेलों के शामिल करने के प्रयासों की सराहना की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदिशा नगर निगम के लिए निकटवर्ती ग्रामों को जोड़ने संबंधी अध्ययन और सर्वेक्षण की कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय कृषि किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिट इंडिया मूवमेंट का अभियान चलाया है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल प्रभावी माध्यम होते हैं। व्यक्तित्व विकास और फिट रहने के लिए खेल जरूरी हैं। श्री चौहान ने कहा कि हम सोच नहीं सकते थे कि भारत सन 1983 में क्रिकेट का विश्व कप जीत सकता है। यह कार्य महान खिलाड़ी श्री कपिल देव ने करके दिखाया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत दो महीने तक गांव-गांव में खेल होंगे, इसके लिए 37 हजार खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है। खिलाड़ी खेलों का भरपूर आनंद लें और खेल भावना जागृत करने में कोई कमी नहीं रहने दें। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष विदिशा के विकास के लिए विभिन्न सुझाव रखें। केंद्रीय खेल मंत्री श्री मांडविया ने खेल महोत्सव में वर्चुअली शामिल होकर कहा कि खेलों में कोई कभी हारता नहीं है, कोई जीतता है तो कोई सीखता है। खेलों से फिर से जीतने का जज्बा आता है। मुझे खुशी है कि देश के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के लिए इतना बड़ा सांसद खेल महोत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हो रहा है। केंद्रीय खेल मंत्री श्री मांडविया ने कहा कि मध्यप्रदेश में खेलों को आगे बढ़ाने के लिए कमी नहीं छोड़ी जाएगी। विदिशा में एथलेटिक्स सेंटर चालू किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान श्री कपिल देव ने कहा कि विदिशा जैसे छोटे शहर में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बनता है। यह भारत का भविष्य है। बड़े शहरों के बड़े मॉल और बड़ी इमारतें भारत का भविष्य उतना नहीं जितना विदिशा जैसे छोटे शहरों में खिलाड़ियों का उत्साह देखकर हम आश्वस्त होते हैं। श्री कपिल देव ने सम्मानित खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा खेल के साथ पढ़ाई भी बहुत जरूरी है और विदिशा के खिलाड़ी और उनके अभिभावक बधाई के पात्र हैं, जो खेल और पढ़ाई दोनों को महत्व देते हैं। अभिभावक भी खेलों प्रोत्साहित करते हैं । श्री कपिल देव ने कहा कि वे जरूर विदिशा दोबारा आना चाहेंगे। आज मौसम की वजह से केंद्रीय खेल मंत्री यहां नहीं आ पाए लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री चौहान के आग्रह पर भी यहां आकर उन्हें बहुत आनंद का अनुभव कर रहे हैं। श्री कपिल देव ने कहा कि हमारे देश में खेलों के प्रति इतना सम्मान है। यह इस कार्यक्रम में पहुंचकर अनुभव हुआ। खेलों के प्रति विदिशा के खिलाड़ियों का समर्पण सराहनीय है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि यह सभी खिलाड़ी देश के लिए जरूर खेलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री चौहान अभिनंदन के पात्र हैं, इस खेल उत्सव की कल्पना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान श्री कपिल देव का विदिशा पहुंचने पर अनेक स्थानों पर फूल मालाओं से हुआ भव्य स्वागत।

सांसद खेल महोत्सव में हुआ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री श्री चौहान और क्रिकेटर श्री कपिल देव ने विदिशा में सांसद खेल महोत्सव में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में युवाओं द्वारा प्रस्तुत किये गये मलखंभ की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी सहित बड़ी संखय में खिलाड़ी और नागरिक उपस्थित थे।

सीवर सफाई में ढिलाई से नाराज़ हुए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

वार्ड 8 विजय नगर में सीवर, सफाई तथा विधुत व्यवस्था का किया निरीक्षण

ग्वालियर 26 अक्टूबर 2025। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को उप नगर ग्वालियर के वार्ड 8 में विजय नगर सहित विभिन्न मोहल्लों में सीवर, कचरा संग्रहण तथा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस सीवर चेम्बर चौक होने, तथा नियमित कचरा संग्रहण न होने की आम नागरिकों द्वारा की गई शिकायतों पर उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सीवर लाइन चौक होने की शिकायतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। जहां से भी शिकायतें मिल रही हैं, वहां तुरन्त मशीनें लगाकर सीवर की सफाई कराई जाए। साथ हर गली-मोहल्ले में नियमित कचरा संग्रहण के प्रबंध किए जाएं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के भ्रमण के दौरान नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी, पीएचई अधिकारी तथा सीवर प्रभारी भी मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आम जन की तकलीफों को दूर करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यदि इस जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक से करने में कोई अधिकारी-कर्मचारी लापरवाही दिखाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जावेगी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आम जन से अपील की कि अपने गली-मोहल्ले में साफ-सफाई तथा स्वच्छ वातावरण स्थापित करने में वह भी नगर निगम अमले का सहयोग करें।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लगभग 52.34 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" (अंतराष्ट्रीय कीमत 5,23,400/-) जब्त की । आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेच अवैध लाभ अर्जित करना कबूला। आरोपी पर पूर्व में इंदौर शहर में 01 अपराध दर्ज है।

आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं दैनिक वेतन पर गाड़ी चलाने का कार्य करता है। अपराध क्रमांक- 186/2025 धारा- 8/22 घटना स्थल- दिलपसंद ग्रीन मल्टी स्कीम न.140 पुरानी चौपाटी

आरोपी का नाम -

रियाज उर्फ सोनू खान नि.ताज नगर खजराना इंदौर जब्त माल का विवरण : - 52.34 ग्राम "MD" एवं स्कूटी गाड़ी कुल मश्रूका 5,83,400/- रुपए घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश पतारसी करने के दौरान शहर के दिलपसंद ग्रीन मल्टी स्कीम न.140 पुरानी चौपाटी क्षेत्र में एक व्यक्ति स्कूटी जिसका नंबर MP 09 जे एम 7860 के साथ खड़ा दिखा जो कि पुलिस वाहन को देख कर भागने का प्रयास करने लगा जिसे घेरा बंदी कर रोक कर पूछताछ करने पर पुलिस को देख घबराने लगा, वहां खड़े रहने के वजह पूछने पर कुछ का कुछ

बताने लगा। पुलिस द्वारा नाम पता पूछने पर अपना नाम रियाज उर्फ सोनू खान नि.ताज नगर खजराना इंदौर का होना बताया। जिसकी विधिवत तलाशी लेते 52.34 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स बरामद किया गया। आरोपी को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस कार्यवाही -

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि अवैध लाभ अर्जित करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीद कर महंगे दामों पर नशे के आदी लोगों को बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 52.34 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" एवं एक दोपहिया वाहन जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 186/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में 75 नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ शिष्योपनयन संस्कार कार्यक्रम

विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को निखारे, शिक्षकों के अनुभव का लाभ लें : संभागायुक्त डॉ. खाड़े,अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय को मिलेगा नया स्वरूप, 39 करोड़ रुपये की लागत से होंगे विकास कार्य,नए हर्बल गार्डन सहित अध्ययन के लिए बनेगी नई ईमारत, ध्यान एक विधा है, सीखें और समाज के लिए उपयोगी बनाएं: संभागायुक्त डॉ. खाड़े

इंदौर के स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में सोमवार को नवप्रवेशित 75 विद्यार्थियों का शिष्योपनयन संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वशासी महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सुदाम खाड़े ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद का संसार असीमित है, विदेशों में भी इसके पर्याप्त अवसर बढ़ने लगे है। इस विशाल संभावनाओं वाले चिकित्सकीय क्षेत्र को जीवन में भविष्य के लिए नया आयाम समझें। भारतीय प्राचीन पद्धति ने जो खोजा और जिसे परंपरागत रूप से अपनाते चले आ रहे है। यह अनोखी और आवश्यक है। चिकित्सा का यह क्षेत्र ज्ञान के आलोक में ले जाएगी। इस नई यात्रा में खुद को ज्ञान के लिए सौंपे और आनंद के साथ इस नए अवसर को भविष्य के लिए संवारे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. खाड़े ने भगवान धनवंतरि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एसोशिएट प्रो. डॉ शेलेश शुक्ला ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को शिष्योपनयन संस्कार की शपथ दिलायी। वहीं सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश मालवीय ने शिष्योपनयन संस्कार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुरूचि सोलंकी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

हमारी प्राचीन गौरवाशाली परम्परा को आगे बढ़ाने का दायित्व भी विद्यार्थियों का

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश की प्राचीन वैध्यकीय आयुर्वेद की परम्परा रही है। जो वर्षों पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने शुरू की थी। इस गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाने में आप जैसे नवप्रवेशित विद्यार्थियों का बड़ा योगदान होगा। नवप्रवेशित विद्यार्थियों के सत्र की शुरूआत शिष्योपनयन संस्कार के साथ होना सुखद और शुभदाय है। इससे नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार और प्रेरणा भी मिलेगी। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं। यहाँ जो सीख मिलेगी, वे आपके जीवन में बढ़ा बदलाव लाएगी। यह एक ऐसा अवसर है, जो नवीनताओं से भरा हुआ है, जिसमें ज्ञान और विज्ञान के साथ आनन्द भी है। साथ में उसकी सीमाएं भी है। ये सीमाएं स्वयं विद्यार्थियों को तय करना होगी। विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को निखारे, शिक्षकों के अनुभव का लाभ लें और बेहतर से बेहतर बनने की कोशिश करें। कार्यक्रम से पूर्व संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने महाविद्यालय के प्राचार्य से जानकारी प्राप्त की और महाविद्यालय का अवलोकन किया।

1916 से ब्रह्मचर्य आश्रम के रूप में संचालित हो रहा आज का आष्टांग महाविद्यालय

महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाप्राचार्य डॉ. अजीत पाल सिंह चौहान ने स्वागत संबोधन देते हुए कहा कि अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय पूर्व में 1916 से ब्रह्मचर्य आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जाता था। इसके बाद 1965 से यह देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से संबद्ध हुआ, जिसके बाद शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई थी। वर्ष 1972 में राजकुमार सिंह आयुर्वेद महाविद्यालय का इसी में विलय कर विधिवत आयुर्वेद की शिक्षा प्रारंभ हुई। वर्ष 1995 से यह स्वशासी महाविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है। अब शासन द्वारा 39 करोड़ रुपये इस महाविद्यालय और चिकित्सालय के लिए स्वीकृत किए गए है। जिससे इस महाविद्यालय को एक भव्य रूप दिया जाएगा। यहाँ अध्ययन के लिए विद्यार्थियों के लिए नया भवन और नया हर्बल गार्डन विकसित करने के साथ ही कई नये कार्य किए जाएंगे। नवप्रवेशित 75 विद्यार्थी यहाँ संचालित स्नातक बीएएमएस साढ़े चार वर्षीय पाठ्यक्रम की शिक्षा प्राप्त करेंगे। महाविद्यालय में 100 बिस्तरों का आयुर्वेद चिकित्सालय है जिसमें प्रतिदिन 250 से 300 मरीज ओपीडी में आते हैं। चिकित्सालय में आयुर्वेद की समस्त चिकित्सा जैसे पंचकर्म, नेत्ररोग, बालरोग, स्त्रीरोग, कर्ण रोग, शल्य चिकित्सा, कैंसर चिकित्सा, नाड़ी परीक्षा आदि सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में माता जानकी के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में जानकी मैया की आरती कर आसमान भी किया। उन्होंने मध्यप्रदेश के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंदिर परिसर में पुजारियों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने पारम्परिक तरीके से पगड़ी पहनाकर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त की और कहा कि माता जानकी की यह जन्म स्थली (पुनौरा धाम) भारतीय संस्कृति, आस्था और स्थापत्य कला का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि माता जानकी समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति थीं। उनके चरणों में मध्यप्रदेश की जनता की की ओर से प्रणाम कर सभी के मंगल की कामना करता हूँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर मंदिर परिसर में बडी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। सभी ने माता जानकी का जयघोष किया।पुनौरा धाम में दर्शन-पूजन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता जानकी की जन्म स्थली के दर्शन का सौभाग्य मिला है। यह स्थान भगवान श्रीराम के रामराज्य का समय, माता सीता से स्वयंवर तथा विवाह के बाद इस स्थान से अयोध्या जाने का स्मरण कराता है। हमें भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा मिलती है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अयोध्या में हिंदु-मुस्लिम सभी भाईयों ने मिलकर श्री राम का भव्य मंदिर बनवाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में धार्मिक पर्यटन को कैसे बढ़ाया जा सकता है, यह हमने काशी, अयोध्या, प्रयागराज और उज्जैन में भी देखा है। बाबा महाकाल के महालोक से हर वर्ग का कल्याण हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सीतामढ़ी में जनकपुरी धाम के निर्माण के लिए राशि मंजूर की है, इससे पूरा क्षेत्र और बिहार सांस्कृतिक मूल्यों से समृद्ध होते हुए स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिहार की धरती सम्राट अशोक के काल से सदैव लोगों को आकर्षित करती रही है। इसी धरती पर भगवान श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब ने भव्य सूर्य मंदिर बनाया था। बिहार और मध्यप्रदेश का संबंध हर कालखंड में प्रगाढ़ रहा है। दोनों ही राज्यों में डबल इंजन की सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग का कल्याणा करते हुए आगे बढ़ रही है।

लालकिले के बाहर भीषण धमाका, 11 की मौत, कई घायल

दिल्ली के ऐतिहासिक लालकिले के बाहर मंगलवार की शाम एक भीषण कार विस्फोट ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। चश्मदीदों के मुताबिक, यह धमाका शाम करीब साढ़े 6 से 7 बजे के बीच हुआ, जब इलाके में ट्रैफिक सिग्नल की वजह से कई वाहन रुके हुए थे। अचानक हुई इस घटना में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों में कई की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने ली घटना की जानकारी, विपक्ष ने जताया शोक

धमाके की खबर मिलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात कर स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। केंद्र सरकार ने तुरंत दिल्ली पुलिस और एनएसजी (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड) की विशेष टीमों को जांच के लिए मौके पर भेज दिया है। इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दर्दनाक और दुखद घटना है। राहुल गांधी ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

चश्मदीदों ने सुनाया भयावह मंजर

एक चश्मदीद, जो विस्फोट स्थल से कुछ ही दूरी पर मौजूद था, ने बताया कि "जब धमाका हुआ, तब सड़क पर रेड लाइट थी, और सभी गाड़ियां रुकी हुई थीं। अचानक इतना जोरदार धमाका हुआ कि कुछ पल के लिए समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ। चारों तरफ धुआं और चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।" वह आगे बताता है कि धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के मंदिरों और दुकानों के शीशे तक टूट गए। "विस्फोट के बाद सड़क पर खून के छींटे और घायल पड़े हुए थे। कई लोग मौके पर ही गिर पड़े, कुछ बेहोश हो गए, और कुछ की वहीं मौत हो गई," उसने कहा।

लालकिला और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई

घटना के बाद लालकिले के आस-पास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने सभी प्रवेश द्वारों पर नाकाबंदी कर दी है और संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू कर दी है। राजधानी के प्रमुख बाजारों, मेट्रो स्टेशनों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश

धमाके के बाद आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह इलाका हमेशा भीड़भाड़ वाला रहता है, खासकर शाम के समय, जब सैकड़ों लोग लालकिले के आसपास घूमने आते हैं। लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सरकार ने दिए जांच के आदेश

केंद्र सरकार ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को भी मामले में शामिल किया गया है। शुरुआती रिपोर्ट आने तक किसी संगठन ने इस धमाके की जिम्मेदारी नहीं ली है। फिलहाल पूरा देश इस हादसे से स्तब्ध है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

घायलों के इलाज के लिए विशेष चिकित्सा दल गठित कर दिया गया है, और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। यह धमाका न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश के लिए एक बड़ा झटका है — जिसने सुरक्षा व्यवस्था और आतंकी खतरे को लेकर नए सिरे से चिंता बढ़ा दी है।

मौके पर अफरातफरी, पुलिस और राहत दल ने संभाला मोर्चा

धमाके के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और एंबुलेंस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। राहत कार्य शुरू कर दिया गया और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि धमाके की वजह क्या थी — क्या यह आतंकी हमला था या किसी तकनीकी खराबी से हुआ हादसा।

एनएसजी और फॉरेंसिक टीम कर रही जांच

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से विस्फोट के नमूने एकत्र किए हैं। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि धमाका किसी विस्फोटक सामग्री के कारण हुआ है, जो कार के भीतर रखी गई थी। एनएसजी की टीम इस बात की पुष्टि करने में जुटी है कि यह विस्फोट रिमोट से किया गया या टाइमर के ज़रिए।

किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अन्नदाताओं ने भव्य रैली निकालकर अहिल्या माता की नगरी को किया धन्य, भावांतर योजना से किसानों के जीवन में आयेगी खुशहाली

हजारों की संख्या में किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालकर भावांतर योजना के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

देपालपुर, इंदौर और उज्जैन में किसानों के साथ जनप्रतिनिधि भी हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्योपुर से किसानों को किया वर्चुअली सम्बोधित

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए लागू की गई भावांतर योजना के लिए इंदौर जिले के देपालपुर और उज्जैन के किसानों ने रविवार को भव्य ट्रैक्टर रैली निकालकर राज्य सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना। ट्रैक्टर रैली में हजारों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों के किसान इंदौर के सुपर कॉरिडोर में एकत्रित हुए, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव का किसानों के हित में लिये गये निर्णय के लिये आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्योपुर जिले से किसान रैली में वर्चुअली शामिल हुए और किसानों के स्नेहपूर्ण आभार प्रदर्शन के प्रति कृतज्ञता जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भावांतर योजना के माध्यम से हमने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को उनकी फसल का पूरा मूल्य मिले। बाजार में यदि दाम घटते भी हैं तो सरकार किसानों की आय में कोई कमी नहीं आने देगी। किसानों के चेहरे पर लौटती मुस्कान हमारे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है।

भावांतर योजना किसानों की आर्थिक सुरक्षा का है कवच

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज इंदौर में चारों तरफ ट्रैक्टर नजर आ रहे है। अन्नदाताओं ने भव्य रैली निकालकर माता अहिल्या की नगरी को धन्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिये निरंतर कार्य कर रही है। सिंचाई, बीज, खाद, भंडारण और विपणन की व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाया जा रहा है, जिससे कृषि एक लाभकारी व्यवसाय बन सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भावांतर योजना केवल एक भुगतान व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक सुरक्षा का कवच है।

किसान भावांतर योजना में अपनी सोयाबीन फसल के लिये करायें पंजीयन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा पंजीयन से लेकर फसल बेचने तक किसानों के लिए हर संभव सुविधाएं उपलब्ध करायी गई हैं। सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि मंडियों में उपस्थित रहकर किसानों के लिये सभी व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक सोयाबीन फसल के लिये अपना पंजीयन करायें। उन्होंने जैविक खेती के लिए भी पंजीयन कराने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है और यह योजना उनकी मेहनत का पूरा मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगी। इंदौर में आयोजित ट्रैक्टर रैली कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायकगण श्री मनोज पटेल, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला, सुश्री उषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा सहित जनप्रतिनिधि एवं हजारों की संख्या में कृषक मौजूद रहे। देपालपुर में स्थानीय विधायक श्री मनोज पटेल के नेतृत्व में ट्रैक्टर रैली प्रारंभ हुई और इंदौर पहुंची।

भावांतर योजना पर किसानों ने जताया हर्ष

ट्रैक्टर रैली में शामिल किसानों ने बताया कि भावांतर योजना से उन्हें फसलों के घटते बाजार मूल्य से बड़ी राहत मिली है। योजना के माध्यम से उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त होगा और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। भावांतर योजना से अब वे फसलों को औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर नहीं हैं। मंडी में बिक्री के बाद सरकार द्वारा दी जाने वाली भावांतर राशि उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करेगी।

हातोद के किसान श्री महेश चौधरी, श्री भारत ठाकुर और श्री धर्मेन्द्र भदौरिया ने कहा कि भावांतर योजना ने हमें बाजार की अनिश्चितता से राहत दी है। पहले उपज का दाम गिरने पर बहुत नुकसान होता था, लेकिन अब सरकार के इस कदम से हमें न्यूनतम लाभकारी मूल्य मिल रहा है। इससे खेती में भरोसा बढ़ा है।" हम इस योजना के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शुक्रगुजार है।देपालपुर के ग्राम बरोदापंथ के किसान श्री संदीप पटेल और श्री रतन पटेल ने कहा कि "पहले हमें अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ती थी, लेकिन अब भावांतर की वजह से हमें उचित भाव मिलना सुनिश्चित हुआ है, इससे हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हम मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हैं।ग्राम लिम्बोदापार के किसान श्री हरिराम चौहान और दिनेश शर्मा ने कहा कि "भावांतर योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। सरकार ने सही समय पर मदद की है। इस योजना से खेती फिर से लाभ का सौदा बन रही है।" उन्होंने बताया कि उन्होंने 70 बीघा पर सोयाबीन की बोवनी की है और भावांतर योजना में अपना पंजीयन भी करा लिया है।ग्राम खरेली के किसान श्री भुवान सिंह भाटिया ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने किसानों की सुध ली और इस योजना का लागू किया, इसके लिये मुख्यमंत्री जी का आभार। मुख्यमंत्री जी का यह निर्णय किसान हित में ऐतिहासिक है। भावांतर भुगतान से हमें न सिर्फ आर्थिक सहारा मिला है, बल्कि खेती के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह भी आया है।

किसानों को उनकी मेहनत और हक का दिलाया जायेगा पूरा पैसा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सोयाबीन के एमएसपी दर में 500 रूपये की वृद्धि कर 5328 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। किसानों की सुविधा के लिये पूरे प्रदेश में लगभग 1700 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। इसमें अब तक 5 लाख से अधिक किसानों ने अपनी फसल का पंजीयन कराया है। अकेले इंदौर जिले में ही अब तक 35 हजार से अधिक किसानों ने सोयाबीन फसल के लिये अपना पंजीयन कराया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर रखी गई है। किसानों को फसल बेचने के 15 दिवस के भीतर राशि वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी किसानों को उनकी मेहनत और हक का पूरा पैसा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि प्रदेश के किसान इस योजना का लाभ उठा रहे हैं और खुश हैं। किसानों के चेहरे पर मुस्कान देखना ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

सरकारी नौकरियों के लिए अब यूपीएससी के समान एकीकृत परीक्षा प्रणाली लागू होगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को राज्य के युवाओं और कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने घोषणा की कि अब मध्यप्रदेश में सभी सरकारी भर्तियों के लिए एक समान परीक्षा प्रणाली लागू की जाएगी। यह परीक्षा यूपीएससी (UPSC) की तर्ज पर होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी अलग-अलग विभागों में भर्ती परीक्षाएं होने से न केवल समय अधिक लगता है, बल्कि रोजगार मिलने में भी देरी होती है। अब एकीकृत परीक्षा प्रणाली से युवाओं को अवसर तेजी से मिल सकेंगे। डॉ. यादव राजधानी भोपाल में आयोजित राज्य कर्मचारी संघ के दीपावली मिलन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न मांगों पर भी गंभीरता से काम किया जा रहा है।

तीन साल में पूरी होंगी पुलिस भर्तियां

सीएम ने बताया कि पुलिस विभाग में 20 हजार से अधिक रिक्त पद हैं, जिन्हें अगले तीन वर्षों में भरने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न संवर्गों में वेतन विसंगतियों और ग्रेड पे में अंतर को दूर करने के लिए एक कर्मचारी आयोग का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी करेंगे।

प्रमोशन और भत्तों पर बोले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारियों को समय पर प्रमोशन मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस दिशा में काम अंतिम चरण में है और जल्द ही इसका समाधान निकलेगा। महंगाई भत्ते को लेकर सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार केंद्र के समान भत्ता देने के लिए प्रतिबद्ध है। अक्टूबर तक पांच समान किस्तों में एरियर देने का काम पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी आवासों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही इन पदों पर 19,504 नई भर्तियां भी की जा रही हैं।

कर्मचारियों ने सौंपा मांग पत्र

कार्यक्रम के दौरान राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपा। इसमें कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु समान करने, महंगाई भत्ता बढ़ाने और शिक्षकों की वरिष्ठता नियुक्ति तिथि से तय करने जैसी प्रमुख मांगें रखी गईं।

कर्मचारियों को 3% डीए में बढ़ोतरी! 4 माह का एरियर भी देने की तैयारी,

राज्य सरकार प्रदेश के करीब 7.5 लाख कर्मचारियों को बड़ी सौगात देने जा रही है। सरकार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) 3 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला ले सकती है। 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के मौके पर घोषणा हो सकती है। नया बढ़ा हुआ डीए 1 जुलाई 2025 से प्रभावशील माना जाएगा। इसे नवंबर और दिसंबर के वेतन में शामिल किया जा सकता है। इसके साथ ही जुलाई से अक्टूबर तक के चार महीने का एरियर भी कर्मचारियों को दिया जाएगा। वित्त विभाग के अनुमान के अनुसार, सरकार पर हर महीने लगभग 125 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ आएगा। वहीं, एरियर समेत कुल वित्तीय भार करीब 600 करोड़ रुपये तक पहुंचेगा।वर्तमान में प्रदेश के कर्मचारियों को 55% महंगाई भत्ता मिल रहा है। पहले यह 52% था, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 मई को 3% बढ़ाने की घोषणा की थी। यह बढ़ोतरी जनवरी से लागू हुई थी और इसका भुगतान जून से शुरू किया गया था। उस समय के एरियर का भुगतान कर्मचारियों को पांच किस्तों में किया गया था। संभावना है कि इस बार भी सरकार दिसंबर से मार्च तक चार किस्तों में एरियर भुगतान की प्रक्रिया अपनाएगी।

कर्मचारी आयोग के गठन से सरकारी नौकरी का सपना जल्दी होगा पूरा

तीन साल में 20 हजार पद भरे जाएंगे

तीन साल में पूरी होंगी पुलिस भर्तियां

वेतन विसंगतियों और ग्रेड पे का अंतर होगा दूर

2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए नई व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 जनवरी 2005 या उसके बाद नियुक्त हुए कर्मचारियों के लिए नई पेंशन व्यवस्था (NPS) को लेकर एक कमेटी गठित की गई है, जो जल्द अपनी रिपोर्ट देगी।

नौ साल बाद मिला हाउस रेंट अलाउंस

डॉ. यादव ने कहा कि कर्मचारियों के हाउस रेंट अलाउंस (HRA) का भुगतान नौ साल से लंबित था, जिसे उनकी सरकार ने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के चेहरों की मुस्कान हमारी ताकत है। वे ही सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को राज्य के 52 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खातों में समेकित छात्रवृत्ति योजना की 300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन के सभागार में आयोजित होगा। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव विद्यार्थियों और जनसमुदाय को वर्चुअल रूप से संबोधित करेंगे। इस आयोजन का लाइव प्रसारण सभी जिलों के विद्यालयों में किया जाएगा, ताकि प्रदेशभर के विद्यार्थी इसमें सहभागिता कर सकें। जिला और विकासखंड स्तर पर भी छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम होंगे, जिनमें स्थानीय विधायक और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। समेकित छात्रवृत्ति योजना का संचालन समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के तहत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस योजना में छह विभाग स्कूल शिक्षा, अनुसूचित जाति कल्याण, जनजातीय कल्याण, विमुक्त-घुमक्कड़-अर्धघुमक्कड़, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण और सामाजिक न्याय विभाग की कुल 20 प्रकार की छात्रवृत्तियां शामिल हैं। मुख्यमंत्री द्वारा अंतरित की जाने वाली राशि में स्कूल शिक्षा विभाग की सात प्रमुख छात्रवृत्तियां जैसे सामान्य निर्धन वर्ग, सुदामा प्री-मैट्रिक, स्वामी विवेकानंद पोस्ट मैट्रिक, सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों के बच्चे, पितृहीन कन्याओं और इकलौती बेटी की शिक्षा विकास छात्रवृत्ति भी शामिल हैं।

एएसआई की बोलेरों ने मचाया आतंक

दो बाइक सवारों को रौंदा, एक की मौत, एक बच्चे का पैर कटा, चार घायल- हाइवे पर लगा घंटों जाम

बोलेरो में बैठा एएसआई मनोज यादव।

दुर्घटना के बाद बाहर निकलता एएसआई।

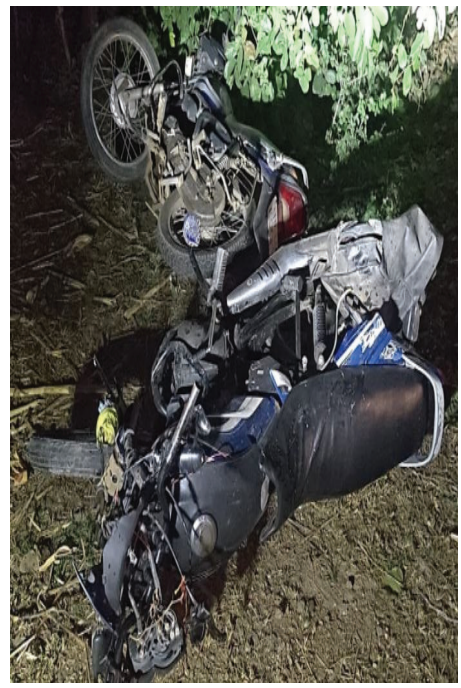

अविनाश जाजपुरा ।

जावद–भड़भड़िया मार्ग पर शुक्रवार शाम करीब 7 बजे हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। जावद थाने में पदस्थ एएसआई की तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें एक शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके 10 वर्षीय बेटे को गंभीर चोट के चलते एक पैर गंवाना पड़ा। हादसे में पत्नी और बेटी समेत अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एएसआई मनोज यादव महिंद्रा कंपनी की कार क्रमांक HR-99 ABS (Temp) 1491 चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहन गलत दिशा में आ रहा था और अत्यधिक गति में था। सामने से आ रही बाइक सवार शिक्षक दशरथ पिता शंभू सिंह (42), निवासी जावद को टक्कर मारी। बाइक पर उनकी पत्नी ललिता बाई (35), 6 वर्षीय पुत्र हर्षित और 8 वर्षीय पुत्री जया भी सवार थे। टक्कर इतनी भयंकर थी कि दशरथ की मौके पर ही मौत हो गई। पुत्र हर्षित के दोनों पैर गंभीर रूप से कुचल गए, जिसमें एक पैर डॉक्टरों को ऑपरेशन कर काटना पड़ा। पत्नी ललिता और पुत्री जया भी गंभीर रूप से घायल होकर उपचाररत हैं। हादसे में अठाना निवासी भोपाल पिता नारायण सिंह (44) भी घायल हुए, जिन्हें जिला अस्पताल से रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि वाहन पूरी तरह गलत साइड में था और एक के बाद एक तीन बाइक को टक्कर मारी। मौके पर मौजूद लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कार से शराब की बोतलें, गिलास समेत अन्य सामग्री मिली और एएसआई शराब के नशे में धुत थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही केंट थाना प्रभारी वीरेंद्र झा मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। पुलिस विभाग ने कार्यवाही करते हुए आरोपी एएसआई मनोज यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर एफआईआर दर्ज कर ली है।

एएसआई मनोज यादव।

मृतक शिक्षक दशरथ सिंह।

एएसआई की करतूत से उजड़ा गरीब परिवार

पिता की मौत- बेटा बना अपंग, अब कौन संभालेगा परिवार को

एएसआई मनोज यादव की नशीली करतूत ने एक गरीब परिवार पर कहर ढा दिया। पिता की मौत हो गई। 10 साल के मासूम बच्चे का पैर कट गया और मां-बेटी घायल हो गई। परिजनों ने घंटों धरना दिया। नीमच, जावद और हाइवे जाम किया। एएसआई कि गिरफ्तारी, निलंबन और कुछ सहायता राशि के साथ मामला शांत हुआ। बड़ा सवाल यह उठ रहा है अब गरीब परिवार का क्या होगा। पिता को खो दिया गया। एक बेटा अपंग हो गया और मां- बेटी घायल है। इस परिवार का गुजर-बसर कौन करेगा। लाख-पचास हजार रुपए कब तक चलेंगे। पिता की सरकारी नौकरी भी नहीं थी जिससे गुजारा हो जाता। एक नशेड़ी सब इंस्पेक्टर ने पूरे परिवार को तबाह कर दिया। ड्रिंक एंड ड्राइव के इस मामले में कुछ समय में कार्यवाही शांत हो जाएगी,

हादसे में घायल मासूम के दोनों काटने पड़े

पिता दशरथ सिहं लाश के रूप में ही घर पहुंचे।

आक्रोशित परिजनों का धरना, तीन घंटे तक हाईवे जाम

घटना के दूसरे दिन शनिवार को आक्रोशित परिजनों ने नीमच जिला अस्पताल में शव लेने से इनकार कर धरना दिया। सीएसपी किरण चौहान और थाना प्रभारी विकास पटेल की समझाइश के बाद भी परिजन शांत नहीं हुए और महू-नसीराबाद हाईवे स्थित भड़भड़िया फंटे पर बैरिकेड लगाकर चक्काजाम कर दिया। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब साढ़े तीन घंटे बाद जाम खुल सका।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकाल लोक परिसर में वाटर स्क्रीन प्रोटेक्शन तथा फाउंटेन शो का लोकार्पण किया

श्री महाकालेश्वर बैंड तथा श्री अन्न लड्डू प्रसादम का भी शुभारंभ हुआ

उज्जैन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के अवसर पर महाकाल लोक परिसर रुद्र सागर में वाटर स्क्रीन प्रोटेक्शन तथा फाउंटेन शो का लोकार्पण किया। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा 18 करोड़ 7 लाख रुपए से स्थापित लेजर एंड साउंड शो में भगवान श्री महाकालेश्वर, मोक्षदायनी शिप्रा नदी तथा अवंतिका नगरी की कीर्ति गाथा को प्रदर्शित किया गया है। लगभग 25 मिनट की अवधि का लाइट एंड साउंड शो अद्भुत रूप से देखते ही बनता है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्री अन्न लड्डू प्रसादम का शुभारंभ किया गया, जो मिलेट अन्न से निर्मित होगा। इसके साथ श्री महाकालेश्वर बैंड का भी शुभारंभ हुआ। महाकाल बैंड द्वारा प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर महाकाल लोक परिसर में मुख्यमंत्री द्वारा दीपदान किया गया। दीप प्रज्वलित किए गए।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्री महाकाल के आशीर्वाद से देश का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में उज्जैनी अवंतिका नगरी का विशेष स्थान है। उज्जैन का गौरवमयी इतिहास है। रुद्र सागर महाकाल लोक परिसर में लाइट एंड साउंड शो से उज्जैन आने वाले लोग उज्जैन की गौरव गाथा से परिचित होंगे। यह शो उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत करेगा। डॉ. यादव ने महाकाल बैंड की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि हमारे देश में

बैंड की प्राचीन परंपरा रही है। आगामी महाकाल सवारी तथा अन्य पर्वों पर नियोजित ढंग से प्रस्तुति तथा कदमताल के लिए बैंड विधिवत अपनी तैयारी करें।इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में कुष्ठ रोगियों के साथ दीपावली मनाई

उज्जैन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन में हामूखेड़ी कुष्ठधाम पहुंचकर कुष्ठ रोगियों के साथ दीपावली मनाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुष्ठ रोगियों को पटाखे, मिठाई तथा उपहार भी वितरित किए। दीपावली की शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, अधिकारी, कर्मचारी, नागरिक गण उपस्थित थे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज अपने भाई-बहनों के साथ दीपावली त्यौहार मनाने का आनंद आ रहा है। इस शुभ अवसर पर आत्मीयता की ऊष्मा से सभी का कल्याण हो। सभी स्वस्थ हो , समृद्धि की ओर अग्रसर हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुष्ठ रोगियों के सहायतार्थ कलेक्टर को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवार का नियोजित ढंग से सर्वेक्षण कराया जाए ताकि जो भी आवश्यक सहायता हो शासन उपलब्ध कराएगा। कुष्ठ रोगियों को पेंशन भी सुनिश्चित रूप से मिलेगी।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उज्जैन शहर में हो रहे चौमुखी विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि आज टू लेन फोरलेन सड़कों का निर्माण रोजगार के लिए फैक्ट्रियों की स्थापना हो रही है। सभी ओर विकास नजर आ रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रेरणा से समाजसेवी श्री प्रकाश यादव द्वारा प्रत्येक कुष्ठ रोगी परिवार को अपनी ओर से 21-21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की गई।मुख्यमंत्री ने दीपावली के दीए तथा अन्य सामग्री की खरीदी कीहामुखेड़ी से लौटते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राह में नागझिरी रोड पर उमेश की दुकान से दीपावली की सामग्री खरीदी। मुख्यमंत्री ने दुकानदार के साथ आत्मीयता से बात करते हुए दीपावली के दीए, धानी तथा झाड़ू आदि सामग्री खरीदी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दुकानदार की बालिका से उसकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा अच्छे से पढ़ाई के लिए प्रेरित किया।

कार्य पद्धति को बेहतर बनाने के लिए करें नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान ऑनलाइन में मुख्यमंत्री ने लंबित प्रकरणों का समाधान करवाया जिस क्षेत्र में कोई शिकायत नहीं उन्हें करेंगे पुरस्कृत

कलेक्टर्स शैक्षणिक परिसर और छात्रावासों का करें निरीक्षण 3 निलंबित और 19 कर्मियों के विरुद्ध हुई दण्डात्मक कार्यवाही समाधान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिलों में रायसेन और दतिया के साथ ही ऊर्जा विभाग अव्वल

रतलाम। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कार्य पद्धति को बेहतर बनाकर नए प्रयोगों और नवाचारों के माध्यम से नागरिकों के कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे करने के प्रयास किए जाएं। सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत जिन जिलों अथवा क्षेत्रों में न्यूनतम शिकायतें होंगी, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में शिकायतें शून्य स्थिति में हैं उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों से अधिकारी-कर्मचारी सुशासन स्थापित करें। समाधान ऑनलाइन समीक्षा में प्रकरणों में कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले 3 कर्मियों को निलंबित करने के साथ ही 19 अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5 शासकीय सेवकों की वेतन वृद्धि रोकने, 6 को कारण बताओ नोटिस देने, 7 प्रकरण में अनुशासनात्मक कार्यवाही और एक प्रकरण में दोषी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

अच्छे कार्य करने वालों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीसी द्वारा समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में नागरिकों के लंबित प्रकरणों के समाधान की कार्यवाही करवाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि आम लोगों के हित में प्रशासनिक अमला दक्षता से कार्य करे। बीते महीनों में हुए श्रेष्ठ कार्यों के लिए जिला स्तर पर रायसेन एवं दतिया जिले और विभाग स्तर पर ऊर्जा विभाग प्रथम स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चार अधिकारियों श्री के.के. दुबे उपनिरीक्षक थाना रावतपुरा जिला भिंड, श्री वेंकटेश नेरकर कनिष्ठ अभियंता ऊर्जा मंडला, डॉ नंदिता निगम, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी धार और श्री कमलेश शुक्ला, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सतना को सितम्बर माह में सीएम हेल्पलाइन में मिली शिकायतों के शत-प्रतिशत निराकरण के लिए उच्च प्रदर्शन के लिए बधाई दी। समाधान ऑनलाइन बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा में लिए गए प्रकरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष समाधान ऑनलाइन समीक्षा बैठक में छात्रवृत्ति, आहार अनुदान, भू-अर्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और शिक्षकों की उपस्थिति से संबंधित प्रकरणों पर कार्रवाई हुई। अनूपपुर जिले के आवेदक श्री सीता बैगा ने आहार अनुदान की राशि प्राप्त न होने की शिकायत की थी। आवेदक को राशि का भुगतान करवाते हुए विलंब के लिए दोषी ग्राम पंचायत सचिव के निलंबन और सहायक आयुक्त कार्यालय के दोषी शासकीय सेवक की वेतन वृद्धि रोकी गई। रीवा जिले के श्री आशीष बहेलिया की लैपटॉप की राशि का भुगतान करवाया गया। इस तरह के लंबित अन्य प्रकरणों में भी तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। दोषी शासकीय सेवक के निलंबन और विभागीय जांच के निर्देश दिए गए। डिण्डोरी जिले के आवेदक श्री उज्जवल साहू की पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति का भुगतान करवाया गया। पोर्टल की समस्या के कारण इस कार्य में विलंब होना पाया गया जिसके फलस्वरूप दोषियों को दण्डित करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदसौर जिले के आवेदक श्री योगेश द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना की राशि में विलंब के लिए भी अधिकारियों-कर्मचारियों का दायित्व निर्धारित कर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। डिण्डोरी जिले के आवेदक श्री अरूण यादव के सब्सिडी राशि न प्राप्त होने के प्रकरण में बैंक के स्टॉफ की त्रुटि पाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आवेदक के हक की राशि 97 हजार 500 दिलवाते हुए विलंब के जिम्मेदार बैंक कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश गए। इस प्रकरण में कुटीर एवं ग्रामोद्योग के एक अधिकारी और एक कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार जिले की छात्रा सुश्री शिवानी मौर्य की छात्रावास में बिस्तर सामग्री के लिए राशि न दिए जाने की शिकायत पर अप्रसन्नता व्यक्त की और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को इस तरह की शिकायतों को तत्परता से निराकृत करने के निर्देश दिए। छात्रावासों में विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के कार्य में लापरवाही बरतने वालों को दण्डित किया जाएगा। मैहर जिले की कु. संजना पटेल की समग्र आईडी को अन्य व्यक्ति के आधार से लिंक हो जाने की लापरवाही के लिए चार शासकीय सेवकों के विरूद्ध वेतन वृद्धि रोकने, कारण बताओ नोटिस देने, अन्य कार्यालय में संबद्ध करने और 15 दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की गई। जबलपुर जिले की श्रीमती रामदेवी वर्मन के आवेदन पर जननी सुरक्षा योजना की राशि का भुगतान समाधान ऑनलाइन के माध्यम से हुआ। इस प्रकरण में तीन शासकीय सेवकों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में दायित्व से पृथक करने और कारण बताओ नोटिस की कार्यवाही शामिल है। अशोक नगर के श्री शिवप्रताप बुंदेला के प्रकरण में भू-अर्जन की मुआवजा राशि 17 लाख 25 हजार का भुगतान करवाया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने भुगतान में पांच वर्ष के विलंब के लिए दोषी व्यक्ति पर दण्डात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। शिवपुरी जिले के श्री सौरभ किरार को कृषि यंत्रीकरण की राशि वापस दिलवाई गई। इस प्रकरण में कृषि विभाग के एक अधिकारी और तीन यंत्रियों की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए। एक अन्य प्रकरण में मैहर जिले के श्री प्रवीण तिवारी ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान निर्धारित स्थान से संचालित न करने और उपभोक्ताओं को राशन सामग्री का वितरण न करने के प्रकरण में तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित किया गया और सहायक आपूर्ति अधिकारी की वेतन वृद्धि रोकी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश

नागरिकों के कार्यों में विलंब नहीं होना चाहिए। तत्परता से कार्य पूर्ण करें। शैक्षणिक परिसर में विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं मिलें, समय- समय पर कलेक्टर्स कैंपस में भ्रमण कर सुविधाओं का जायजा लें।प्रकरण में विलंब के लिए दोषी कर्मियों का दायित्व निर्धारित कर कार्रवाई करें।शासकीय विभागों के साथ बैंक के अधिकारी- कर्मचारी भी जनता के प्रति जवाबदेह हैं। इनकी लापरवाही पर भी दण्डित करने की कार्यवाही की जाए।कार्यालयों में शिकायतें लंबित नहीं होना चाहिए।जनकल्याण के सभी प्रकल्पों को सही तरीके से क्रियान्वित किया जाए।राशन की दुकान स्थानांतरित करने के मामले में ग्रामीण क्षेत्र में सरपंच और नगरीय क्षेत्र में पार्षद का सुझाव और सहमति ली जाना चाहिए। जिले के एन आई सी कक्ष मे कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार, एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. मुरुगन ने की सौजन्य भेंट

सरकार, पुलिस प्रशासन और सम्पूर्ण समाज है शहीदों के परिजन के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिस जवानों को अर्पित की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर पुलिस जवानों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि यह दिवस प्रत्येक वर्दीधारी के लिए प्रेरणा का पुंज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1959 की वह ठंडी सुबह आज भी हमारे मन में गहराई से अंकित है। लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में हमारे 10 वीर पुलिस जवानों ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनके बलिदान के उपरांत ही भारत में पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई। हमारे वीर जवानों ने वर्ष 1959 में जिस अदम्य साहस के साथ चीन की हरकतों का सामना किया, वह 10 हजार जवानों के साहस के बराबर था। "हमारे लिए यह दिवस एक पर्व की तरह है, क्योंकि अपने कर्तव्य की बेदी पर प्राणों का उत्सर्ग, हमारे जवानों का सौभाग्य और हमारे लिए प्रेरणा है।" जो अपने कर्तव्य की वेदी पर प्राणों की आहुति देता है, वह वास्तव में अमर है।" यह शहादत हमें समर्पित भाव से ड्यूटी की प्रेरणा देती है और सरकार के दृष्टिकोण से यह गर्व का विषय है कि हमारे जवान कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से सदैव अपने साथियों को प्रेरणा देते रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस परेड 2025 के अवसर पर लाल परेड ग्राउंड शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान ने हमारी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की है। वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना से वे सदैव हमारी स्मृतियों में रहेंगे। उन्होंने बाबा महाकाल से प्रदेश की समृद्धि और सुरक्षा की कामना करते हुए पुलिसकर्मियों से अपने कर्तव्य पथ पर समपर्ण और निष्ठा के भाव से निरंतर अग्रसर रहने का आहवान किया।

पुलिस के कारण ही अपराधियों के हौसले पस्त हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को शांति का टापू कहा जाता है। इसका श्रेय प्रदेश पुलिस की सतर्कता, अनुशासन और समर्पण को जाता है। हमारे पुलिस कर्मी प्रदेश में नक्सलवाद, माफिया, साइबर अपराध के नियंत्रण और महिला सुरक्षा, तकनीकी नवाचार तथा जन-जागरूकता अभियानों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। यह गर्व का विषय है कि पुलिस के कारण ही अपराधियों के हौसले पस्त हैं और हम सुशासन की ओर अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीरो टॉलरेंस की नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते वर्ष डेढ़ करोड़ के इनामी 10 नक्सलवादियों का खातमा, जयपुर सीरियल ब्लास्ट के आरोपियों की गिरफ्तारी और आतंकवादियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई पुलिस के पराक्रम के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2026 तक नक्सलवाद उन्मूलन के लक्ष्य को पुलिस की क्षमता-योग्यता के आधार पर ही प्राप्त करेंगे।

सृजन कार्यक्रम, सेफ क्लिक-सुरक्षित जीवन और नशे से दूरी है जरूरी अभियानों का समाज पर व्यापक प्रभाव रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले में पुलिस द्वारा शुरू किए गए एकल सुविधा केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि इससे जनसामान्य में सुरक्षा और विकास का माहौल सुदृढ़ हुआ है। उन्होंने अवैध हथियारों के निर्माण, संग्रहण और तस्करी के विरुद्ध पुलिस की सघन कार्रवाई की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'सृजन' कार्यक्रम के तहत बाल संरक्षण, आत्मरक्षा और सशक्तिकरण को नई परिभाषा देने के लिए पुलिस का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथी झुग्गियों में किशोर-किशोरियों को गुड टच-बैड टच, यौन हिंसा की रोकथाम, बाल अधिकार, पोषण, स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण देकर कम्युनिटी पुलिसिंग की मिसाल पेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध बड़ी चुनौती है। राज्य की साइबर सेल, फॉरेंसिक, डाटा एनालिटिक्स और जीपीएस तकनीक से त्वरित कार्रवाई कर रही है। "सेफ क्लिक-सुरक्षित जीवन" अभियान ने घर-घर में जागरूकता बढ़ाई है, वहीं "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

नए आपराधिक कानूनों में शत-प्रतिशत सफलता के लिए प्रदेश पुलिस बधाई की पात्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि CCTNS सिस्टम के माध्यम से सभी थानों को ऑनलाइन जोड़ा गया है, जिससे इंटीग्रेटेड क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के जरिए पुलिस, न्यायालय, अभियोजन और फॉरेंसिक विभाग डिजिटल रूप से एकीकृत हुए हैं। इससे जांच और सुनवाई की गति में पारदर्शिता और तेजी आई है। उन्होंने कहा कि मिशन कर्मयोगी के तहत पुलिस ने कौशल विकास, डिजिटल लर्निंग और नेतृत्व विकास में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। जुलाई-2024 से लागू नए आपराधिक कानूनों में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त करने के लिए भी उन्होंने पुलिस को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने की इंदौर के पुलिस जवान के त्वरित एक्शन की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब कोई संकट आता है, जनता को सबसे पहले पुलिस याद आती है। चाहे डायल 100 हो या 112, पुलिस हर परिस्थिति में जनता का सहारा है। उन्होंने इंदौर में घटित एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां पुलिस जवान ने विधायक श्री मधु वर्मा की जान बचाने में त्वरित रूप से सीपीआर देकर जिस संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय और एक्शन में आने का परिचय दिया, वह पूरे पुलिस बल के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार सदैव पुलिसकर्मियों के साथ है। यदि हमारे बीच कोई शहीद होता है, तो सरकार उसके परिवार के साथ खड़ी दिखाई देती है, इस परंपरा को निभाते हुए शहीद पुलिसकर्मी के परिजनों को 1 करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता देने की नीति लागू की गई है। यह राशि केवल सहायता नहीं, बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को बढ़ाने का प्रतीक है। व्यवस्था का आधुनिकीकरण और पुलिसकर्मियों का कल्याण राज्य सरकार का दायित्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस जवान ठंड, गर्मी, बरसात और त्यौहार सब भूलकर अपनी ड्यूटी करती हैं, ऐसे में सरकार का दायित्व है कि उनके कल्याण और आधुनिकरण पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पुलिस कर्मियों के लिए 5700 करोड़ रुपये की लागत से 25 हजार से अधिक मकान बनाए जा रहे हैं। पुलिस के कल्याण, आधुनिकीकरण और मनोबल वृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। रिक्त पदों की पूर्ति के लिए लगभग 7500 पदों की भर्ती हर वर्ष करते हुए 21 हजार पदों की भर्ती अगले तीन वर्ष में पूरी की जाएगी।

अमर शहीदों की निष्ठा और बलिदान हमारे लिए प्रेरणा : पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धा, स्मरण और संकल्प का दिन है। यह हमारे उन वीर साथियों की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने 'निष्ठा से सेवा' के अपने संकल्प को अपने रक्त से लिखा और देश व प्रदेश की शांति और सुरक्षा की खातिर अपने प्राणों की आहुति दी। आज का दिन हमें उनकी याद दिलाता है। उनका खालीपन हमें हमेशा महसूस होगा, लेकिन उनका साहस, उनकी निष्ठा और उनका बलिदान हमारे लिए एक ऐसी मशाल है जो हमारे पुलिस बल को हमेशा रास्ता दिखाती रहेगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मध्यप्रदेश पुलिस के 11 जवानों ने देश के लिए अपनी शहादत दी है। शहीदकर्मियों में निरीक्षक स्व. संजय पाठक, निरीक्षक स्व. रमेश कुमार धुर्वे, सहायक उप निरीक्षक स्व. रामचरण गौतम, सहायक उप निरीक्षक स्व. महेश कुमार कोरी, प्रधान आरक्षक स्व. संतोष कुशवाह, प्रधान आरक्षक स्व. प्रिंस गर्ग, प्रधान आरक्षक स्व. अभिषेक शिंदे, प्रधान आरक्षक स्व. गोविंद पटेल, आरक्षक स्व. अनुज सिंह, आरक्षक स्व. सुंदर सिंह बघेल एवं आरक्षक स्व. अनिल यादव शामिल हैं। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 से 31 अगस्त 2025 तक मध्यप्रदेश के 1,009 जवान कर्तव्य की वेदी पर शहीद हो गए। सभी शहीदों के परिवार की रक्षा एवं कल्याण हमारा दायित्व है। हमारे शहीद साथियों ने अपनी जिम्मेदारी को सर्वोच्च बलिदान देकर निभाया। उन्होंने हमें पुनः यह स्मरण कराया है कि कर्तव्य सर्वोपरि होता है। उन्होंने पुलिस साथियों के साहस, धैर्य और समर्पण की सराहना की। डीजीपी ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस पर हम सभी अपने शहीद साथियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके परिजनों को आश्वस्त किया कि वे हमारे पुलिस परिवार का हिस्सा हैं और सदैव बने रहेंगे। उनके परिवारों के हितों एवं कल्याण के प्रति विभाग पूर्णतः संवेदनशील रहेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों सहित सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने भी पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति की धुन पर सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। आरंभ में पाल-बेयरर पार्टी द्वारा सम्मान सूची को स्मारक कोष में स्थापित किया गया और शहीद स्मारक को सलामी दी गई। आयोजित परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी एसडीओपी श्री सर्वप्रिय सिन्हा ने किया।

बहनों की मुस्कान ही सरकार की पूंजी है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भाईदूज हमारी संस्कृति की आत्मा, भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का है प्रतीक सरकार बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कर रही है काम बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का हैं समग्र रूप लाड़ली बहना योजना है बहनों की समृद्धि का सीधा मार्ग अब तक 29 किश्तों में सरकार ने बहनों को दिए हैं करीब 45 हजार करोड़ रूपए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर बहनों के साथ मनाया भाईदूज पर्व

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाईदूज हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह पर्व भाई और बहन के सहोदर स्नेह, परस्पर अपनत्व का प्रतीक है। भाईदूज भाई-बहन के पवित्र बंधन के नैसर्गिक संरक्षण और पारिवारिक जीवन मूल्यों को मजबूत बनाता है। यह पर्व भारतीय समाज की उस देशज परम्परा का निर्वहन है, जहां बहन के स्नेह में भाई का नैतिक दायित्व और जीवन पर्यन्त रक्षा का संकल्प निहित होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का यह पर्व न केवल भाई-बहन के स्नेह का उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता, नारी सम्मान के साथ हमारे पारिवारिक जीवन मूल्यों के संरक्षण का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित (भातृ द्वितीया/यम द्वितीया) भाईदूज के विशेष कार्यक्रम में बहनों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ आत्मीय संवाद कर सभी को भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश की बहनों के साथ संवाद के दौरान उनसे राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भावी प्राथमिकताओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लाड़ली बहनों के रूप में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक बहनें मिली हैं। हम बहनों के जीवन में नई रोशनी, नई खुशी जोड़ रहे हैं। प्रदेश की सभी लाडली बहनों को अब हर माह 1500 रुपए मिलेंगे। बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनों के शब्द और उद्गार सुनकर अभिभूत हूं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का समग्र रूप हैं।

मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है, जहां लाड़ली बहना योजना से हमारी बहनें हर महीने राखी और भाईदूज मनाती हैं। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों की समृद्धि का सीधा मार्ग है। किसी भी जरूरत के वक्त लाड़ली बहनों को इस योजना से बड़ा संबल और सहयोग मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लाड़ली बहनों को हमारी सरकार अब तक 29 किश्तों में करीब 45 हजार करोड़ रुपए की सहायता राशि दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों की मुस्कान ही मध्यप्रदेश की और हमारी सरकार की जमा पूंजी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भाईदूज के पावन पर्व पर सभी लाड़ली बहनों पर पुष्पवर्षा कर भाईदूज की बधाई देकर मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाया, साफा पहनाया, नारियल भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों को उपहार भेंट दी और मिठाई खिलाकर आभार जताया। कार्यक्रम में मौजूद लाड़ली बहनों ने भाई-बहन के प्रेम और स्नेह पर केन्द्रित निमाड़ी लोकगीत गाये, नृत्य किया और परम्परागत स्वर लहरियों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम स्थल को अपनत्व से भाव-विभोर कर दिया। लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का तिलक कर उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद सदैव सरकार के साथ है। इसी कारण हम निर्भय होकर काम कर पाते हैं। आज बड़े सौभाग्य का दिन है। प्रदेश का मुख्यमंत्री निवास बहनों का घर बना है। बहनों के माध्यम से दो परिवार एक साथ जुड़ते हैं। बहनों का हृदय विशाल है। वे शादी के बाद नए घर में जाकर नए माता-पिता के साथ रहती हैं। सनातन संस्कृति में उन्हें जगदंबा और लक्ष्मी का रूप कहा जाता है। वे परेशानी के समय परिवार के साथ सदैव चट्टान की तरह खड़ी रहती है। प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी बहनों की ताकत 2029 में और बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर वीरांगनाओं को भी याद करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती ने अपने शौर्य के बल पर मुगलों के साथ 52 युद्ध लड़े। रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से लोहा लिया और रानी अवंति बाई लोधी जैसी अनेक देवियों ने देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भाई दूज का पर्व भगवान श्रीकृष्ण और उनकी प्यारी बहन सुभद्रा के परस्पर स्नेह सहित यमराज और उनकी बहन से जुड़ी एक कहानी से प्रारंभ होता है। जो रक्षाबंधन का महत्व है, वही भाईदूज का भी महत्व है। राज्य सरकार ने रोजगारपरक नीति तैयार कर बहनों को उद्योग में काम करने पर 5 हजार रुपए की राशि अतिरिक्त सहायता के रूप में देने का निर्णय लिया है। अगर बहनें अपना उद्योग स्थापित करें, तो उन्हें 2 प्रतिशत की छूट अलग से दी जा रही है। बहनों के नाम पर मकान, दुकान और जमीन की रजिस्ट्री कराने पर अलग से छूट दिये जाने का प्रावधान है। बहनें अपना उद्योग स्थापित करें और समृद्ध बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश की लाड़ली बहनों को निःशुल्क आवास प्रदान किए। उनका खुद का घर नहीं है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में देशभर में बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास बहनों के लिए सदैव खुला है। मुख्यमंत्री निवास बहनों का अपना मायका है। सैकड़ों बहनों ने अपनी चरण रज से आज फिर मेरे आंगन को धन्य कर दिया है। ईश्वर हमारी सभी बहनों का घर खुशियों से भर दे। आप हमारी लाड़ली और हम आपके लाड़ले बने रहें। यह ऐतिहासिक भाईदूज मध्यप्रदेश की लाड़ली बहनों को समर्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा और स्वावलंबन को अपनी नीति के केंद्र में रखा है। लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना जैसी योजनाओं से महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रदेश की हर बहन आत्मनिर्भर बने और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करे। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके का जिक्र करते हुए कहा कि बहन संपतिया भी बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक गांव के हर घर में नल से जल पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार बहनों के कल्याण में जी-जान से लगी है। हम प्रदेश में एक ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जहां हमारी बहनें निश्चिंत होकर दिन हो या रात, किसी भी समय काम कर सकें। इसके लिए श्रम कानूनों में संशोधन किया गया है। नियोक्ताओं के लिए भी यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा की पूरी जिम्मेदारी निभाएं। प्रदेश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में अब वर्किंग वूमन हॉस्टल/आश्रय गृह की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के 47 प्रतिशत स्टार्ट अप्स का नेतृत्व हमारी बहनें कर रही हैं। बहनों के लिए हमारे खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनें अपनी सेहत का ध्यान जरूर रखें। स्वस्थ बहनें ही समृद्ध मध्यप्रदेश बनाएंगी। मध्यप्रदेश की हर बहन का सुख, सुरक्षा और सम्मान हमारा दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संसार की किसी भी सभ्यता में नारी शक्ति को इतना ऊंचा स्थान नहीं मिला, जितना भारतीय सनातन संस्कृति में दिया जाता है। भाईदूज बहन के आशीर्वाद और भाई के उत्तरदायित्व का पर्व है। मुझे इस बात का गर्व है कि मध्यप्रदेश इस परंपरा को न केवल जीवित रख रहा है, बल्कि उसे समाज की ताकत बना रहा है। हम लाड़ली बहना योजना को एक नए चरण में ले जा रहे हैं। इस योजना ने करोड़ों बहनों के जीवन में उजाला भरा, अब वह और भी बड़ी होने जा रही है। प्रदेश की बहनों के खाते में 1250 नहीं, बल्कि अब हर महीने 1500 रुपए आएंगे। यह जो 250 रुपए बढ़ रहे हैं, यह बहनों को नई हिम्मत, नई उम्मीद देंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी, तब से अक्टूबर 2025 तक हमने करोड़ों रुपए की राशि बहनों के खातों में भेजी है। मुझे यह जानकर बेहद खुशी होती है कि किसी बहन ने इस पैसे से सिलाई मशीन खरीदी, तो किसी ने फोटोकापी मशीन, किसी बहन ने अचार-पापड़ का बिजनेस शुरू किया, तो किसी बहन ने बकरी और गाय खरीदकर डेयरी शुरू की। अब उसकी कमाई से बच्चों को अच्छी शिक्षा, परिवार को अच्छा जीवन देने में सफल हो रही हैं। बहनें अब अपने परिवारों का आर्थिक संबल भी बन रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति कहती है कि बहन-बेटियों का सम्मान और संबल देने से घर-आंगन में समृद्धि और सौभाग्य हमेशा बना रहता है। मध्यप्रदेश में यह अनुभव बिलकुल सत्य साबित हुआ है। पिछले डेढ़ साल में मध्यप्रदेश ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐसे कदम उठाए हैं, जो पूरे देश के लिए मिसाल बन गए हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना से प्रदेश की बेटियां पैदा होते ही लखपति बन रही हैं। वर्तमान में प्रदेश में 51 लाख से अधिक लाड़ली लक्ष्मी बेटियां हैं। इस योजना से मिलने वाली राशि से स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई कर रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना ने गरीब बेटियों का जीवन संवारा है। जननी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भवती माताओं का ख्याल रखा जा रहा है। महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए हमने देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन की शुरुआत की है, जो हमारी बहनों को हर स्तर पर नई ताकत और अवसर दे रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की तीन लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इस अभिनव योजना के लिए आभार ज्ञापित किया। लाड़ली बहन सुश्री पिंकी जैन ने कहा कि लाड़ली बहनों को योजना का लाभ मिलने से बहने सशक्त हुई हैं। मैंने पापड़ बनाने के लिए मशीन लगाई है। बहन सुश्री संगीता ने कहा कि प्रदेश की बहनें लाडली योजना की राशि से आर्थिक रूप से समृद्ध हुई हैं। भाई के रूप में मिले प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हैं। बहन सुश्री रोहिणी ने कहा कि आज भाईदूज पर बहनों को 250 रुपए अतिरिक्त राशि मिलने पर मुहर लग गई है। आगे हर माह सभी लाडली बहनों को 1500 रुपए मिलेंगे। इस योजना की राशि से बहनों को अपने व्यवसाय और स्वरोजगार स्थापित करने में बहुत बड़ी मदद मिली है।

लाड़ली बहनें बन रही हैं आत्मनिर्भर : मंत्री सुश्री भूरिया

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि भाई दूज के अवसर पर प्रदेश की सभी बहनें मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आशीर्वाद प्रदान कर रही हैं। लाडली बहना योजना से प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली बहनें अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर रही हैं। बच्चों की स्कूल फीस भर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आर्थिक रूप से बहनों को स्वावलंबी बनाने के लिए नई योजनाएं लागू करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। राज्य सरकार ने नगरीय निकायों और पंचायती राज व्यवस्था में बहनों को आरक्षण प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री निवास बना लाड़ली बहनों का मायका : राज्यमंत्री श्रीमती गौर

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आज मुख्यमंत्री निवास प्रदेश की लाडली बहनों का मायका बना है। भाईदूज ऐसा पर्व है जिसमें भाई अपनी बहनों के लिए रक्षा, सुरक्षा और मान सम्मान का संकल्प लेता है। लाड़ली बहना योजना से बहनों का घर परिवार में सम्मान बढ़ने लगा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह संकल्प लिया है कि अब प्रदेश की बहनें मजबूरी का नहीं, मजबूती का जीवन जी रही हैं। ये बहनों का गर्व है कि प्रदेश को ऐसे संवेदनशील मुख्यमंत्री मिले हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार कर रही है।

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माडल बन रहा है सर्व सुविधा युक्त नीमच का शासकीय सांदीपनी विद्यालय

अविनाश जाजपुरा नीमच

म.प्र .शासन द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सर्वसुविधायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सांदीपनी विद्यालय प्रारंभ किये गये है। इन्ही विद्यालयों में है, शासकीय सांदीपनी उ.मा.विद्यालय जावद। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पिछले दिनों नीमच प्रवास के दौरान सांदीपनी विद्यालय भवन जावद का लोकार्पण किया है। सांदीपनी विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए अब विद्यार्थियों में रूझान बढ़ा है, निजी विद्यालयों के विद्यार्थी भी अब सांदीपनी विद्यालय में प्रवेश लेकर शिक्षा प्राप्त करने में रूची दिखाने लगे है।

सांदीपनी विद्यालय एक ऐसी महत्वाकांक्षी परियोजना है, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुविधा उपलब्ध करवा रही है। सांदीपनी विद्यालय में शिक्षण प्रक्रियाओं, व्यावसायिक-शिक्षा, स्टीम प्रेरित पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियो के शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही नियमित रुप से खेलकूद, भाषण, चित्रकला, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताए एवं बौद्धिक विकास की गतिविधियाँ की जा रही है।

भवन सुविधाः-

म.प्र.शासन द्वारा सांदीपनी विद्यालय जावद के लिए सुंदर, आकर्षक, सर्वसुविधा युक्त शालाभवन एवं परिसर का निर्माण किया है। जिसमें प्राचार्य कक्ष, उपप्रचार्य कक्ष, प्रा.वि. , मा.वि. ब्लॉक के लिए प्रधान अध्यापक कक्ष,परामर्श कक्ष,कार्यालय कक्ष, सम्मेलन कक्ष, स्टॉफ रुम (प्रा.वि.,मा.वि.,हायर सेकण्ड्री) भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान, गणित,स्टीम व्यावसायिक शिक्षा की ई.टी. , आई.टी. प्रयोगशाला, कम्प्युटरलेब (मा. वि.,हायर सेकण्डरी के लिए), सिकरुम, एमआईएस रुम, बालक , बालिका कॉमन रुम, डाईनिंगहाल, केफेटेरिया, पुस्तकालय (मा.वि. एवं हायर सेकण्ड्री के लिए अलग-अलग), मल्टीपरपज हाल, संगीत एवं नृत्य कक्ष,तथा 48 अध्यापन कक्ष है। विद्यार्थियो के लिए ग्राउण्ड फ्लोअर , फस्ट फ्लोअर , सेकण्ड फ्लोअर प्रत्येक फ्लोअर पर बालक, बालिका हेतु अलग-अलग सुविधाघर एवं पेयजल हेतु वाटर हट का निर्माण किया गया है। दिव्यांग बच्चों के लिए प्रत्येक फ्लोअर पर पहुँचने के लिए रैम्प-टेलिंग एवं विशेष प्रकार के सुविधा घरों का निर्माण किया गया हैं।

भवन में स्थित 48 अध्यापन कक्ष में से 15 कक्षो में अत्याधुनिक इंटरेक्टिवपेनल, 04 कक्षो में स्मार्टबोर्ड, 04 कक्षो में स्मार्ट टी.वी. तथा प्रत्येक अध्यापन कक्ष मे एक अलमीरा, आर्कषक फर्निचर, सी.सी.टी.वी कैमरा,स्पीकर,ग्रीनबोर्ड लगे है। प्रत्येक कक्ष हवादार एवं प्रकाशवान है। भवन एवं परिसर की सुरक्षा के लिए भीतर एवं बाहर चारो ओर सी.सी.टी.वी कैमरे लगे है।

परिवहन सुविधाः-

सांदीपनी विद्यालय के आसपास से आने वाले विद्यार्थियो के आवागमन के लिए 10 बसों का संचालन किया जा रहा है।सांदीपनी विद्यालय परिसर में सुंदर सर्वसुविधायुक्त भवन एवं सामने एक सुंदर बगीचा तथा भवन के चारो ओर पेड़-पौधे लगे है। भवन के पीछे के मैदान में छोटे बच्चों के लिए सुंदर आकर्षक झूले , चकरी , फिसल पट्टी , भूल-भूलैया , See-Saw इत्यादि लगे है। जिसका उपयोग कर के बच्चे आनंद की अनुभूति प्रदान करते है, व खुशनुमा वातावरण में पढाई करते है। जावद के सांदीपनी विद्यालय में 1632 विद्यार्थियों को उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुविधा उपलब्ध हो रही हैं। विद्यालय का स्टाफः- प्राचार्य, विभिन्न विषय के 13 उ.मा.शि. ,16 मा.शि. ,20 प्रा.शि. ,02 प्रयोगशाला सहायक , 02 वोकेशनल शिक्षक कार्यरत है। साफ-सफाई के लिए आउटसोर्स के कर्मचारी कार्यरत है। विद्यालय में सुरक्षा के लिए 06 सुरक्षाकर्मी भी कार्यरत हैं।

परीक्षा परीणामः-

गतवर्ष 2024-25 मे कक्षा 5वी एवं 8वी, 10वी का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा है। साथ ही कक्षा 12वी का परीक्षा परिणाम 84 प्रतिशत रहा है।

विद्यालय में किए जा रहे नवाचारः

सांदीपनी विद्यालय में नवीन तकनीकी से अध्यापन करवाया जाता है। उपस्थिति के लिए पालको से सतत् संम्पर्क किया जा रहा है। कमजोर विद्यार्थियों के लिए निदानात्मक विशेष कक्षाए लगाकर, उनकी कठिनाईयों का समाधान किया जा रहा है। उत्कृष्ट विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाओ का आयोजन भी किया जा रहा है। नृत्य एवं संगीत में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए समय-सारणी मे एक कालखण्ड नृत्य एवं संगीत की शिक्षा भी दी जा रही है।

कार्बाइड गन से शहर के 125 से ज्यादा लोगों की आंखें हुई खराब.....

भोपाल शहर में दीपावली पर कैल्शियम कार्बाइड गन से कई लोगों की आंखों की रोशनी के खराब होने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अस्पतालों के मुताबिक शहर के 125 से ज्यादा लोगों की आंखें इस गन से खराब हो चुकी है। इनमें ज्यादातर 08 से 14 साल के बच्चें शामिल है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है। त्योहारों पर पटाखों और खिलौना गनों का ट्रेंड बच्चों और युवाओं में तेजी से बढ़ रहा है. इन्हीं में से एक है कार्बाइड गन. इसकी कीमत भले ही सिर्फ 150 से 200 रुपये के बीच हो, लेकिन इसका असर सेहत पर बेहद खतरनाक साबित हो रहा है. हाल ही में भोपाल में इस गन से 125 से ज्यादा लोगों की आंखें खराब होने का मामला सामने आया. इनमें कई छोटे बच्चे भी शामिल थे, जिनकी हालत इतनी बिगड़ी कि कॉर्निया ट्रांसप्लांट तक करना पड़ा. चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं कि आखिर ये इतना खतरनाक क्यों है और इससे कितना नुकसान हो सकता है?

स्थायी अंधेपन का खतरा

आई रोग एक्सपर्ट का कहना है कि कार्बाइड गन केवल आंखों ही नहीं, बल्कि कान और दिमाग पर भी बुरा असर डालती है. अचानक बने तेज प्रेशर से कान का पर्दा फट सकता है और सुनने की क्षमता घट सकती है. वहीं, आंखों की रेटिना डैमेज होने और स्थायी अंधेपन की आशंका भी रहती है. इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी में छपी एक स्टडीमें बताया गया कि कैल्शियम कार्बाइड से हुए आंखों के थर्मो-केमिकल घाव बेहद खतरनाक होते हैं. इस रिसर्च में 23 मरीजों की 28 आंखों का परीक्षण किया गया. हल्के मामलों (Dua Grade I-III) में मरीजों की दृष्टि आखिरी में लगभग 20/32 तक बची रही, लेकिन गंभीर मामलों (Dua Grade IV-VI) में विजन घटकर 20/200 तक सीमित हो गई. यानी ऐसे धमाकों से स्थायी अंधेपन तक का खतरा रहता है.

क्या है कार्बाइड बम?

कार्बाइड बम असल में बच्चों और युवाओं के बीच त्योहारों पर चलने वाला खतरनाक खेल है. इसमें कैल्शियम कार्बाइड, पानी और प्लास्टिक पाइप का इस्तेमाल किया जाता है. जब कार्बाइड और पानी की प्रतिक्रिया होती है तो गैस बनती है, जिसे आग लगाकर जोरदार धमाका किया जाता है. इस दौरान तेज आवाज, धुआं और चिंगारियां निकलती हैं. भले ही यह देखने में सस्ता और मजेदार लगे, लेकिन इसका असर बेहद खतरनाक होता है. यह आंखों, कानों और त्वचा को गंभीर चोट पहुंचा सकता है. डॉक्टरों के अनुसार, कार्बाइड बम से कॉर्निया जल सकता है और स्थायी अंधेपन तक की नौबत आ सकती है.

आंखों पर सबसे बड़ा असर

कार्बाइड गन में कैल्शियम कार्बाइड, प्लास्टिक पाइप और पानी का इस्तेमाल होता है. इसे जलाने पर तेज धमाके के साथ धुआं और आग निकलती है. यही धमाका आंखों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है. डॉक्टरों के अनुसार, इससे कॉर्निया जल सकता है, आंखों में लालिमा और जलन हो जाती है. कई बार कॉर्निया फटने की वजह से नजर हमेशा के लिए जा सकती है.

त्वचा और चेहरे को नुकसान

धमाके से निकलने वाली गर्म गैस और चिंगारियां स्किन और चेहरे को जला देती हैं. बच्चों के चेहरे पर फफोले और घाव हो सकते हैं. कई बार डर की वजह से बच्चे तुरंत इलाज नहीं कराते, जिससे इंफेक्शन और ज्यादा बढ़ जाता है.

क्यों खतरनाक है कार्बाइड गन?

इसमें इस्तेमाल होने वाला कैल्शियम कार्बाइड जहरीला केमिकल है.
धमाके का झटका सीधे आंख और कान पर असर डालता है. बच्चों को यह मजेदार लगता है, लेकिन असल में यह जानलेवा है. बार-बार इस्तेमाल करने पर कॉर्निया डैमेज और सुनने की क्षमता कम होने जैसी गंभीर दिक्कतें हो सकती हैं.

क्या बरतें सावधानियां?

माता-पिता बच्चों को ऐसे खतरनाक खिलौनों से दूर रखें. आंख में चोट लगे तो तुरंत साफ पानी से धोकर डॉक्टर को दिखाएं. कॉर्निया

सीमेंट कंपनी की ब्लास्टिंग के डर से घर छोड़ रहे लोग....

रीवा जिले का नौबस्ता क्षेत्र इन दिनों भय और बेचैनी के माहौल में जी रहा है। यहां से करीब 20 किलोमीटर दूर संचालित एक सीमेंट फैक्ट्री की लगातार हो रही ब्लास्टिंग ने पूरे इलाके का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सोनरा, बैजनाथ, खम्हरिया, देवरी और आसपास के गांवों के लोग अब डर और चिंता में दिन गुजार रहे हैं। ब्लास्टिंग के कारण न केवल उनके घरों में दरारें आ रही हैं, बल्कि क्षेत्र में प्रदूषण भी तेजी से फैल रहा है। लोग अब अपने पुश्तैनी घरों को छोड़कर कहीं और शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं। गांव के लोगों के मुताबिक, सीमेंट प्लांट में हर दिन भारी मशीनों और विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जब भी ब्लास्टिंग होती है, पूरा इलाका थर्रा उठता है। दीवारों में दरारें, छतों से झड़ते प्लास्टर और कांपती जमीन ग्रामीणों के लिए रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। सोनरा गांव के निवासी रामप्रसाद पटेल बताते हैं कि पहले उन्हें लगा यह मामूली कंपन है, लेकिन कुछ ही महीनों में उनके घर की दीवारों में गहरी दरारें पड़ गईं। अब बारिश के मौसम में पानी सीधे अंदर तक रिस जाता है। बैजनाथ गांव की सरोजा देवी कहती हैं कि हर बार धमाके की आवाज सुनकर बच्चे डर से रोने लगते हैं, और कई बार रातभर कोई सो नहीं पाता। धूल, धुएं और शोर ने पूरे इलाके की हवा को जहरीला बना दिया है। खेतों में धूल की मोटी परत जम जाती है, जिससे फसलें ठीक से बढ़ नहीं पा रहीं। पेड़-पौधों की पत्तियाँ मुरझा रही हैं और पानी के स्रोतों पर भी प्रदूषण का असर दिख रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि पहले जिन कुओं और तालाबों से वे पानी पीते थे, अब उसका रंग और स्वाद बदल चुका है। सांस लेने में तकलीफ, खांसी और आंखों में जलन जैसी बीमारियाँ बढ़ती जा रही हैं। कई बुजुर्गों और बच्चों को इलाज के लिए शहर ले जाना पड़ता है। लोगों का कहना है कि उन्होंने प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन दोनों से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं। धीरे-धीरे लोगों का धैर्य टूटने लगा है और कुछ परिवार तो पहले ही अपना घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। बाकी लोग भी अब पलायन की तैयारी में हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगला विस्फोट उनके घर को पूरी तरह जमींदोज न कर दे। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने रीवा कलेक्टर से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने निर्देश दिया है कि एक महीने के भीतर जांच पूरी कर यह बताया जाए कि ब्लास्टिंग से कितना नुकसान हुआ है, किन नियमों का उल्लंघन किया गया है और अब तक प्रशासन या फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही आयोग ने यह भी कहा है कि अगर लोगों को वास्तविक नुकसान हुआ है तो उन्हें मुआवजा और सुरक्षित आवास की सुविधा दी जाए। रीवा जिले के इन गांवों में अब एक अजीब-सी खामोशी और डर पसरा हुआ है। हर दिन लोग आसमान की ओर देखते हैं, यह सोचते हुए कि कब अगला धमाका होगा और फिर क्या-क्या टूटेगा। कभी अपने खेतों और घरों पर गर्व करने वाले ग्रामीण अब पलायन की विवशता झेल रहे हैं। सीमेंट प्लांट से होने वाली आर्थिक गतिविधियों का फायदा भले ही बड़े शहरों तक पहुंच रहा हो, लेकिन इसका खामियाजा इन छोटे गांवों के लोग अपनी सांसों, घरों और भविष्य से चुका रहे हैं।

जबलपुर में चलती ट्रेन में टीचर की हत्या
मामा ससुर ने किए 30 से ज्यादा वार

जबलपुर में सोमवार रात एक ऐसी भयावह वारदात सामने आई जिसने पूरे मध्यप्रदेश को दहला दिया। धनबाद–उधना एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 09040) में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की चलती ट्रेन में ही चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। यह घटना गोसलपुर और देवरी स्टेशन के बीच रात करीब आठ बजे हुई, जब ट्रेन जबलपुर की ओर बढ़ रही थी। मृतक की पहचान 35 वर्षीय शैलेंद्र सिंह, निवासी बनखेड़ी, जिला नरसिंहपुर के रूप में हुई है। वह पेशे से शिक्षक थे और अपनी आरक्षक पत्नी के साथ चल रहे तलाक के केस में पेशी के बाद सतना से जबलपुर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, इस हत्या को अंजाम देने वाला कोई अनजान व्यक्ति नहीं बल्कि मृतक का सगा ससुराल पक्ष का रिश्तेदार निकला — उसकी पत्नी का मामा गोविंद रघुवंशी। बताया जा रहा है कि आरोपी ने टीचर पर 30 से ज्यादा बार चाकू से हमला किया और इसके बाद ट्रेन की चेन खींचकर नीचे कूद गया। शैलेंद्र का विवाह वर्ष 2021 में पिपरिया (नर्मदापुरम) निवासी एक युवती से हुआ था, जो रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में आरक्षक के पद पर कार्यरत है। शादी के कुछ ही समय बाद दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए थे। दोनों के बीच कई बार झगड़े और विवाद हुए, जिसके बाद 2022 में पत्नी ने सतना फैमिली कोर्ट में तलाक का केस दर्ज कराया। तब से दोनों के बीच कानूनी लड़ाई जारी थी। सोमवार, 27 अक्टूबर को इस केस की सुनवाई थी। कोर्ट में दोनों पक्षों को उपस्थित होना था। शैलेंद्र ने कोर्ट में तलाक देने से इनकार कर दिया और साफ कहा कि वह यह रिश्ता खत्म नहीं करना चाहता क्योंकि उसकी कोई गलती नहीं है। कोर्ट की सुनवाई के दौरान पत्नी के मामा गोविंद भी मौजूद थे। बताया जाता है कि कोर्ट परिसर में ही दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी और माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया था। कोर्ट की कार्यवाही खत्म होने के बाद शाम को तीनों — शैलेंद्र, उसकी पत्नी और मामा गोविंद — सतना से धनबाद–उधना एक्सप्रेस के एस-4 कोच में जबलपुर की ओर रवाना हुए। ट्रेन चलने के बाद शुरू में सबकुछ सामान्य रहा। यात्री बातचीत करते रहे और माहौल शांत था। लेकिन जैसे-जैसे ट्रेन आगे बढ़ी, गोविंद ने शैलेंद्र से तलाक को लेकर दोबारा बातचीत शुरू की। धीरे-धीरे बहस बढ़ती गई और बात गाली-गलौज तक पहुंच गई। यात्रियों ने बीच-बचाव किया और दोनों को शांत कराया। लेकिन जब ट्रेन गोसलपुर और देवरी स्टेशन के बीच पहुंची, तब माहौल अचानक हिंसक हो गया। बताया जा रहा है कि शैलेंद्र सीट पर बैठा था, तभी गुस्से में भरे गोविंद ने जेब से चाकू निकाला और शैलेंद्र पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। उसने करीब 30 से ज्यादा वार किए। कोच में चीख-पुकार मच गई, यात्री डरकर सीटों से उठ खड़े हुए। किसी ने चेन खींचने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले ही गोविंद ने खुद ट्रेन की चेन खींची और ट्रेन से नीचे कूद गया। गंभीर रूप से घायल शैलेंद्र को तुरंत ट्रेन के यात्रियों और आरपीएफ जवानों ने संभाला। जब ट्रेन जबलपुर स्टेशन पहुंची, तब आरपीएफ की टीम पहले से मौजूद थी। जवानों ने खून रोकने के लिए उसे चादर में लपेटा और एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसकी हालत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी ने बताया कि जब ट्रेन जबलपुर पहुंची, उस समय शैलेंद्र की हालत बेहद गंभीर थी। पेट और सीने में गहरे घाव थे और लगातार खून बह रहा था। टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपी की पहचान गोविंद रघुवंशी के रूप में की। बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने बताया कि हत्या के पीछे मुख्य कारण पति-पत्नी के बीच चल रहा तलाक का विवाद ही है। उन्होंने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और जबलपुर, सतना व आसपास के इलाकों में लगातार छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। चलती ट्रेन में हुई इस निर्मम हत्या ने यात्रियों के बीच भी डर का माहौल बना दिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूरी योजना के साथ इस वारदात को अंजाम दिया। पहले से चाकू लेकर वह कोर्ट गया था और संभवतः हत्या का मन वहीं बना लिया था। कोर्ट में तलाक पर बहस के दौरान शैलेंद्र के इनकार से वह बुरी तरह नाराज था, और लौटते समय मौका मिलते ही उसने बदला लेने की ठान ली। घटना के बाद से रेलवे सुरक्षा एजेंसियां भी चौकन्नी हो गई हैं। आरपीएफ ने सभी ट्रेनों में गश्त बढ़ाने और संदिग्ध यात्रियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का कहना है कि शैलेंद्र एक शांत और जिम्मेदार व्यक्ति था, वह अपनी पत्नी से सुलह करना चाहता था। उसकी हत्या ने पूरे परिवार को तोड़ दिया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि वारदात के समय पत्नी की भूमिका क्या थी, और क्या उसने किसी तरह आरोपी की मदद की या नहीं। हालांकि, शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि हमला अचानक हुआ और पत्नी भी उस समय घबरा गई थी। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और जल्द ही उसके गिरफ्तार होने की उम्मीद जताई जा रही है। चलती ट्रेन में इस तरह का निर्मम हत्याकांड जबलपुर क्षेत्र में पहली बार सामने आया है। यह घटना न केवल एक पारिवारिक विवाद की दुखद परिणति है, बल्कि यह भी दिखाती है कि घरेलू मतभेद किस तरह हिंसा का भयानक रूप ले सकते हैं।

मृतक की पहचान

मृतक का नाम शैलेंद्र सिंह (35 वर्ष) था, जो नरसिंहपुर जिले के बनखेड़ी निवासी थे और सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे।

हमलावर का संबंध

आरोपी गोविंद रघुवंशी, मृतक की पत्नी का मामा ससुर बताया जा रहा है। वारदात के बाद उसने ट्रेन की चेन खींचकर कूदकर फरार हो गया।

तलाक को लेकर चल रहा था विवाद

शैलेंद्र की शादी 2021 में पिपरिया निवासी युवती से हुई थी, जो रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। शादी के बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया था। 2022 में पत्नी ने सतना फैमिली कोर्ट में तलाक का केस दायर किया था।

कोर्ट में हुई पेशी और झगड़ा

सोमवार को दोनों की फैमिली कोर्ट में पेशी थी। सुनवाई के दौरान शैलेंद्र ने तलाक देने से इनकार कर दिया। इसी दौरान कोर्ट में मौजूद युवती के मामा गोविंद रघुवंशी से उसकी बहस भी हुई थी।

नई व्यवस्था : नकली दवाओं की सप्लाई पर रोक लगाने के लिए एक नई व्यवस्था लागू

मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाओं पर बारकोड और QR कोड अनिवार्य

जिन दवाओं की पैकिंग पहले से बिना बारकोड के मौजूद है, वे निर्धारित समय तक वैध रहेंगी।

मध्यप्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में सप्लाई की जाने वाली दवाओं की पैकिंग पर बारकोड और क्यूआर कोड अनिवार्य कर दिया गया है। यह निर्णय नकली दवाओं की बढ़ती समस्या पर रोक लगाने और दवा आपूर्ति प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि यह कदम न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि दवाओं के गलत उपयोग और आपूर्ति में होने वाली अनियमितताओं पर भी नियंत्रण करेगा। राज्य में हर साल करीब 10 हजार करोड़ रुपए का दवा कारोबार होता है। हालांकि इसमें नकली दवाओं की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा है। कई बार देखा गया है कि असली दवा कंपनियों के नाम से मिलती-जुलती पैकिंग में नकली दवाएं बाजार में पहुंच जाती हैं। ये दवाएं मरीजों के इलाज में असर नहीं दिखातीं और कभी-कभी नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। ऐसे मामलों को देखते हुए सरकार ने अब हर दवा की पहचान को डिजिटल रूप से सुरक्षित करने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPPHC) ने इस नई व्यवस्था को लागू करने की जिम्मेदारी संभाली है। अब कोई भी दवा निर्माता कंपनी बारकोड या क्यूआर कोड के बिना दवाएं सप्लाई नहीं कर सकेगी। इस कोड को मोबाइल से स्कैन करते ही दवा का नाम, निर्माता कंपनी, निर्माण तिथि, बैच नंबर, लाइसेंस विवरण और एक्सपायरी डेट जैसी पूरी जानकारी तुरंत दिखाई देगी। इससे डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन को यह सुनिश्चित करने में आसानी होगी कि दवा असली है या नहीं। फिलहाल यह व्यवस्था राज्य की एसेंशियल ड्रग लिस्ट (EDL) में शामिल करीब 500 से अधिक महत्वपूर्ण दवाओं पर लागू की जा रही है। आने वाले समय में इसे सभी प्रकार की दवाओं पर लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से लागू होगी ताकि फार्मा कंपनियों को तकनीकी और उत्पादन संबंधी बदलाव करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। राज्य में नकली दवाओं का कारोबार भले ही सीमित हो, लेकिन इसका प्रभाव व्यापक है। कई फार्मा गिरोह असली कंपनियों के नाम से पैकिंग बनाकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और ई-फार्मेसी के जरिए नकली दवाएं बेच रहे हैं। ये दवाएं दिखने में बिल्कुल असली जैसी होती हैं, जिससे आम उपभोक्ता और अस्पताल तक धोखा खा जाते हैं। बारकोडिंग और क्यूआर कोड प्रणाली लागू होने के बाद अब यह खेल खत्म होने की उम्मीद है। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में दवा की पैकेजिंग स्कैन कर उसकी असलियत जांची जा सकेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह व्यवस्था न केवल मरीजों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी, बल्कि मेडिकल स्टोर्स और अस्पतालों की जवाबदेही भी तय करेगी। इससे यह भी ट्रैक किया जा सकेगा कि कौन सी दवा कब और कहां सप्लाई हुई थी। यदि किसी दवा से कोई शिकायत मिलती है, तो उसका स्रोत और निर्माण प्रक्रिया तक का पता लगाया जा सकेगा। यह प्रणाली भविष्य में दवा गुणवत्ता जांच के लिए एक मजबूत डिजिटल डेटाबेस तैयार करेगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन दवाओं की पैकिंग पहले से बिना बारकोड के मौजूद है, वे निर्धारित अवधि तक वैध रहेंगी। इसके बाद उन्हें बाजार से धीरे-धीरे हटाया जाएगा ताकि नए सिस्टम में कोई बाधा न आए। इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, जिससे पुरानी दवाओं की बर्बादी न हो और नई व्यवस्था सुचारू रूप से लागू की जा सके। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अगले वित्तीय वर्ष से पहले यह नई व्यवस्था सभी जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लागू हो जाए। इसके लिए फार्मा कंपनियों और दवा सप्लायरों को पहले ही नोटिस जारी कर तैयारी शुरू करने के निर्देश दे दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, सभी जिलों में आवश्यक तकनीकी उपकरण और प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि अस्पताल कर्मी दवाओं को स्कैन कर सही जानकारी प्राप्त कर सकें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को तकनीकी रूप से और मजबूत बनाएगा।

नकली दवा पर लगेगी लगाम

प्रदेश में नकली दवाओं का कारोबार कम होने के बावजूद इसका असर बड़ा है। कुछ फार्मा गिरोह असली ब्रांड की तरह पैकिंग बनाकर ई-फार्मेसी और ऑनलाइन माध्यम से दवाएं बेच रहे हैं। बारकोडिंग से यह खेल खत्म होगा, क्योंकि अब अस्पताल स्तर पर भी दवा की पैकेजिंग स्कैन कर जांची जा सकेगी। एक्सपर्ट के अनुसार, अब तक राज्य में मिलने वाली करीब 1% दवाएं नकली या गलत पैकिंग में पाई गई हैं। ऐसे में बारकोडिंग व्यवस्था मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ मेडिकल स्टोर्स और अस्पतालों की जवाबदेही भी तय करेगी।

घर बैठे सीखें प्रोफेशनल जैसा पार्टी मेकअप करने के आसान स्टेप्स

हर बार पार्लर जाकर मेकअप कराना मुमकिन नहीं है. जब कभी पार्लर जाने का टाइम न हो या आपको अचानक किसी पार्टी फंक्शन में जाना हो, तो आप घर पर ही पार्टी मेकअप (Party Makeup) कर सकती हैं. लेकिन इसके लिए आपको मेकअप का सही तरीक़ा मालूम होना चाहिए. घर पर मेकअप कैसे करें, ये सवाल यदि आपके दिमाग में भी अक्सर आता है तो अब आपको ये सोचने की कोई ज़रूरत नहीं है. हम आपको बता रहे हैं घर पर मेकअप करने का स्टेप बाय स्टेप आसान तरीका. अब आप भी मिनटों में घर बैठे मेकअप कीजिए.

मेकअप करने का स्टेप बाय स्टेप आसान तरीका

मेकअप करने से पहले चेहरे को माइल्ड फेसवॉश या गुनगने पानी से धो लें. * मेकअप करने से पहले अपनी स्किन पर 5-10 मिनट तक ब़र्फ घिस लें. इसके बाद मेकअप करने से वो ज्यादा देर तक टिकता है. * मेकअप करने से पहले ऑयल फ्री मॉइश्चराइज़र से चेहरे का मसाज करें. * अब पहले माथे, नाक, ठोड़ी और गालों पर फाउंडेशन के डॉट्स लगाकर उंगलियों से धीरे-धीरे थपथपाते हुए फाउंडेशन को ब्लेंड करें. आप चाहें तो गीले स्पॉन्ज से भी फाउंडेशन को अच्छी तरह ब्लेंड कर सकती हैं. * आईशैडो के बेस के तौर पर आईलिड पर भी फाउंडेशन अप्लाई करें. * फाउंडेशन लगाने के बाद कोई दाग-धब्बे नज़र आएं तो कंसीलर से उन्हें कवर कर लें. छोटे ब्रश या स्पॉन्ज से इन हिस्सों, ख़ासकर जॉलाइन के नीचे और नाक के आसपास कंसीलर लगाएं. उंगलियों से हल्के से थपथपाएं, ताकि कंसीलर अच्छी तरह सेट हो जाए.

फाउंडेशन सेट करने के लिए एक छोटे-से ब्रश को लूज़ पाउडर में डिप करके हल्के से डस्ट करें. * अब फाउंडेशन से मैच करता ट्रांस्लुसेंट पाउडर अप्लाई करें. एक बड़े राउंड ब्रश से थोड़ा-सा ट्रांस्लुसेंट पाउडर डस्ट करें. मैट फिनिश के लिए हल्का-सा पाउडर पफ लगाएं. * घर से निकलते समय टचअप के लिए स्टिक फाउंडेशन साथ में रखें और जब भी ज़रूरत हो मेकअप को फ्रेश टचअप देने के लिए स्टिक फाउंडेशन अप्लाई कर लें. * यदि आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो लाइट शेड की फाउंडेशन क्रीम लगाएं और उसे डार्क एरिया के साथ ब्लेंड कर दें. * अगर जल्दी में हों और आंखों के मेकअप के लिए ज्यादा व़क़्त न हो तो ब्राउन आईशैडो का एकदम डार्क शेड लें और आईलिड पर ब्रश की सहायता से स्मज करें. ख़ूब सारा मस्कारा लगाएं और निचले लिड पर काजल लगाएं. * स्मोकी आई मेकअप करना चाहती हैं, तो डार्क ग्रे आईशैडो आंखों की ऊपरी आईलिड पर लगाकर अच्छी तरह स्मज करें. ज्यादा स्मोकी लुक के लिए ग्रे आईशैडो के ऊपर ब्लैक आईशैडो लगाएं और दोनों को बड़े ब्रश से ब्लेंड करें. इसके बाद लैशलाइन पर आईलाइनर लगाएं. फिर स्मजर ब्रश या आई बड की मदद से आईलाइनर को अच्छी तरह स्मज कर लें. आखिर में काजल लगाएं.

ब्लशर अप्लाई करें. ब्लशर को चिकबोन से कान की तरफ़ ले जाते हुए अप्लाई करें. इस बात का भी ध्यान रखें कि ब्लशर और लिपस्टिक के शेड्स आपस में मेल खाते हुए हों. * यदि आप आई मेकअप को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो लिप मेपअप लाइट रखें यानी पिंक, पीच जैसे लाइट शेड की लिपस्टिक लगाएं. यदि आप आई मेकअप लाइट रख रही हैं, तो रेड, ऑरेंज, मैरून जैसे ब्राइट कलर की लिपस्टिक लगाएं. * लिपस्टिक लगाने के लिए लिप ब्रश का इस्तेमाल करें. इससे लिपस्टिक पूरे होंठों पर समान रूप से अप्लाई होगी और लंबे समय तक टिकी रहेगी. * अगर आपके होंठ बहुत पतले हैं, तो लिपलाइन से थोड़ा बाहर की ओर आउटलाइन करें और उसके बाद लिपस्टिक लगाएं. * अगर आपके होंठ बहुत मोटे हैं, तो लिपलाइन के अंदर से आउटलाइन करें. पहले होंठों पर हल्का शेड लगाएं,

मेकअप शुरू करने से पहले की तैयारी

क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग (CTM): मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह साफ करें, टोनर और मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा नम और चिकनी बनी रहे।

प्राइमर: प्राइमर लगाने से त्वचा के रोमछिद्र छिप जाते हैं और मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है। यह मेकअप के लिए एक अच्छा आधार बनाता है।

मेकअप के मुख्य चरण

फाउंडेशन: अपनी त्वचा के रंग के अनुसार सही फाउंडेशन चुनें। बेहतर कवरेज के लिए लिक्विड फाउंडेशन का उपयोग कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि यह SPF वाला न हो, क्योंकि दिन के समय इसका रंग बदल सकता है।

कंसीलर: डार्क सर्कल्स या दाग-धब्बों को छिपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। इसे उंगलियों से हल्के हाथों से लगाएं।

आई मेकअप: आई-मेकअप में आप अपनी पसंद के अनुसार आईशैडो लगा सकती हैं। ग्लिटर और डार्क शेड्स का उपयोग करके स्मोकी लुक भी बना सकती हैं।

ब्लश और हाईलाइटर: गालों पर गुलाबी रंग का ब्लश और माथे, नाक और चीकबोन्स पर हाईलाइटर लगाकर चेहरे पर निखार ला सकती हैं।

लिपस्टिक: आप अपनी पसंद के अनुसार पिंक या रेड कलर की लिपस्टिक लगा सकती हैं।

सेटिंग पाउडर/स्प्रे: मेकअप को सेट करने और उसे लंबे समय तक टिकाऊ बनाने के लिए सेटिंग पाउडर या सेटिंग स्प्रे का उपयोग करें।

अतिरिक्त सुझाव

वॉटरप्रूफ मेकअप: सुनिश्चित करें कि आपका मेकअप वॉटरप्रूफ हो ताकि यह पसीने या आंसुओं के कारण खराब न हो।

ट्रायल: बड़े दिन से पहले एक ट्रायल मेकअप जरूर करें ताकि आप अपने फाइनल लुक को देख सकें और आवश्यक बदलाव कर सकें।

मेकअप किट: अपनी ब्राइडल मेकअप किट में मॉइस्चराइजर, सनस्क्रीन, काजल, फाउंडेशन, प्राइमर, लिपस्टिक, आईशैडो आदि शामिल करना न भूलें।

मेकअप की बात करें तो यह बहुत ही तरिके का होता है। लेकिन इन सब में सबसे खास होता है ब्राइडल मेकअप यानि की एक दुल्हन का मेकअप। ब्राइडल मेकअप की बात करें तो ये भी कई तरिके के होते हैं कंटेम्परारी, क्लासिकल और ट्रेडिशनल। साथ ही थीम, कपड़ों और ब्राइड के चॉइस के हिसाब से भी ब्राइडल मेकअप अलग-अलग तरिके के होते हैं।

आश्चर्यजनक करियर जो आप एक नई भाषा सीखकर पा सकते हैं

करियर के अवसर और नौकरी की संभावनाएँ ही वे सबसे ज़रूरी कारण हैं जिनकी वजह से ज़्यादातर लोग कोई भी विदेशी भाषा सीखते हैं। यह लेख भारत और विदेशों में 18 उच्च-भुगतान वाली विदेशी भाषा की नौकरियों के बारे में बताएगा। अगर क्रिस्टियानो रोनाल्डो या मिस वर्ल्ड जैसे लोगों के साथ काम करना आपको पसंद नहीं है, तो लिखित रूप में भाषा के साथ काम करना शायद आपकी शैली के ज़्यादा अनुकूल है। अनुवाद एक शानदार विदेशी भाषा का काम है; आप इसे अपने अध्ययन कक्ष की गोपनीयता में या जहां भी आप हों, वहां कर सकते हैं। अनुवाद का अर्थ है किसी विशिष्ट पाठक वर्ग के लिए पठनीय पाठ का एक अंश प्रस्तुत करना। मान लीजिए कि आप मूलतः फ्रेंच भाषी हैं और धाराप्रवाह अंग्रेजी भी बोलते हैं। आपका अनुवाद कौशल आपको अंग्रेजी से फ्रेंच में अनुवाद करने के लिए आदर्श व्यक्ति बना देगा। एक अनुवादक के रूप में, आप विचारों, आशय और शब्दों को एक अलग भाषा में रूपांतरित करेंगे। यह काम मुख्यतः पर्दे के पीछे का है और बहुत ही आकर्षक है। उदाहरण के लिए, आपने जो सर्वोत्तम साहित्य पढ़ा है, वह मूल भाषा से अनुवादित है। भाषा की जटिलता के कारण, मशीन अनुवाद कभी भी मानव अनुवादकों की जगह नहीं ले सकता। उच्च पारिश्रमिक के कारण, अनुवादक की नौकरी भाषाओं में सबसे अधिक मांग वाले करियर विकल्पों में से एक है। में से एक है । दूसरी ओर, दुभाषिया के रूप में काम करना का अर्थ है दो अलग-अलग भाषाओं के बीच "पुल" के रूप में कार्य करना। मान लीजिए कि दो राजदूत या दो प्रबंधक किसी द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के इरादे से एक साथ आते हैं। चूंकि वे एक-दूसरे की भाषा नहीं जानते, इसलिए वे किसी अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। यहीं पर आपकी भूमिका आती है - उनके सहमत होने से पहले उनकी भाषा संबंधी खाई को पाटने की। दुभाषिए मुख्य रूप से सार्वजनिक आयोजनों जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, खेल के मैदानों, कंपनी बैठकों, मीडिया हाउसों, पर्यटन केंद्रों और संगठनों में पाए जाते हैं।

आमतौर पर, जहाँ लोग वक्ता की भाषा नहीं समझ पाते। एक दुभाषिया के रूप में करियर की संभावनाएँ बहुत व्यापक हैं और उत्तरोत्तर बढ़ रही हैं।वस्तुओं का उत्पादन करने वाले क्षेत्रों में बहुभाषी नौकरी चाहने वालों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिक्री पद हमेशा खुले रहते हैं।

यह एक स्वप्निल नौकरी है, क्योंकि बी2बी सौदों के लिए वैश्विक बिक्री विपणक के रूप में कार्य करना चुनौतीपूर्ण है।

इसमें शामिल अधिकांश कम्पनियां/ व्यवसायी यह भली-भांति जानते हैं कि बातचीत की प्रक्रिया कितनी जटिल हो सकती है; इसलिए, वे हमेशा बड़ी रकम चुकाने को तैयार रहते हैं।

आप अपनी भाषा कौशल के साथ सीमा पार के व्यवसायों के बीच सौदों पर बातचीत करने वाले एक प्रेरक विक्रेता बन सकते हैं। तेजी से वैश्विक रूप से जुड़ती दुनिया में, कोई भी जगह दूर नहीं है। कई स्पेनिश भाषी देश , पुर्तगाली भाषी क्षेत्र और फ्रांसीसी भाषी राष्ट्र विशेष रूप से भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग की इच्छा रखते हैं।

न केवल आपको विदेश यात्रा के भरपूर अवसर मिलेंगे, बल्कि विदेशी भाषा में वेतन भी आम तौर पर अच्छा मिलता है।

विदेशी भाषा बोलने से निर्यात और आयात क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय बिक्री विपणन में करियर बनाया जा सकता है।

प्रतिवर्ष भाषा कक्षाएं लेने वाले लोगों की संख्या के कारण बहुभाषी व्याख्याताओं की मांग प्रतिदिन बढ़ रही है।

इंटरनेट के आगमन से प्रेरित वैश्वीकरण के माध्यम से जैसे-जैसे विश्व अधिक एकजुट होता जा रहा है, लगभग हर कॉलेज में अब विभिन्न भाषा अध्ययन के लिए संकाय हैं। और चूंकि बहुभाषी कौशल असामान्य हैं, इसलिए वेतन अच्छा है, खासकर यदि आप

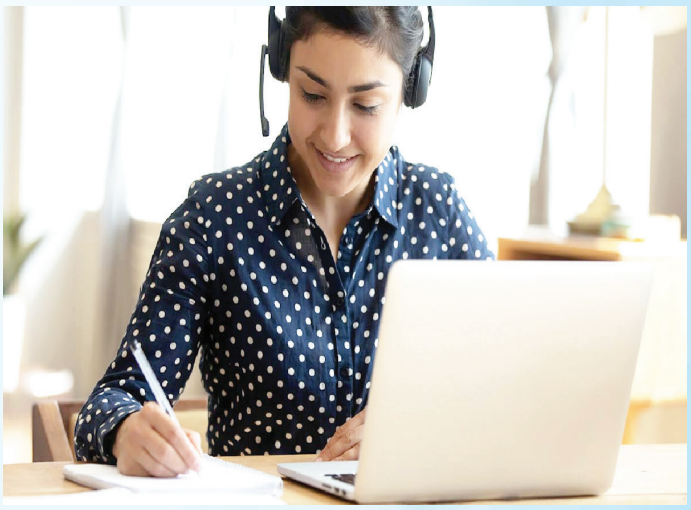

ज्ञान और कौशल प्रदान करने के प्रति जुनूनी हैं।

कौन जानता है, हो सकता है कि आप किसी भाषा संकाय के प्रोफेसर बन जाएं, जिसका अर्थ है कि आपको वेतन में वृद्धि मिलेगी और साथ ही आप वह काम भी कर सकेंगे जो आपको सबसे अच्छा लगता है।

स्थायी विश्वविद्यालय संकाय, व्याख्याताओं या सहायक प्राध्यापकों की माँग अपेक्षाकृत अधिक है। संबंधित भाषा में एम.ए. और नेट/सेट योग्यता उपयोगी होगी। किसी भी पदोन्नति के लिए, पीएच.डी. और शिक्षण/ शोध अनुभव आवश्यक है।विश्वविद्यालय का उच्च अधिकारी इन योग्यताओं के बिना भी किसी को कम वेतन पर अस्थायी रूप से नियुक्त कर सकता है। हालाँकि, प्रासंगिक अनुभव के साथ उच्च दक्षता एक पूर्वापेक्षा है।

भारत में ऐसी कई जगहें जो विदेशी लोकेशंस से किसी मायने में कम नहीं

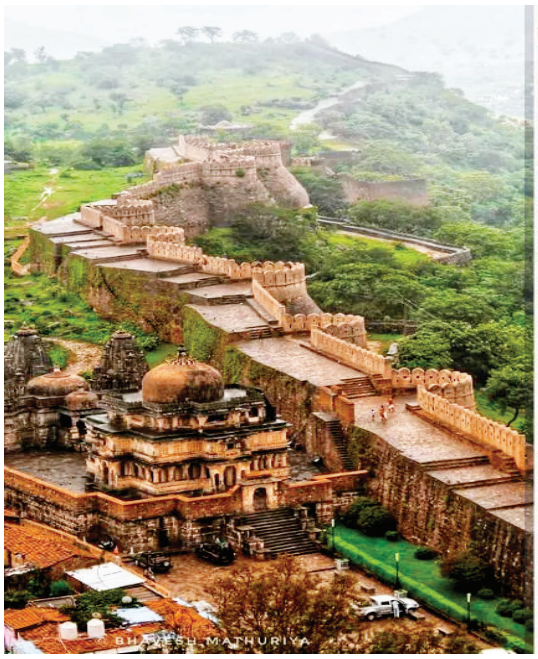

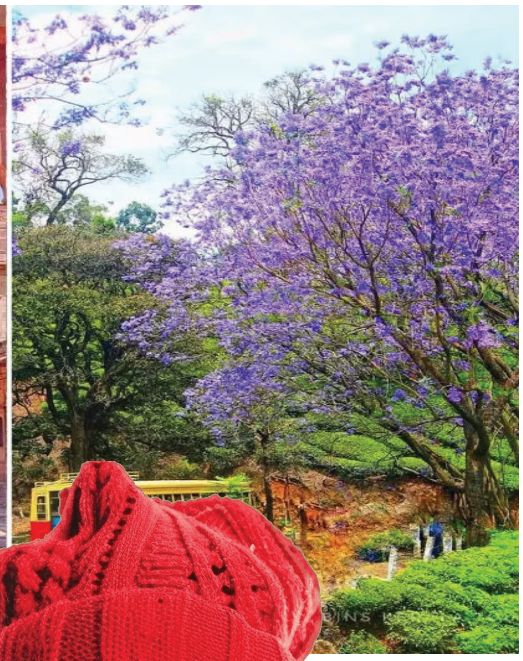

भारत विविधता में एकता का देश है जहाँ आपको हर तरह के लोग अपनी अलग संस्कृति, रीति-रिवाज आदि बिखेरते मिलेंगे। जैसे अनेक सब्जियों को मिलाकर एक स्वादिष्ट सब्जी बनती है, ठीक उसी तरह भारत में भी बहुत से धर्मों का समागम है जो मिलकर इस देश को धर्मनिरपेक्ष बनाता है। उत्तर भारत में पर्यटन स्थल की कोई कमी नहीं है। आप भारत के पर्यटन स्थल देखते ही मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। जहाँ एक तरफ रंग-बिरंगी वादियाँ दिखेंगी तो दूसरी ओर समुद्र की ऊँची उठती लहरें। कही आसमान छूने वाले पहाड़ दिखेंगे तो कहीं खिलखिलाते बगीचे।बस ज़रूरत है ठहर कर इन्हें समटने की। भारत की राजधानी दिलवालों की दिल्ली के नाम से मशहूर है। यह शहर यहाँ मौजूदा ऐतिहासिक इमारतों, मंदिरों, बाज़ारों आदि के लिए पूरे देशभर में विख्यात है। कहीं से भी आने वाला व्यक्ति दिल्ली अवश्य आता है और इसका ये कारण है कि उन्हें यहाँ का वातावरण मैत्रीपूर्ण लगता है। अगर आप कुछ पल शांति के बिताना चाहते हैं तो कमल मंदिर आपके लिए सर्वश्रेष्ठ पसंद होगी। यदि आप शोर-गुल पसंद करते है तो चाँदनी चौक जाइए। लाल किला, इंडिया गेट, अक्षरधाम मंदिर, जामा मस्जिद, सरोजिनी नगर बाज़ार आदि बहुत सी जगह घूम कर अपना सफर यादगार बनाइए। भारत दर्शनीय स्थल में आगरा का नाम बेझिझक लिया जाता है क्योंकि दुनिया के सात अजूबों में से एक अजूबा यहीं स्थित है। ताजमहल की असीम सुंदरता प्रेम की दास्तान बयान करती है। सफ़ेद संगमरमर से बने ताजमहल को शाहजहाँ ने अपनी बेग़म मुमताज महल की स्मृति में बनवाया था। इसके पिछली तरफ यमुना नदी बहती है। यहाँ की एक और चीज़ मशहूर है और वो है स्वादिष्ट आगरा का पेठा, जिसका स्वाद आपकी जबान पर बना रहेगा। हवाई मार्ग सेः आगरा से 13 किमी दूर खेरिया हवाई अड्डा एक मौसमी वाणिज्यिक हवाई अड्डा है और नई दिल्ली से केवल एयर इंडिया की उड़ानों द्वारा जुड़ा हुआ है। रेल द्वाराः आगरा कैंट स्टेशन, आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन, राजा की मंडी, आगरा सिटी और ईदगाह रेलवे स्टेशन, दिल्ली, जयपुर, ग्वालियर, झाँसी, कोलकाता जैसे शहरों से ट्रेनों के नेटवर्क द्वारा अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं।. सड़क मार्ग सेः आगरा में दो प्रमुख अंतरराज्यीय बस टर्मिनल हैं जिन्हें ईदगाह बस स्टैंड और आईएसबीटी कहा जाता है जो इसे दिल्ली, जयपुर, ग्वालियर, लखनऊ,कानपुर, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों से जोड़ता है। घूमने की जगहेंः ताज महल, आगरा का किला, इतिमाद-उद-दौला का मकबरा, मेहताब बाग, जामा मस्जिद, गुरु का ताल, अकबर महान का मकबरा, चीनी का रौजा, मोती मस्जिद, फतेहपुर सीकरी, दिल्ली गेट, ग्रेट गेट (दरवाज़ा ए रौज़ा), अमर सिंह गेट, कांच महल, और सिकंदरा जैसी जगहों पर आप घूम सकते है। "गुलाबी शहर" के नाम से जाना जाने वाला यह शहर राजस्थान में स्थित है। यह शहर विभिन्न प्रकार के किलों एवं प्राचीन इमारतों से भरा पड़ा है। भारत के पर्यटक स्थलों में जयपुर एक अभिन्न हिस्सा है। लोगों के बीच सबसे ज़्यादा प्रख्यात है हवा महल।अगर यहाँ आकर आपने हवा महल नहीं देखा तो आपकी यात्रा अधूरी है। राजस्थानियों के बीच रहकर आप खुद को.कभी बेगाना नहीं समझेंगे क्योंकि इनकी बोली में अपनापन है। आप यहाँ अंबेर किला, जयगढ़ किला, नाहरगढ़ किला, जंतर-मंतर, रामबाघ महल आदि

सर्दियों में घूमने

लिए बेहतरीन जगहें

भारत में सर्दियों के महीनों में अनगिनत त्यौहार और छुट्टियाँ आती हैं। स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्री भारत में सर्दियों में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों पर अपनी जेबें खाली कर देते हैं —बर्फ से लदी पर्वत चोटियाँ, उष्णकटिबंधीय समुद्र तट, विशाल मैदान और गर्म रेगिस्तान, जहाँ लोग चिलचिलाती गर्मी और उमस के कारण जाने से कतराते रहे हैं।'महाराजाओं की भूमि' राजस्थान या 'ईश्वर के अपने देश' केरल या 'पार्टी कैपिटल' गोवा के उष्णकटिबंधीय समुद्र तटों की यात्रा के विकल्प के साथ, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सर्दियों का मौसम भारत की खोज के लिए सबसे अच्छा समय है।

क्या आप सोच रहे हैं कि आप बर्फ़ का शानदार नज़ारा देखने या उससे बचने के लिए कहाँ जा सकते हैं? हम आपके लिए लेकर आए हैं। अपनी आगामी शीतकालीन छुट्टियों के लिए नीचे दी गई सूची में से भारत के किसी भी शीतकालीन गंतव्य को चुनें और अपने परिवार के साथ एक सुखद समय बिताएँ। बर्फीली जगहों से लेकर शानदार समुद्र तटों तक, इस सूची में सब कुछ है।अगर आप सर्दियों में भारत में घूमने के लिए गर्म जगहों की तलाश में हैं, तो केरल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। जैसे-जैसे मानसून विदा होता है, केरल की प्राकृतिक सुंदरता अपने चरम पर पहुँच जाती है। पश्चिमी घाट और बैकवाटर केरल के अनोखे आकर्षण में चार चाँद लगा देते हैं, जो इसे आपकी सर्दियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा विकल्प बनाते हैं। केरल में समुद्र तटों से लेकर मसालों के बागानों तक, कई विकल्प मौजूद हैं। विविध स्थलाकृतियाँ केरल को भारत के सबसे अद्भुत शीतकालीन स्थलों में से एक बनाती हैं।केरल के सबसे बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन में से एक , मुन्नार साल के किसी भी समय जाया जा सकता है। 11 डिग्री सेल्सियस तक गिरते तापमान के साथ, मुन्नार में सर्दी ट्रेकिंग, रैपलिंग और रॉक क्लाइम्बिंग जैसी गतिविधियों के लिए एक बेहतरीन समय है। चूँकि इस दौरान कई लोग हल्के ठंडे मौसम का आनंद लेने आते हैं, इसलिए सलाह दी जाती है कि आप अपने होटल पहले से ही बुक कर लें।घूमने की जगहें: अनमुडी, देवीकुलम, मट्टुपेट्टी, टाटा टी म्यूजियम और एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान।घूमने की जगहें: ट्रैकिंग, वन्यजीवों से मिलना, माउंटेन बाइकिंगप्रचुर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर, वायनाड केरल के कुछ सबसे रोमांचक ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों के अलावा

ट्रेकिंग ट्रेल्स पर जाने का इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है? जब आप केरल में ट्रेकिंग से थक जाएँ , तो आपको तरोताज़ा करने के लिए आरामदायक आयुर्वेदिक उपचार और मालिश उपलब्ध हैं। अगर आप पहाड़ी हनीमून नहीं चाहते, तो वायनाड भारत के सबसे अच्छे शीतकालीन पर्यटन स्थलों में से एक है।घूमने की जगहें: मीनमुट्टी झरने, चेम्ब्रा पीक, घाट व्यू पॉइंट और एडक्कल गुफाएँ।करने योग्य चीज़ें: वन्यजीव देखना, चेम्ब्रा पीक तक ट्रेकिंग, नौका विहार, बांस राफ्टिंगजब केरल के बैकवाटर्स का सबसे अच्छा अनुभव करने की बात आती है , तो अलेप्पी एक ऐसी जगह है जिसे आप मिस करने के बारे में सोच भी नहीं सकते। इस स्वर्ग में पारंपरिक हाउसबोट में ठहरने, आयुर्वेदिक स्पा और बहुत कुछ के लिए लोग आते हैं। अलेप्पी में सर्दियाँ सुहावनी होती हैं, सुहावने मौसम और नवंबर के मध्य में आयोजित होने वाली वार्षिक स्नेक बोट रेस के कारण। अगर आप ठंड से बचना चाहते हैं, तो अलेप्पी सर्दियों के लिए भारत के सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक है।आप गर्मियों और उसके बाद आने वाले मानसून में चेन्नई और तमिलनाडु के आसपास के इलाकों की यात्रा की योजना बनाने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन जब सर्दियों में भारत में घूमने की जगहों की बात आती है, तो तमिलनाडु पर्यटकों का पसंदीदा राज्य है। जो लोग गर्मियों से बेहद प्यार करते हैं, उनके लिए तमिलनाडु सर्दियों में भारत के सबसे बेहतरीन पर्यटन स्थलों में से एक है। चाहे वह महाबलीपुरम की चट्टानी मूर्तियाँ, गुफाएँ और मगरमच्छ फार्म हों, ऊटी की पहाड़ियों का मनोरम दृश्य हो, या मदुमलाई में विदेशी वनस्पतियाँ और जीव-जंतु हों - तमिलनाडु अपने आकर्षणों से पर्यटकों को हमेशा आश्चर्यचकित करता है। इसलिए, तमिलनाडु को भारत के शीर्ष 10 शीतकालीन अवकाश स्थलों में से एक माना जाता है। जब आप फ्रांस नहीं जा सकते, तो आप भारत के जीवंत फ्रांसीसी उपनिवेश, पुडुचेरी जा सकते हैं। दिसंबर में पुडुचेरी का मौसम सुहावना होता है, जो इसे नए साल का जश्न मनाने के लिए भारत की सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है । पुडुचेरी में यह पर्यटन का चरम मौसम होता है, इसलिए अपनी बुकिंग पहले ही करवा लें। सर्दियों में घूमने के लिए यह भारत की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।घूमने की जगहें: इमैकुलेट कॉन्सेप्शन कैथेड्रल, पांडिचेरी संग्रहालय और पुडुचेरी संग्रहालय।करने योग्य चीज़ें: नाव की सवारी, पारंपरिक व्यंजनों का आनंद, खरीदारी, जीसस के पवित्र हृदय के बेसिलिका की गोथिक वास्तुकला पर अचंभा

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल

इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर, पेट्रोल से चलने वाले बाइक और स्कूटरों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. भले ही इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को खरीदना थोड़ा महंगा होता है लेकिन इन्हें चलाने का खर्च एक पेट्रोल बाइक के मुकाबले बेहद कम आता है. वहीं दूसरी ओर पेट्रोल की बढ़ती कीमत और चार्जिंग स्टेशनों की बढ़ती उपलब्धता के वजह से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है.

नंबर-5: Hop Oxo: होप ऑक्सो ई-बाइक को पिछले साल 1.48 लाख रुपये की कीमत पर लॉन्च किया गया था. इस इलेक्ट्रिक बाइक में 3.5 kWh की बैटरी मिलता है.कंपनी का दावा है की इस ई-बाइक को टॉप स्पीड 95 किलोमीटर प्रति घंटा है. वहीं, ये बाइक केवल 4 सेकंड में 0-40 की रफ्तार पकड़ सकती है.

नंबर-4: Oben Rorr: Oben ने हाल ही में ओबेन रोर इलेक्ट्रिक बाइक को लॉन्च किया है. कंपनी ने इसमें 10 kW क्षमता के मोटर का इस्तेमाल किया है. इसकी टॉप स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा है. वहीं, ये ई-बाइक केवल 3 सेकेंड में ही 0 से 40 km/hr की तफ्तार पकड़ लेती है.

नंबर-3: Tork Kratos R: टॉर्क क्रेटस को एक परफॉर्मेंस ई-बाइक है जो साधारण सड़क और हाईवे दोनों में ही अच्छा प्रदर्शन दे सकती है. कंपनी इस ई-बाइक की टॉप स्पीड 105 किलोमीटर प्रति घंटा क्लेम करती है. वहीं इसे 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ने में केवल 3.5 सेकेंड का समय लगता है. Kabira Mobility KM 4000: कबीरा केएम 4000 एक शानदार डिजाइन की इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक है. इसमें कंपनी ने 4.6 kWH के बैटरी पैक का इस्तेमाल किया है. इसकी टॉप स्पीड 120 किलोमीटर प्रति घंटा है.नंबर-1: Ultraviolette F77: अल्ट्रावायलेट एफ77 एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक है, जो 7.1 kWh के बैटरी पैक के साथ आती है. यह बाइक केवल 3 सेकेंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है. वहीं इसकी टॉप स्पीड 152 किलोमीटर प्रति घंटा है. हालाँकि इलेक्ट्रिक बाइक की शुरुआती लागत ज़्यादा होती है, लेकिन लंबे समय में यह ज़्यादा किफायती साबित होती है क्योंकि इससे पेट्रोल पर पैसे की बचत होती है। साथ ही, कम चलने वाले पुर्जों के कारण, इनका रखरखाव शुल्क भी कम होता है, जिससे ये लंबे समय में किफ़ायती विकल्प बन जाते हैं।

. पर्यावरण के अनुकूल

इलेक्ट्रिक बाइक शून्य उत्सर्जन करती हैं, जिससे वे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और स्वच्छ हवा को बढ़ावा देने के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प बन जाती हैं।

सुचारू और शांत संचालन

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के लगभग शांत इंजन और तत्काल टॉर्क, एक निर्बाध और आनंददायक सवारी अनुभव प्रदान करते हैं।

4. विश्वसनीय और कम रखरखाव

कम भागों के खराब होने के कारण, इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों को पारंपरिक मोटरसाइकिलों की तुलना में कम रखरखाव की आवश्यकता होती है।

5. सरकारी प्रोत्साहन केंद्र और राज्य सरकारें जनता के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इनकी खरीद पर विभिन्न सब्सिडी योजनाएं, कर क्रेडिट या छूट प्रदान करती हैं।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का भविष्य

1. अत्याधुनिक नवाचार

कई इलेक्ट्रिक वाहन ब्रांड अपनी ई-बाइक्स में एआई इंटीग्रेशन और बेहतर रेंज जैसी उन्नत सुविधाएँ लागू कर रहे हैं। इन प्रगति के साथ, इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें उन लोगों के लिए एक ज़्यादा यथार्थवादी और आकर्षक विकल्प बनने की राह पर हैं जो रोज़मर्रा के आवागमन के लिए इलेक्ट्रिक बाइक का इस्तेमाल करना चाहते हैं।

तेजी से बाजार विस्तार

2024 में, 1.14 मिलियन इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें बिकीं, जो डीजल-मुक्त विश्वसनीयता और पर्यावरण-अनुकूल संचालन जैसे इलेक्ट्रिक बाइक के फायदों के कारण भारतीय बाजार में बढ़ती मांग को दर्शाता है । इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की मांग लगातार बढ़ रही है और दुनिया भर में इसके और भी बढ़ने की उम्मीद है।

आवेदन करने से पहले अपने पुनर्भुगतान की योजना बनाने के लिए हमारा टू-व्हीलर लोन ईएमआई कैलकुलेटर देखें। हमारी वेबसाइट पर जाएँ या आज ही ऐप डाउनलोड करें!

अपने स्मार्टफोन से हैकर को कैसे हटाएँ?

फ़ोन हैकिंग आपकी पहचान और निजता को बिना आपकी जानकारी के भी खतरे में डाल सकती है। धोखेबाज़ लगातार हैकिंग के तरीकों को विकसित और बेहतर बनाते रहते हैं, जिससे उन्हें पहचानना और भी मुश्किल होता जा रहा है। इसका मतलब है कि एक आम उपयोगकर्ता कई साइबर हमलों की चपेट में आ सकता है। अच्छी बात यह है कि आप नवीनतम हैकिंग के बारे में अपडेट रहकर अपनी सुरक्षा कर सकते हैं।
स्मार्टफ़ोन ने हमारे सभी निजी खातों और डेटा को एक ही सुविधाजनक जगह पर ला दिया है—जिससे हमारे फ़ोन हैकर्स के लिए एकदम सही निशाना बन गए हैं। बैंकिंग से लेकर ईमेल और सोशल मीडिया तक, सब कुछ आपके फ़ोन से जुड़ा हुआ है। इसका मतलब है कि एक बार जब कोई अपराधी आपके फ़ोन तक पहुँच जाता है, तो आपके सभी ऐप्स साइबर चोरी के लिए खुले दरवाजे बन जाते हैं।

फ़ोन हैकिंग क्या है?

फ़ोन हैकिंग में कोई भी तरीका शामिल होता है जिसमें कोई व्यक्ति आपके फ़ोन या उसके संचार तक जबरन पहुँच प्राप्त कर लेता है। इसमें उन्नत सुरक्षा उल्लंघनों से लेकर असुरक्षित इंटरनेट कनेक्शनों पर नज़र रखने तक शामिल हो सकता है। इसमें आपके फ़ोन की भौतिक चोरी और बलपूर्वक हैकिंग जैसे तरीकों से उसे जबरन हैक करना भी शामिल हो सकता है । फ़ोन हैकिंग सभी प्रकार के फ़ोनों में हो सकती है, जिनमें Android और iPhone शामिल हैं। चूँकि फ़ोन हैकिंग का खतरा किसी को भी हो सकता है, इसलिए हम अनुशंसा करते हैं कि सभी उपयोगकर्ता किसी हैक किए गए डिवाइस की पहचान करना सीखें।

कैसे पता करें कि कोई आपका फ़ोन हैक कर रहा है?

इनमें से एक या अधिक संकेत इस बात का संकेत हो सकते हैं कि किसी ने आपके फोन में सेंध लगाई है: आपका फ़ोन जल्दी चार्ज खो देता है। मैलवेयर और धोखाधड़ी वाले ऐप्स कभी-कभी दुर्भावनापूर्ण कोड का इस्तेमाल करते हैं जिससे काफ़ी बैटरी खत्म हो जाती है। आपका फ़ोन असामान्य रूप से धीमा चल रहा है। हो सकता है कि हैक किया गया फ़ोन अपनी सारी प्रोसेसिंग पावर हैकर के संदिग्ध ऐप्लिकेशन को दे रहा हो। इससे आपका फ़ोन बहुत धीमा हो सकता है। कभी-कभी फ़ोन का अचानक रुक जाना, क्रैश होना और अचानक रीस्टार्ट होना इसके लक्षण हो सकते हैं। आप अपने अन्य ऑनलाइन खातों पर अजीबोगरीब गतिविधियाँ देखते हैं। जब कोई हैकर आपके

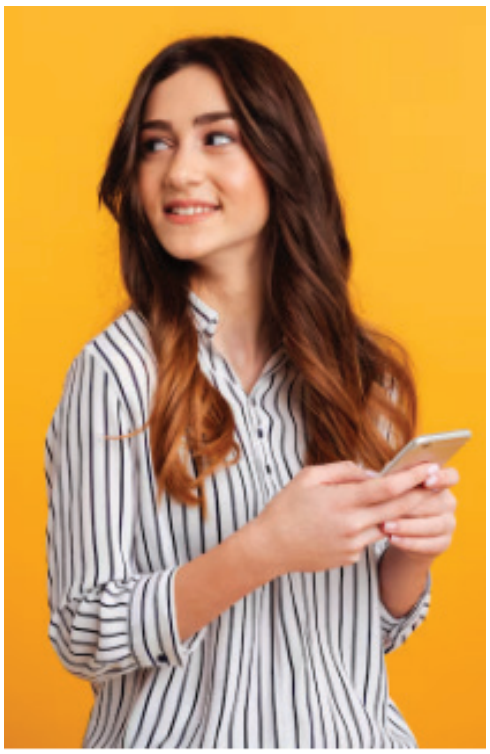

फ़ोन में घुस जाता है, तो वह आपके मूल्यवान खातों तक पहुँच चुराने की कोशिश करेगा। पासवर्ड रीसेट करने के संकेत, असामान्य लॉगिन स्थान या नए खाते के पंजीकरण सत्यापन के लिए अपने सोशल मीडिया और ईमेल की जाँच करें।
आपको अपने लॉग में अनजान कॉल या टेक्स्ट दिखाई देते हैं। हो सकता है कि हैकर्स आपके फ़ोन को एसएमएस ट्रोजन से टैप कर रहे हों। या फिर, वे आपके प्रियजनों की निजी जानकारी चुराने के लिए आपका रूप धारण कर सकते हैं। सतर्क रहें, क्योंकि दोनों ही तरीक़ों से आउटगोइंग मैसेज जैसे ब्रेडक्रम्ब्स निकल सकते हैं।

अगर आपका स्मार्टफोन हैक हो जाए तो क्या करें?

आपने सीख लिया है कि कैसे पहचानें कि कोई आपका फ़ोन हैक कर रहा है या नहीं। अब, आप जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यहाँ बताया गया है कि आप अपनी निजी तकनीक से उन साइबर अपराधियों को कैसे दूर रख सकते हैं। सबसे पहले, आपको अपने डिवाइस में घुसपैठ करने वाले किसी भी मैलवेयर को हटाना होगा। डेटा चोरी को जड़ से खत्म करने के बाद, आप अपने अकाउंट्स की सुरक्षा और हैकर्स को अपने फ़ोन से दूर रखना शुरू कर सकते हैं।

अपने फ़ोन से हैकर को कैसे हटाएँ

इसके अलावा, उन वित्तीय या ऑनलाइन शॉपिंग सेवाओं से संपर्क करें, जिन्होंने आपके क्रेडिट कार्ड या बैंकिंग विवरण (जैसे कि अमेज़न, ईबे, आदि) को सुरक्षित रखा है। इससे आपको किसी भी धोखाधड़ी वाले लेनदेन को पहचानने में मदद मिलेगी और आप अपने बैंक के साथ इन शुल्कों की रिपोर्ट और विवाद अवश्य कर सकेंगे।

किसी को दोबारा अपना फ़ोन हैक करने से कैसे रोकें

जैसे-जैसे हमारी ज़्यादातर निजी जानकारी डिजिटल और मोबाइल से जुड़ी होती जा रही है, फ़ोन हैकिंग सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। चूँकि तरीके लगातार विकसित हो रहे हैं, इसलिए आपको सुरक्षा के प्रति हमेशा सतर्क रहना होगा। अपने डिजिटल व्यवहार के प्रति सचेत रहना स्वयं को सुरक्षित रखने का सबसे अच्छा तरीका है और सौभाग्य से, ऐसी कई ज्ञात प्रथाएं हैं जो हैकिंग के जोखिम को कम करने में सिद्ध हुई हैं।

अपने फ़ोन को हैक होने से कैसे बचाएँ?

संदिग्ध या अविश्वसनीय ऐप्स डाउनलोड न करें । अगर आप सुनिश्चित नहीं हैं, तो इंस्टॉल करने से पहले समीक्षाएं देखें और अच्छी तरह से रिसर्च करें। अगर आपको ऐप की सुरक्षा पर भरोसा नहीं है, तो उसे इंस्टॉल न करें।अपने फ़ोन को जेलब्रेक न करें। हालाँकि यह आपको अनधिकृत ऐप स्टोर से डाउनलोड करने की अनुमति देता है, लेकिन जेलब्रेक करने से अनजाने में हैक होने का खतरा बढ़ जाता है। मैलवेयर या स्पाइवेयर के अलावा, इसका मतलब है कि आपको नवीनतम ऑपरेटिंग सिस्टम अपडेट में सुरक्षा पैच नहीं मिलेंगे। जेलब्रेकर जेलब्रेक को चालू रखने के लिए अपडेट छोड़ देते हैं। इससे आपके हैक होने का खतरा सामान्य से भी ज़्यादा बढ़ जाता है। अपना फ़ोन हमेशा अपने पास रखें। हैकर के लिए आपके फ़ोन को हैक करने का सबसे आसान तरीका भौतिक पहुँच है। चोरी और एक दिन की मेहनत से आपका फ़ोन हैक हो सकता है। अगर आप अपना फ़ोन अपने पास रख सकते हैं,

SEO क्या है SEO कितने प्रकार का होता है SEO की सम्पूर्ण जानकारी ?

SEO की फुल फॉर्म Search Engine Optimization होती है. SEO को हिंदी भाषा में खोज इंजिन अनुकूलन कहते है. SEO एक ऐसी प्रक्रिया है जो एक Website को Search Engine के लिए Optimize करती है. इसका मतलब यह है कि यह प्रक्रिया आपकी Website या Blog को Search Engine के पहले Page पर आने में Help करती है जिससे आपकी Website अच्छी रैंक करती है. क्योंकि जब कोई Userआपकी Website या Blog आदि से Related Keywords को Search Engine में Search करता है तो Search Engine आपकी Website को शुरु के Pages में तभी दिखाएगा आपकी वेबसाइट का SEO अनुकूलित है. इस प्रकार यह आपकी Website की Ranking में सुधार लाने और उस पर Organic Traffic को Increase करने का एक प्रक्रिया की तरह काम करता है.

SEO करने के क्या - क्या फायदे है?

SEO (Search Engine Optimization) करने से वेबसाइट को खोज इंजनों में उच्च स्थान प्राप्त होता है और विभिन्न फायदों का आनंद उठाता है। यह उपयोगकर्ताओं और व्यापारों के लिए कई तरह के लाभ प्रदान करता है। नीचे दिए गए हैं SEO करने के कुछ महत्वपूर्ण फायदे:

वेबसाइट की दृश्यता बढ़ती है: SEO करने से वेबसाइट को खोज इंजनों में उच्च रैंक मिलता है, जिससे उपयोगकर्ताओं की दृश्यता और पहुंच बढ़ती है। इससे अधिक लोग आपकी वेबसाइट पर आकर आपके व्यवसाय और सेवाओं के बारे में जान सकते हैं।

वेबसाइट ट्रैफिक बढ़ाना: SEO वेबसाइट पर अधिक ट्रैफिक खींचने में मदद करता है। जब आपकी वेबसाइट का रैंक अच्छा होता है, तो आपकी वेबसाइट पर अधिक लोग पहुँचते हैं, जिससे आपको अधिक यात्रा और पोटेंशियल ग्राहकों का मौका मिलता है।

निवेश का बचत: SEO एक मुफ्त मार्केटिंग औजार है जिसका उपयोग करके आप अपने वेबसाइट को ऑनलाइने मार्केटिंग कर सकते हैं।

SEO Blog के लिए क्यों जरुरी है?

SEO Blog करना बहुत महत्वपूर्ण है और इसमें कई कारण होते हैं। यहां कुछ मुख्य कारण हैं जिनके लिए SEO Blog आवश्यक होता है

वेबसाइट की दृश्यता और पहुंच: SEO Blog वेबसाइट को खोज इंजनों में अधिक दृश्यता और पहुंच प्रदान करने में मदद करता है। जब आप वेबसाइट पर अच्छी और अनुप्रासंगिक सामग्री प्रदान करते हैं, तो इससे आपकी वेबसाइट का रैंक बढ़ता है और इसे अधिक लोग देख सकते हैं।

ट्रैफिक और यात्रा बढ़ाना: SEO Blog आपके वेबसाइट पर अधिक ट्रैफिक खींचने में मदद करता है। एक अच्छा वेबसाइट ब्लॉग पठकों को आकर्षित करता है और उन्हें आपकी वेबसाइट पर बार बार लौटने का कारण बनता है। यह आपको बाजार में अधिक व्यापार के मौके प्रदान कर सकता है।

अधिक लक्ष्य समर्थकों को आकर्षित करना: एक SEO Blog विशेषज्ञता और शोधकर्ताओं को आकर्षित करने का एक अच्छा माध्यम होता है। जब आप अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण और उपयोगी

SEO (Search Engine Optimization) इतना महत्वपूर्ण क्यूँ है?

SEO (Search Engine Optimization) इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपकी वेबसाइट को खोज इंजनों में उच्च रैंक और पहुंच प्रदान करने में मदद करता है। निम्नलिखित कारणों से यह महत्वपूर्ण होता है: SEO (Search Engine Optimization) इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपकी वेबसाइट को खोज इंजनों में उच्च रैंक और पहुंच प्रदान करने में मदद करता है। निम्नलिखित कारणों से यह महत्वपूर्ण होता है

SEO किसी भी Site के traffic को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

Users ज्यादातर top results को ही trust करते हैं और इससे उस website की trust बढ़ जाती है। इसलिए SEO के सन्दर्भ में जानना बहुत जरुरी होता है, साथ ही खुद को अप्डेट भी रखना होता है।

SEO के प्रकार – Types of SEO in Hindi

SEO दो प्रकार के होते हैं एक है On page SEO और दूसरा है Of page SEO। इन दोने का काम बिलकुल अलग है चलिए हम इनके बारे में भी जान लेते हैं। नीचे दिए गए हैं कुछ मुख्य SEO के प्रकार:

On Page SEO

Off Page SEO On Page SEO वेबसाइट या ब्लॉग के User Experience को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके अंतर्गत आपकी वेबसाइट की Template और Design आता है। अगर आप अपनी वेबसाइट की Template SEO Optimize रखते है, तो इससे आपकी वेबसाइट की Ranking भी अच्छी होती है।

Friendly का काम आपके blog में होता है। इसका मतलब है की अपने website को ठीक तरह से design करना जो SEO friendly हो। यानी उसपर एक अच्छी Template का इस्तेमाल करना अच्छे कॉन्टेंट लिखना Contents में ऐसे Keywords का इस्तेमाल कराना जिसका सर्च वॉल्यूम अच्छा खासा हो यानी जिसे लोगो द्वारा सर्च इंजन में सबसे ज्यादा खोजा जाता हों

On Page SEO कैसे करे?

तो आइये जानते है, On Page Optimization Techniques के बारे में, जिनकी मदद से आप अपनी वेबसाइट को और भी ज्यादा बेहतर बना सकते है।

1. Website Speed

Website speed एक बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है SEO के दृष्टी से। एक survey से पाया गया है की किसी भी Visitor ज्यादा से ज्यादा 5 से 6 seconds ही किसी blog या website पर रहता है।

2

अगर वो इसी समय के भीतर नहीं खुला तब वो उसे छोड़ दुसरे में Migrate हो जाता है। और ये बात Google के लिए भी लागु होती है क्यूंकि अगर आपका Blog जल्दी नहीं खुला तब एक negative signal Google के पास पहुँच जाता है

यहाँ मैंने कुछ important tips दिए है जिससे आप अपनी blog या website की speed fast कर सकते हैं।

Simple और attractive theme का इस्तमाल करें

ज्यादा plugins का इस्तेमाल न करें

Image का size कम-से-कम रखें

W3 Total cache और WP super cache plugins का इस्तमाल करें

2. Website Navigation

Website Navigation भी On Page SEO का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, अगर आपकी वेबसाइट का Navigation अच्छा है, तो आपकी वेबसाइट पर User को किसी भी दूसरे पेज पर जाने के लिए परेशानी नहीं होगी। अपनी वेबसाइट का Navigation या Menu हमेशा User Friendly बनाये।

3. Title Tag

Tile Tag एक HTML Element के रूप में work करता है मतलब Title Tag किसी भी Web Page में एक Header Section होता है| जहाँ Title लिखा जाता है| Title Tag को किसी भी तरह की Website में उपयोग किया जा सकता है| Title Tag किसी भी Visitor को बताता है की उस Article में उन्हें क्या क्या मिलेगा|

अपनी website में टाइटल टैग बहुत ही अच्छा बनाए जिससे कोइ भी visitor उसे पढ़े तो उसे जल्द से जल्द आपके टाइटल पर Click कर दे इससे आपका CTR भी increase होगा।पने Title में 65 word से ज्यादा Words का इस्तमाल न करें क्यूंकि Google 65 words के बाद google searches में title tag show नही करता है.

4. Post का URL कैसे लिखें

अपनी वेबसाइट में Post का URL हमेशा छोटा लिखे। जिस Keyword को Target करके आप अपनी पोस्ट लिख रहे है, हमेशा उस Keyword को अपनी पोस्ट के URL में लिखे। पोस्ट के URL में कभी भी Year ना लिखे, इससे आपको अपना आर्टिकल Update करने में Problem होती है।

5. Internal Link

जब हम अपने Blog के एक आर्टिकल में दुसरे आर्टिकल को लिंक करते हैं तो उसे Internal Linking कहते हैं. इंटरनल लिंकिंग On Page SEO का एक Important फैक्टर है Internal Linking के द्वारा हमारे ब्लॉग के आर्टिकल एक दुसरे से कनेक्ट रहते हैं, इससे जब भी यूजर सर्च इंजन के द्वारा हमारे किसी ब्लॉग पोस्ट पर आता है तो वह एक ही पोस्ट से अलग अलग पोस्ट को पढ़ सकता है.

Internal Linking ब्लॉग या वेबसाइट को गूगल में रैंक करवाने के लिए भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण फैक्टर है, यह बाउंस रेट को मेन्टेन करता है तथा Link Juice भी पास करता है. अगर आप सही तरीके से इंटरनल लिंकिंग करते हैं तो आपके ब्लॉग के अन्य Keyword भी सर्च इंजन में रैंक करने लगते हैं.

2025 में ई-कॉमर्स व्यवसाय शुरू करें: सफलता के लिए 5 कदम और 5 सुझाव

एक ई-कॉमर्स व्यवसाय इंटरनेट के माध्यम से ग्राहकों को उत्पाद या सेवाएँ बेचता है। ई-कॉमर्स व्यवसाय छोटे, घरेलू व्यवसायों से लेकर बड़े, करोड़ों डॉलर के उद्यमों तक हो सकते हैं।

एक सफल ई-कॉमर्स रणनीति उद्यमियों को न्यूनतम ओवरहेड लागत के साथ व्यापक, वैश्विक दर्शकों तक पहुँचने में सक्षम बना सकती है क्योंकि आप स्थानीय ग्राहक आधार तक सीमित नहीं होते हैं।

इस गाइड में, हम निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करेंगे:

5 चरणों में ई-कॉमर्स व्यवसाय कैसे शुरू करें

अपना ऑनलाइन व्यवसाय चलाने के लिए 5 सुझाव

ई-कॉमर्स व्यवसाय शुरू करने में कितना खर्च आता है?

5 चरणों में ई-कॉमर्स व्यवसाय कैसे शुरू करें

क्या आप अपने करोड़ों डॉलर के आइडिया को ई-कॉमर्स स्टोर में बदलने का सपना देख रहे हैं? आप शायद पहले से ही सोच रहे होंगे कि आप किस तरह के उत्पाद बेचना चाहते हैं, आपके दर्शक कौन होंगे और आप ग्राहकों को कैसे आकर्षित करेंगे।

इस पर विचार करना बहुत मुश्किल हो सकता है, तो आइए पाँच बुनियादी पहलुओं पर नज़र डालते हैं:

अपने व्यवसायिक विचार पर शोध करना और उसका सत्यापन करना ताकि आपको पता चल सके कि क्या बिकने की संभावना है

विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं से उत्पाद खरीदना या उन्हें प्राप्त करना

ग्राहकों से जुड़ने के लिए विक्रय चैनल चुनना

बिक्री बढ़ाने के लिए उत्पादों को सूचीबद्ध करना और सामग्री को अनुकूलित करना

ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उत्पादों का विपणन और प्रचार करना

चरण 1: अपने व्यावसायिक विचार पर शोध करें और उसे मान्य करें

आप किस समस्या या चुनौती का समाधान ढूँढ़ना चाहते हैं? आपके द्वारा सुझाए गए समाधान से सबसे ज़्यादा उत्साहित कौन होगा? कुछ विचार—चाहे कितने भी नए क्यों न हों—अगर उन्हें समर्थन देने वाले ग्राहक न हों, तो असफल हो सकते हैं। जैसे ही आप उत्पाद के विचारों

पर ध्यान केंद्रित करते हैं , निर्णय लेने में आपकी मदद के लिए यहाँ कुछ संकेत दिए गए हैं। आपके उद्योग में लोगों को आम तौर पर किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? उन्हें इन समस्याओं का सामना क्यों करना पड़ रहा है? इन समस्याओं को हल करने के लिए आप कौन से उत्पाद या बेहतर सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं? आपने दुनिया में कौन से रुझान देखे हैं जिनका आप लाभ उठा सकते हैं?

आपको कौन सी गतिविधियाँ पसंद हैं? कौन से उत्पाद उन गतिविधियों को बेहतर बना सकते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर देने से आप उस उत्पाद को ढूंढने के करीब पहुंच सकते हैं जिसे लोग खरीदना चाहते हैं।

मौजूदा उत्पादों को बेहतर बनाने का तरीका खोजें

समान उत्पादों की ग्राहक समीक्षाएँ पढ़ें ताकि पता चल सके कि आपके प्रतिस्पर्धी कहाँ कम पड़ रहे हैं। समस्याओं का मिलान करें और पैटर्न देखें। इसके बाद, समस्या के समाधान में कितना खर्च आएगा, इस पर शोध करें।

उदाहरण के लिए, कांच के बर्तन कई डिज़ाइनों में आते हैं, लेकिन परिवार इस डर से चश्मा खरीदने से बचते हैं कि उनके बच्चे उन्हें तोड़ देंगे। इसलिए अगर आप आकर्षक, टूटने से बचाने वाले चश्मे की एक श्रृंखला बनाते हैं, तो यह लाभदायक हो सकता है।

संभावित ग्राहकों से उनकी कुंठाओं के बारे में बात करेंआप अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों से उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पादों के बारे में क्या टिप्पणियाँ या शिकायतें सुनते हैं? लोगों के एक छोटे समूह से संपर्क करें और जानें कि क्या उन्हें भी वही समस्या आ रही है जिसका आप समाधान ढूंढ रहे हैं, और पता करें कि वे इस चुनौती से कैसे निपटते हैं।

यहाँ एक तरीका बताया गया है:

5 से 10 लोगों को उनके 30 मिनट के समय के बदले में एक कप कॉफी खरीदने की पेशकश करें।अपनी बैठक में चुनौती के बारे में बात करें और देखें कि क्या समस्या ऐसी है जिसके समाधान के लिए वे पैसे देने को तैयार हैं, या फिर यह उन्हें ज्यादा परेशान नहीं करती। आपके मन में जो उत्पाद है, उसका ज़िक्र करने से बचें, क्योंकि इससे आपको मिलने वाले जवाबों पर असर पड़ सकता है। इसके बजाय, इस बात पर ध्यान दें कि वे चुनौती के बारे में कैसा महसूस करते हैं, वे वर्तमान में इससे कैसे निपटते हैं, और क्या वे समस्या के समाधान के लिए भुगतान करने को तैयार हैं। अगर हाँ, तो वे कितना भुगतान करने को तैयार हैं? ये प्रश्न पूछने से आपको यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि उत्पाद के लिए कोई दर्शक वर्ग है या नहीं।प्रतिस्पर्धी अनुसंधान के साथ अवसरों का पता लगाएं

अपने वर्चुअल दरवाजे खोलने से पहले, प्रतिस्पर्धियों पर नज़र डालना अच्छा रहेगा। प्रतिस्पर्धियों पर शोध करने का एक आसान तरीका अमेज़न सर्च में उन उत्पाद श्रेणियों को ब्राउज़ करना हो सकता है जिनमें आपकी रुचि है। निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें:

उत्पाद की विशेषताएं और लाभ

मूल्य श्रेणियाँ

ग्राहक समीक्षाएँ

आप उत्पाद को प्रमाणित करने में जितना अधिक समय लगाएंगे, ई-कॉमर्स में सफल होने की आपकी संभावना उतनी ही बेहतर होगी।

चरण 2: स्रोत उत्पाद

एक बार जब आप यह तय कर लें कि आप क्या बेचेंगे और उत्पाद किसे उपलब्ध कराएँगे, तो अगला कदम उत्पादों के लिए सही स्रोत ढूँढ़ना है।

अच्छे उत्पाद आपके नए ऑनलाइन व्यवसाय को फलने-फूलने में मदद करेंगे। मुख्य बात केवल सही उत्पाद चुनना ही नहीं, बल्कि उत्पादों के लिए सही स्रोत चुनना भी है। ई-कॉमर्स उत्पादों की सोर्सिंग के लिए यहाँ कुछ विकल्प दिए गए हैं।

मौजूदा उत्पादों को फिर से बेचना

पुनर्विक्रय में उत्पादों को खरीदना और उन्हें अंतिम ग्राहक को लाभ के लिए पुनः बेचना शामिल है। ऑनलाइन निर्देशिकाएँ और सूचियाँ आपको उत्पादों के आपूर्तिकर्ता खोजने में मदद कर सकती हैं। आप विक्रेताओं से संपर्क कर सकते हैं, उत्पाद ऑर्डर कर सकते हैं और उन्हें अपने व्यवसाय या भंडारण स्थान पर भेज सकते हैं। फिर, उत्पाद बिकने के बाद उन्हें ग्राहकों तक पहुँचा सकते हैं। आपूर्तिकर्ताओं को ढूँढ़ने और उनके साथ संबंध बनाने से खरीदारी अधिक किफायती हो सकती है, और यह भविष्य में आपके व्यवसाय के लिए एक स्थिर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है।

अपने व्यवसाय के लिए आपूर्तिकर्ता कैसे खोजें

उत्पाद बनाएँ या बनाएँ

खरीद के अन्य तरीकों के विपरीत, उत्पाद बनाने से आपको गुणवत्ता और डिज़ाइन पर बेहतर नियंत्रण मिल सकता है। लेकिन इस तरीके को बढ़ाना भी मुश्किल हो सकता है। कुछ विक्रेता संचालन को सुचारू रखने के लिए हस्तनिर्मित उत्पादों के छोटे बैच बनाना पसंद करते हैं, फिर उत्पादों की कीमत ज़्यादा रखते हैं। अगर यह आपके लिए सही रास्ता है, तो Amazon Handmade

जैसे कारीगर या कस्टम ई-कॉमर्स बिक्री विकल्पों पर विचार करें ।ड्रॉपशिपिंग या प्रिंट-ऑन-डिमांड का उपयोग करें अगर आप स्टॉक में सामान नहीं रखना चाहते, तो ड्रॉपशिपिंग एक ऐसा बिज़नेस मॉडल हो सकता है जो आपके लिए आकर्षक हो। इसके बजाय, जब कोई ग्राहक ऑर्डर देता है, तो कोई थर्ड-पार्टी सप्लायर उसे सीधे ग्राहक तक पहुँचा देता है। इससे आप बड़ी मात्रा में इन्वेंट्री में निवेश किए बिना, विभिन्न प्रकार के उत्पाद पेश कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की तरह, प्रिंट-ऑन-डिमांड में भी ग्राहक के ऑर्डर देने के बाद आप टी-शर्ट या किताबें जैसे उत्पाद प्रिंट करते हैं।

ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती

आप भी कमा सकते हैं तीन लाख रुपये महीने

ऑर्गेनिक सब्जियां उगाने में सबसे अधिक दिक्कत फसल में लगने वाले कीड़े से आती है। अगर फसल में कीड़े लगने लगे तो 1 लीटर गोमूत्र के साथ 3 लीटर पानी मिलाकर उसका छिड़काव किया जा सकता है इससे सभी कीड़े नष्ट हो जाते हैं। ऑर्गेनिक सब्जी की खेती करने में कीटनाशक दवा का प्रयोग नहीं किया जाता है। इस वजह से किसानों के पैसे भी बचते हैं और सब्जियों की गुणवत्ता भी बेहतर होती है।जैविक खेती (Organic Farming) पुरानी विधि से की जाने वाली खेती है, जो जमीन की प्राकृतिक क्षमता बनाए रखती है। Organic Farming से पर्यावरण शुद्ध बना रहता है, मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है। Organic Farming में केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जाता और कम लागत में गुणवत्तापूर्ण पैदावार होती है। जैविक खेती में केमिकल फर्टिलाइजर, पेस्टटीसाइड या खर-पतवार नाशक की बजाय गोबर की खाद, कम्पोस्ट खाद, हरी खाद, वैक्टीरिया कल्चर, जैविक खाद और जैविक कीटनाशक आदि की मदद से खेती की जाती है। इस वजह से Organic Farming के जरिये पैदा होने वाले फल-सब्जियों की गुणवत्ता बनी रहती है और वे बाजार में महंगे बिकते हैं।महाराष्ट्र के औरंगाबाद में रहने वाली कमला राणे हफ्ते के आखिरी तीन दिन बहुत व्यस्त रहती हैं। शुक्रवार से लेकर रविवार तक वह अपने खेत में उगी सब्जियों को इकट्ठा कर मुंबई के एक बाजार ले जाती हैं। आसपास के बहुत से ग्राहक राणे से सब्जियां खरीदने के लिए उनके घर भी आते हैं। सबसे पहले सब्जियों की क्वालिटी को चेक किया जाता है, इसके बाद उन्हें ग्राहकों को बेचा जाता है। एक बार में राणे 40-60,000 रुपये खर्च कर सब्जियां और ऑर्गेनिक दाल उगाती हैं। इस निवेश से उन्हें हर महीने 2-3 लाख रुपये की कमाई होती है।राणे

ने बताया कि उनके खेत में करीब 8 तरह की सब्जियां उगती हैं। इनमें फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोकली, भिंडी, पालक, मेथी, धनिया पत्तोता, तोरई. घीया, सीताफल, मिर्च और करेले के साथअन्य सब्जियां शामिल है। उन्होंने कहा कि एक बार जो ग्राहक उनसे सब्जियां खरीदता है वह अगली बार उनका फोन नंबर जरूर ले जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे वह ग्राहक उन्हें घर पर सब्जियां डिलीवर करने के लिए कहता है। राणे ने पिछले 3 महीने में मुंबई में 1100 स्थायी ग्राहक बनाए हैं। अब राणे सब्जियों की डिलीवरी के लिए एक रेफ्रिजरेटेड पिकअप वैन लेने की सोच रही है।बाजार में 25-30 के भाव से बिकने वाली पत्ता गोभी ऑर्गेनिक सब्जी के बाजार में डेढ़ सौ रुपये किलो तक बिकती है। इसी तरह फूल गोभी का भाव 200 जबकि ब्रोकली का भाव 250 किलो तक मिल जाता है। पालक, मेथी, धनिया पत्ता, मिर्च और इस तरह की हरी सब्जियां 100 ग्राम के हिसाब से बेची जाती हैं। राणे का कहना है कि अगर एक बार ग्राहक को ऑर्गेनिक सब्जियों का स्वाद समझ आ जाए उसके बाद वह इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार रहते हैं। इस समय 30 से 40 किलो तक के भाव से बिकने वाला टमाटर ऑर्गेनिक सब्जियों के बाजार में डेढ़ सौ रुपये किलो में बिक रहा है।राणे ने शुरुआत में अपने खेत से ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती शुरू की थी। फसल को कीड़ों से बचाने के लिए उन्होंने नीम की फली से तेल बनाकर उसका उपयोग किया। बाद में गोमूत्र में पानी मिलाकर उसका छिड़काव करने लगी। इस खेती में खाद के रूप में गोबर की सड़ी हुई खाद और फसल के सड़े हुए अवशेष डालकर काम लिया गया। शुरुआत में छोटी मोटी खेती करने वाली राणे ने आस-पड़ोस के किसानों को भी अपनी ऑर्गेनिक खेती में शामिल कर लिया है और अब वे ग्रीनहाउस बनाकर सब्जियों की खेती कर रही हैं।

राणे के पास अब फाइव स्टार होटल, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग और हाई एंड सोसाइटी के अलावा कई अन्य जगहों से भी सब्जियों के आर्डर आते हैं। राणे अब उसी हिसाब से सब्जियां उगाती हैं और उन्हें सीधे ग्राहक तक पहुंचाने की कोशिश करती हैं। शुरुआत में अपनी तरफ से खेत को Organic Farming के लिए तैयार करने के बाद राणे ने बाकायदा उसकी सॉइल टेस्टिंग करवाई और मिट्टी के ऑर्गेनिक होने का सर्टिफिकेट ले लिया है। अब उनकी योजना आसपास के किसानों का एक ग्रुप बनाकर सब्जियों को एक्सपोर्ट करने से संबंधित व्यवस्था बनाने की है।

जैविक खेती से न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है, बल्कि उसमें वृद्धि भी होती है। organic फार्मिंग पद्धति से पर्यावरण प्रदूषण रहित होता है। जैविक खेती में कम पानी की आवश्यकता होती है। organic farming पानी का संरक्षण करती है। इस खेती से भूमि की गुणवत्ता बनी रहती है या सुधार होता रहता है। यह किसान के पशुधन के लिए भी बहुत महत्व रखती है। organic farming के बाद फसल अवशेषों को नष्ट करने की आवश्यकता नही होती है।अगर आप भी ऑर्गेनिक खेती करना चाहते हैं और सब्जियां उठाकर अपनी आमदनी बढ़ाना चाहते हैं तो सरकार भी इस काम में आपकी मदद कर सकती है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आप केंद्र सरकार की इस वेबसाइट पर क्लिक कर सकते हैं- https://ncof.dacnet.nic.in/ इसमें आपको ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए एंटरप्राइजेज बनाना, सही बाजार की पहचान करना, सर्टिफिकेट हासिल करना, खुदरा दुकान तक सप्लाई चैन बनाना, सोशल मीडिया और विदेशी विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने से संबंधित जानकारी विस्तार से मिल सकती है।

पशुपालन में करियर बनाना चाहते हैं? यहाँ है पूरी गाइड

पशुपालन या पशु विज्ञान, पशुधन के प्रजनन और पालन-पोषण की एक कृषि पद्धति है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि बड़ी संख्या में किसान अपनी आजीविका के लिए इस पर निर्भर हैं। पशुपालन का दायरा वैश्विक स्तर पर काफी व्यापक है। इस क्षेत्र में कई नौकरियाँ उपलब्ध हैं, जैसे दूध, मांस, अंडा और ऊन आदि की आपूर्ति। पशुपालन या पशु विज्ञान, पशुधन के प्रजनन और पालन-पोषण की एक कृषि पद्धति है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि बड़ी संख्या में किसान अपनी आजीविका के लिए इस पर निर्भर हैं। पशुपालन का दायरा वैश्विक स्तर पर काफी व्यापक है। इस क्षेत्र में कई नौकरियाँ उपलब्ध हैं, जैसे दूध, मांस, अंडा और ऊन आदि की आपूर्ति।

पशुपालन में डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद, पेशेवर या तो अपना खुद का फार्म चला सकते हैं या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। आप किसी वाणिज्यिक या प्रबंधन अधिकारी के सलाहकार के रूप में भी काम कर सकते हैं और किसी फार्म में संबंध प्रबंधक के रूप में भी काम कर सकते हैं। भारत में पशुपालन में पूर्णकालिक और पत्राचार पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक लोगों के लिए भारत में कई कृषि महाविद्यालय भी हैं।

पशुपालन महाविद्यालयों में प्रवेश कैसे प्राप्त करें?

छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषयों के साथ 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। और यूजी कोर्स पूरा करने के बाद, आप स्नातकोत्तर या डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। बाद में, जब आप इस क्षेत्र में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी कर लेंगे, तो आप पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए पात्र हो जाएंगे।

भारत में पशुपालन पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले कॉलेजों की सूची

गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (GADVASU) भारत के अग्रणी पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों में से एक है। एकीकृत शिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से पशुधन उत्पादन, स्वास्थ्य और रोगों की रोकथाम को बढ़ावा देकर समाज की सेवा के लिए 9 अगस्त 2005 को GADVASU की स्थापना की गई थी। यह इस क्षेत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) की शुरुआत 1923 में बैंगलोर में इंपीरियल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल हसबेंडरी एंड डेयरी के रूप में हुई थी। बाद में 1936 में इसका विस्तार किया गया और इसे इंपीरियल डेयरी इंस्टीट्यूट कहा गया और 1947 में इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान कर दिया गया। परिणामस्वरूप, 1955 में, एनडीआरआई का मुख्यालय हरियाणा के करनाल में स्थानांतरित कर दिया गया। वर्तमान में, एनडीआरआई डेयरी प्रौद्योगिकी (डीटी) में बी.टेक, डेयरी प्रौद्योगिकी, पशुपालन और डेयरी में डिप्लोमा प्रदान करता है। यह डेयरी में मास्टर कार्यक्रम और डेयरी के विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, गुजरात

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय भारत का एक प्रसिद्ध शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान है जिसकी स्थापना 16 अगस्त 1964 को गुजरात सरकार द्वारा की गई थी। बाद में, यह 1974 में गुजरात कृषि विश्वविद्यालय का एक अंग बन गया। यह महाविद्यालय पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यहाँ प्रतिवर्ष 82 छात्र प्रवेश लेते हैं।

बॉम्बे वेटरनरी कॉलेज, मुंबई

बॉम्बे वेटरनरी कॉलेज (बीवीसी) की स्थापना 1886 में हुई थी और इसका उद्घाटन आधुनिक पशु चिकित्सा पत्रकारिता के जनक, प्रो. जेएच स्टील ने किया था। यह संस्थान महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (एमएएफएसयू), नागपुर से संबद्ध है। बीवीसी स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश

श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना 2005 में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा की गई थी। यह कॉलेज मुख्य रूप से पशु चिकित्सा अध्ययन पर केंद्रित है। यह पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर

जबलपुर में पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय की स्थापना पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन एवं संबद्ध विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में ज्ञान प्रदान करने के लिए की गई थी। इसमें प्रवेश मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा (पशुपालन डिप्लोमा) के माध्यम से दिया जाता है।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, उत्तर प्रदेश

1889 में स्थापित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, पशु चिकित्सा विज्ञान और संबंधित शाखाओं के क्षेत्र में देश का अग्रणी उन्नत अनुसंधान संस्थान है। इसके क्षेत्रीय परिसर बैंगलोर, मुक्तेश्वर, पालमपुर, कोलकाता, भोपाल और श्रीनगर में हैं। यह संस्थान वर्तमान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हरियाणा

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (एलआरयूवीएएस) की स्थापना 2010 में हरियाणा सरकार द्वारा की गई थी। विश्वविद्यालय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान के क्षेत्र में स्नातक के साथ-साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

बीकानेर में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय का संचालन 16 अगस्त 1954 को शुरू हुआ। महाविद्यालय में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं, पर्याप्त कक्षाएं, छात्रावास सुविधाएं, स्टोर, मुर्गीपालन के लिए आवास, सभागार, एनसीसी विंग, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब और अच्छी कैंटीन हैं।

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रांची

रांची में पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय की स्थापना 30 नवंबर 1961 को हुई थी। पहले इस महाविद्यालय में केवल स्नातक पाठ्यक्रम ही थे,

महिला क्रिकेट विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। हेड कोच अमोल मजूमदार ने रोहित शर्मा की तरह तिरंगा लहराकर खुशी जताई। यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

टीम इंडिया की महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर ICC Women's Cricket World Cup का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हेड कोच अमोल मुजुमदार ने रोहित शर्मा के अंदाज़ में तिरंगा लहराकर अपनी खुशी जाहिर की। यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक 'वाटरशेड मोमेंट' यानी मील का पत्थर साबित होगी, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

DY Patil स्टेडियम में जब टीम इंडिया ने यह वर्ल्ड कप जीता, तो कोच अमोल मुजुमदार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने ठीक वैसे ही तिरंगा लहराया जैसे टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने 2024 T20 World Cup जीतने के बाद किया था। यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक बहुत बड़ा पल है। मुजुमदार ने कहा, "मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मुझे बहुत गर्व है। वे इस पल के हर हिस्से के हकदार हैं।" उन्होंने आगे कहा, "उनकी कड़ी मेहनत और विश्वास ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है।"

कोच ने बताया कि टीम ने शुरुआती झटकों से हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, "हमने ज्यादातर मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, बस हमें अंत में बेहतर फिनिश करने की जरूरत थी। जब हमने यह कर दिखाया, तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।" मुजुमदार ने टीम के फिटनेस और फील्डिंग पर ध्यान देने की भी सराहना की। यह उनके कोच बनने के बाद से ही उनकी सोच का एक अहम हिस्सा था। उन्होंने कहा, "हमने ड्रेसिंग रूम में इस बारे में बहुत बात की थी। आज फील्ड पर उनकी एनर्जी देखकर लगा कि उन्होंने कितनी तरक्की की है। मैं इससे ज्यादा और कुछ नहीं मांग सकता था।" अमोल मुजुमदार, जिन्हें भारतीय क्रिकेट का एक बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता था, लेकिन उन्हें कभी उच्चतम स्तर पर खेलने का मौका नहीं मिला, उनके लिए यह जीत बहुत खास थी।

उन्होंने धीरे से कहा, "यह एक वाटरशेड मोमेंट है। इसके असर आने वाली पीढ़ियों तक महसूस होंगे।" DY Patil स्टेडियम में तिरंगा शान से लहरा रहा था और खिलाड़ी व प्रशंसक खुशी के आंसू बहा रहे थे। उस पल में कोच मुजुमदार के शब्द हर किसी की भावनाओं को बयां कर रहे थे। यह जीत सिर्फ एक कप जीतना नहीं है, बल्कि यह भारतीय महिला क्रिकेट के सुनहरे भविष्य की शुरुआत है।

होम डेकोर आइडियाज़

अपनी रचनात्मकता को निखारने का एक अद्भुत अवसर

घर का डिज़ाइन बनाना, भले ही कई बार कष्टदायक हो, अपनी रचनात्मकता को निखारने का एक अद्भुत अवसर होता है । कोई भी घर या अपार्टमेंट, चाहे वह नया बना हो या ऐतिहासिक संपत्ति , अपनी कुछ अनोखी विशेषताओं के साथ आता है। मुख्य बात यह है कि इन बारीकियों को बाधाओं के बजाय अवसरों के रूप में देखें। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो पूरी दुनिया आपकी सजावट के लिए एक सीप बन जाती है।

हमने ELLE DECOR के पन्नों से नए और पुराने, दोनों तरह के प्रोजेक्ट्स को खंगाला है ताकि आपके पास जो कुछ भी है, उससे अपने सपनों का घर बनाने के 60 व्यावहारिक और मजेदार आइडियाज़ आपके लिए लाए हैं। चाहे वह छोटी सी जगह हो जिसमें भव्यता के लिए बहुत कम जगह हो या फिर एक विशाल घर हो जिसमें इतनी जगह हो कि आप समझ ही न पाएँ कि उसका क्या करें, हमारे पास हर जवाब है।

छोटी जगहों में कला के साथ बड़ा कदम उठाएँ

लॉस एंजिल्स के हैनकॉक पार्क इलाके में स्थित एक ऐतिहासिक घर में, इंटीरियर डिज़ाइनर एशले लावोन वॉकर ने अपनी डिज़ाइन योजना को जीवंत बनाने के लिए क्लाइंट के विशाल कला संग्रह का सहारा लिया। आरामदायक पारिवारिक कमरे में, टिफ़नी अल्फोंसेका की एक विशाल पेंटिंग कमरे के ऊपर लगी है, जो कमरे के जीवंत कपड़ों और असबाब को जीवंत करती है, साथ ही आँखों को ठहरने के लिए एक जगह भी प्रदान करती है।

एक अलकोव का अधिकतम लाभ उठाएँ

मैनहट्टन के इस स्टूडियो में, इंटीरियर डिज़ाइनर रॉबर्ट रोवे के पास उपलब्ध जगह का अधिकतम उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। एक खिड़की वाले कोने में उन्होंने अपार्टमेंट का इकलौता बिस्तर लगा दिया और बाकी कमरे को रहने की जगह की तरह इस्तेमाल किया।

वक्रों का अनुसरण करें

पेरिस के इस अपार्टमेंट के बैठक कक्ष में, इंटीरियर डिज़ाइनर सारा ड्रे ने गोलाकार आकृतियों को ही रास्ता दिखाया है। विंटेज डे सेडे सोफ़े से लेकर बेइजे एवेन्यू कॉकटेल टेबल और कस्टम सीलिंग लाइट्स तक, एक

साधारण आकार कमरे को एक साथ जोड़ता है।

फर्नीचर कला का भी काम कर सकता है

स्टूडियो डोरियन द्वारा निर्मित इस ब्रुकलिन डाइनिंग रूम में , दो टोनी ब्लाहड फ्लोर लैंप खिड़की के दोनों ओर लगे हैं, जो कमरे को आवश्यक कार्य प्रदान करते हुए सजावटी स्तंभों की तरह काम करते हैं।

दिनभर रजाई या कंबल में रहने पर भी ठंडे रहते हैं आपके पैर? इस चीज की हो सकती है कमी

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही हर कोई ठंड से बचने के लिए रजाई या कंबल में दुबक जाता है. लेकिन क्या कभी आपने ध्यान दिया है कि कई बार रजाई में रहने के बावजूद भी पैरों में ठंडक बनी रहती है? अगर ऐसा आपके साथ अक्सर होता है, तो इसे सिर्फ सर्दी या मौसम की वजह न समझें. यह शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी या किसी छिपी हुई बीमारी का संकेत भी हो सकता है.

खून का बहाव कमजोर होना

पैर ठंडे रहने की सबसे आम वजह है शरीर में खून का सही तरीके से न बहना. जब ब्लड फ्लो पैरों तक पूरी तरह नहीं पहुंचता, तो वहां तापमान गिर जाता है और ठंडक महसूस होने लगती है. अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का कहना है कि कमजोर ब्लड सर्कुलेशन से हाथ-पैर सुन्न या ठंडे लग सकते हैं. यह स्थिति उन लोगों में ज़्यादा दिखती है जो लंबे समय तक बैठे रहते हैं या बहुत कम चलते-फिरते हैं. अगर ऐसा है, तो रोज थोड़ी देर टहलना, पैरों की हल्की मालिश करना और एक ही पोजिशन में देर तक न बैठे रहना फायदेमंद रहता है.

आयरन की कमी

अगर आपके पैर हमेशा ठंडे रहते हैं, तो संभव है कि शरीर में आयरन की कमी हो. WHO के अनुसार, आयरन की कमी दुनिया की सबसे आम पोषण संबंधी समस्या है और यही एनीमिया का सबसे बड़ा कारण भी है. WHO की रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में करीब 1.62 अरब लोग एनीमिया से पीड़ित हैं, जिनमें से लगभग आधे मामलों के पीछे आयरन की कमी होती है. जब शरीर में आयरन कम होता है, तो खून में ऑक्सीजन का प्रवाह घट जाता है, जिससे हाथ और पैर ठंडे महसूस होते हैं. इसे रोकने के लिए पालक, गुड़, चुकंदर, अनार, दालें और हरी सब्जियां ज़रूर खाएं. जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमेंट भी लिया जा सकता है.

थायरॉइड हार्मोन का असंतुलन

थायरॉइड शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करता है. जब यह हार्मोन पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता, तो शरीर की गर्मी कम हो जाती है और ठंड जल्दी लगने लगती है, खासकर हाथ-पैरों में. अमेरिकन थायरॉइड एसोसिएशन के अनुसार, हाइपोथायरॉइडिज्म वाले लोगों में ठंड बर्दाश्त करने की क्षमता कम हो जाती है. अगर इसके साथ वजन बढ़ना, थकान या बाल झड़ना जैसी दिक्कतें हैं, तो थायरॉइड की जांच जरूर करवानी चाहिए.

विटामिन B12 की कमी

विटामिन B12 शरीर की नसों और खून के सेल्स के लिए बहुत जरूरी है. नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी कमी से नसें कमजोर हो जाती हैं, जिससे पैरों में झनझनाहट, सुन्नपन या ठंडक महसूस हो सकती है. इसकी कमी को पूरा करने के लिए दूध, अंडा, मछली और डेयरी उत्पादों का सेवन करें. अगर आप शाकाहारी हैं, तो डॉक्टर की सलाह से B12 के सप्लीमेंट ले सकते हैं.

डायबिटीज और नर्व डैमेज

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी भी ठंडे पैरों का एक कारण हो सकती है. सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, मधुमेह से पीड़ित लगभग 50 प्रतिशत लोगों में नसों को किसी न किसी रूप में नुकसान पहुंचता है. इसे डायबिटिक न्यूरोपैथी कहा जाता है, जो पैरों में ठंडक, झनझनाहट या सुन्नपन का कारण बनता है. अगर आपको डायबिटीज है, तो शुगर कंट्रोल में रखें, मीठा कम खाएं और रोज थोड़ी एक्सरसाइज करें.

सर्दी का असर भी हो सकता है कारण

कभी-कभी ठंडे पैर सिर्फ मौसम की वजह से भी होते हैं. हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग बताता है कि जब तापमान गिरता है, तो शरीर अपने जरूरी अंगों जैसे दिल और दिमाग - को गर्म रखने पर ज्यादा ध्यान देता है. ऐसे में पैरों और हाथों में खून का बहाव कम हो जाता है, जिससे वे ठंडे पड़ जाते हैं. इससे बचने के लिए ऊनी मोजे पहनें, शरीर को गर्म रखें और जरूरत हो तो गरम पानी की बोतल का इस्तेमाल करें

मौसम में बदलाव

कर सकता है आपको बीमार जानें बचाव का तरीका

बदलते मौसम के साथ कई तरह की बीमारियां भी आती हैं. ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में बदलाव कर खुद को हेल्दी रख सकते हैं. इस दौरान फ्रिज का पानी पीने की बजाय गुनगुना पानी पीना चाहिए.

सर्दियां खत्म हो चुकी हैं, गर्मी दस्तक दे रही है. होली से पहले दिन में गर्मी और रात में ठंडक महसूस हो रही है. इस बदलते मौसम में ज्यादातर लोग सेहत को लेकर लापरवाही करते हैं. जिसकी वजह से सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार और गले में खराश जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं. ऐसे में सावधानी बरतने की जरूरत है. अगर आप इस बदलते मौसम में चुस्त-दुरुस्त और हेल्दी रहना चाहते हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं. आइए जानते हैं इस मौसम में बीमार होने से खुद को कैसे बचाएं...

बदलते मौसम में बीमार होने से कैसे बचें

1. खानपान का रखें ख्याल

मौसम में बदलाव शरीर में गर्मी बढ़ाता है. इस समय वातावरण में नमी बनी रहती है. ऐसे में सेहत को लेकर अलर्ट रहने की जरूरत है. खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को. क्योंकि इस मौसम में सबसे ज्यादा असर उन्हीं की सेहत पर पड़ता है. अगर गले में खराश, बुखार या शारीरिक समस्याएं हैं तो एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लें. इसके साथ ही बीमारियों से बचने के लिए पौष्टिक खाना खाएं. हर्बल चाय (Herbal Tea) को अपनी दिनचर्या में शामिल करें. तुलसी की पत्तियों और अदरक से बनी हर्बल टी सेहत के लिए फायदेमंद है.

2. ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं

बदलते मौसम में खुद को फिट रखने के लिए दिन में कम से कम 7-8 गिलास पानी पिएं. कुछ लोग तो दिन में कई-कई घंटे पानी ही नहीं पीते हैं. इससे डिहाइड्रेशन (Dehydration) की समस्या हो सकती है. शरीर को इससे बचाने और टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने के लिए खूब सारा पानी पिएं. पानी पाचन में मदद करने के साथ बॉडी टेंपरेचर को कंट्रोल रखता है.

3. योग-मेडिटेशन करें

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब मौसम बदलता है तो कई बीमारियां भी आती हैं. इस दौरान शरीर को सेहतमंद रखने के लिए नियमित तौर पर योग करना चाहिए. मेडिटेशन को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए. इससे खांसी, लंग्स इंफेक्शन जैसी समस्याएं दूर ही रहती हैं. इसके अलावा अगर शरीर में किसी तरह की दिक्कतें महसूस हो तो बिना देर डॉक्टर को दिखाएं. उनके बताए खानपान, दवाईयां फॉलो करें.

Disclaimer: यहां मुहैया सूचना सिर्फ मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है. यहां यह बताना जरूरी है कि ABPLive.com किसी भी तरह की मान्यता, जानकारी की पुष्टि नहीं करता है. किसी भी जानकारी या मान्यता को अमल में लाने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह लें.

छोटी-छोटी बीमारियों के लिए एंटीबायोटिक से करना है परहेज तो ये घरेलू नुस्खे आएंगे काम

आज के समय में लोग मामूली स्वास्थ्य समस्याओं में भी एंटीबायोटिक दवाएं लेने लगते हैं। भारत में एंटीबायोटिक का बढ़ता इस्तेमाल एक बड़ा चिंता का कारण बन चुका है। सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार आदि जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लोग तुरंत डॉक्टर के पास भागते हैं या फिर मेडिकल स्टोर से दवाएं लेकर खुद खाने लगते हैं। मार्केट में मिलने वाली एंटीबायोटिक दवाएं आपकी बीमारी को उस समय के लिए तो ठीक कर देती है, लेकिन समय के साथ ये आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक भी होती है। ऐसे में आप एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन लेने के स्थान पर घरेलू नुस्खों का भी उपयोग कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम हरियाणा के सिरसा में स्थित रामहंस चेरिटेबल हॉस्पिटल के आयुर्वेदिक डॉ. श्रेय शर्मा से जानने की कोशिश करते हैं कि मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आप एंटीबायोटिक के स्थान पर किन घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं।

एंटीबायोटिक लेने की जगह अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आयुर्वेदिक डॉ. श्रेय शर्मा का कहना है कि, छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए एंटीबायोटिक लेने से बचना चाहिए। सर्दी-जुकाम और बुखार जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों को भी अपना सकते हैं,

1. गले में खराश

गले में खराश की समस्या होने पर अक्सर लोग मेडिकल स्टोर से एंटीबायोटिक दवाएं लेकर खा लेते हैं, लेकिन आप घरेलू नुस्खे को भी अपना सकते हैं। गले की खराश के लिए 60% मुलेठी, 30% बहेड़ा और 10 % सुहागा का चूर्ण बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इस मिश्रण को दिन में 2 से 3 बार गर्म पानी या शहद के साथ लेने से न सिर्फ गले की खराश से आराम मिलता है, बल्कि ये दर्द और जलन से भी राहत दिलाता है। आप चाहे तो फिटकरी को गर्म पानी में मिलाकर गरारे कर सकते हैं, ये उपाय भी गले के इन्फेक्शन को तेजी से ठीक करता है।

2. सर्दी-जुकाम

सर्दी-जुकाम भी एक ऐसी एलर्जी है जिससे राहत पाने के लिए लोग अक्सर एंटीबायोटिक लेते हैं और आराम भी मिल सकता है, लेकिन ये आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, अगर आपको सर्दी-जुकाम है और आप घरेलू नुस्खा अपनाना चाहते हैं तो त्रिकटु चूर्ण का सेवन कर सकते हैं। त्रिकटु में काली मिर्च, सौंठ और पिपली होती है, जिसे सुबह-शाम खाना खाने के 15 मिनट बाद शहद के साथ लेने से सर्दी-जुकाम से जल्दी राहत मिलती है। इस मिश्रण का सेवन आपके नाक में होने वाली रुकावट को रोकता है और बलगम की समस्या को कम करता है।

3. बुखार

बुखार में अक्सर शरीर का इम्यून सिस्टम वायरस या बैक्टीरिया से लड़ रहा होता है, जिसमें एंटीबायोटिक लेने से आप बुखार को दबा देते हैं, जो आपके शरीर के लिए हानिकारक होता है। इसलिए, बुखार होने पर आप 60% चिरायता, 20% कालमेघ और 20% सप्तपर्ण चूर्ण को मिलाकर काढ़ा तैयार कर सकते हैं और दिन में दो बार इस काढ़े को पिएं। यह काढ़ा आपके शरीर के तापमान को कंट्रोल करता है और टॉक्सिक पदार्थों को शरीर से बाहर निकालता है।

4. खांसी

खांसी की समस्या से राहत पाने के लिए लोग अक्सर एंटीबायोटिक दवाओं का सहारा लेते हैं। लेकिन, घरेलू नुस्खों में आप मुलेठी, बहेड़ा और टंकण के मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। इन सभी चीजों को मिलाकर तैयार चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर खाने से सूखी और बलगम वाली दोनों तरह की खांसी से आराम मिलता है।

5. पेट दर्द

पेट में दर्द की समस्या अक्सर गैस, अपच और ऐंठन के कारण होती है। इसलिए पेट में इन समस्याओं के कारण होने वाले दर्द से राहत पाने के लिए आप 2 ग्राम अजवाइन, 1 ग्राम सौंफ, 1 ग्राम हल्दी और चुटकी भर काले नमक के मिश्रण का सेवन गर्म पानी के साथ खाना खाने के बाद कर सकते हैं। यह पाचन क्रिया में सुधार करता है और गैस की समस्या से राहत दिलाता है। लेकिन, ध्यान रहे पेट में अल्सर की समस्या होने पर इस मिश्रण को खाने से परहेज करें। एंटीबायोटिक्स का जरूरत से ज्यादा सेवन आपके सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, गले में खराश, सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार और पेट दर्द जैसी आम समस्याओं के लिए आप आयुर्वेदिक डॉ. श्रेय शर्मा के बताएं इन नुस्खों को अपना सकते हैं। लेकिन, इसके बाद भी आपकी समस्या बनी रहती है तो डॉक्टर की सलाह पर सही दवा लेने की कोशिश करें।

भारतीय मूल के सुब्रमण्यम वेदम को दोस्त की हत्या के आरोप से मुक्त होने में लगे 43 साल

भारत में जन्मे सुब्रमण्यम वेदम को 1980 में अपने दोस्त थॉमस किनसर की कथित हत्या के मामले में खुद को निर्दोष साबित करने के लिए चार दशक से भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ा। हालांकि, उन्हें 43 साल जेल में भी बिताने पड़े। इसी महीने वह पेन्सिलवेनिया की जेल से रिहा होने वाले थे। मगर, शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। 64 साल के वेदम, जो नौ महीने की उम्र में कानूनी तौर पर भारत से अमेरिका आए थे, अब एक और मुश्किल कानूनी लड़ाई का सामना कर रहे हैं।

गवाहों या हत्या के पीछे के कारणों की कमी के बावजूद वेदम को दो बार हत्या का दोषी ठहराया गया था। हालांकि, अगस्त में एक जज ने उनकी सजा को रद कर दिया था, जब उनके वकीलों को नए सबूत मिले जिसके बारे में प्रोसिक्यूटर ने कभी नहीं बताए थे। जब वेदम की बहन तीन अक्टूबर को उन्हें घर लाने की तैयारी कर रही थी, तो उन्हें 1999 के डिपोर्टेशन आर्डर के तहत हिरासत में ले लिया गया। बहरहाल, ट्रंप प्रशासन के बड़े पैमाने पर डिपोर्टेशन अभियान के बीच वेदम के वकीलों को इम्मिग्रेशन कोर्ट को यह समझाना होगा कि 1980 के दशक में ड्रग्स लेने के आरोप में मिली सजा को उन वर्षों से ज्यादा अहमियत नहीं दी जानी चाहिए जो उन्होंने गलत तरीके से जेल में बिताए। कुछ समय के लिए इम्मिग्रेशन कानून उन लोगों को ऐसी रियायत मांगने की इजाजत देता था जिन्होंने अपनी जिंदगी सुधार ली थी। उस समय हत्या के आरोप में सजा होने की वजह से वेदम कभी ऐसा नहीं कर पाए।

'बड़ा अन्याय सहने वाले इंसान'

इम्मिग्रेशन वकील एवा बेनाच ने कहा, ''वह एक ऐसे इंसान हैं जिन्होंने बहुत बड़ा अन्याय सहा है। वे 43 साल जेल में खाली नहीं बैठे थे। उन्होंने जेल में एक शानदार अनुभव जिया।" वेदम ने जेल में रहते हुए कई डिग्रियां हासिल कीं, सैकड़ों साथी कैदियों को पढ़ाया। उनके वकीलों को उम्मीद है कि इम्मिग्रेशन जज उनके पूरे मामले पर विचार करेंगे। वेदम अभी भी सेंट्रल पेन्सिलवेनिया में 1,800 बेड वाली यूएस इम्मिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट फैसिलिटी में हैं।

रेयर अर्थ पर समझौते के बाद गदगद हुए ट्रंप, चिनफिंग से बातचीत को दिए 10 में से 12 नंबर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के साथ रेयर अर्थ को लेकर हुए समझौते से उत्साहित हैं। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ एक साल के समझौते पर सहमति जताई है, जिससे रेयर अर्थ की सप्लाई सुनिश्चित होगी। ट्रंप ने चीन पर 10% टैरिफ कम करने की घोषणा की और शी चिनफिंग के साथ हुई मुलाकात को 10 में से 12 अंक दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप चीन के साथ रेयर अर्थ को लेकर हुए समझौते के बाद बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि वह और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग जरूरी रेयर अर्थ की सप्लाई पर एक साल के समझौते पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ कम करने की भी घोषणा की। ट्रंप ने कहा, "सभी रेयर अर्थ का मामला सुलझा लिया गया है और यह पूरी दुनिया के लिए है। यह डील एक साल के लिए है और हर साल इस पर बातचीत होगी।" राष्ट्रपति शी से मुलाकात के बारे में बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "हम कुछ विवरण के साथ एक बयान जारी करने जा रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर मेरा अंदाजा है कि 0-10 के स्केल पर अह बैठक के बारे में देखें तो 10 सबसे बढ़िया नंबर है लेकिन मैं इसे 12 नंबर दूंगा।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अप्रैल में चीन जाऊंगा और उसके बाद वह अमेरिका आएंगे। चाहे वह फ्लोरिडा, पाम बीच या वॉशिंगटन डीसी हो।" ट्रंप ने यह भी कहा कि "हमने बहुत सी चीजों को फाइनल कर दिया है" और शी की तारीफ करते हुए उन्हें "एक बहुत ताकतवर देश का जबरदस्त लीडर" बताया।

अमेरिका-चीन के बीच तनातनी के बाद बनी बात

बीजिंग ने इस महीने मटीरियल और उससे जुड़ी टेक्नोलॉजी पर बड़े पैमाने पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लगा दिए। ट्रंप ने तुरंत सभी चीनी सामानों पर 100 परसेंट के बदले वाले टैरिफ की घोषणा कर दी, जो असल में शनिवार से लागू होने वाले थे। इस कदम से एक और ट्रेड वॉर शुरू होने का खतरा पैदा हो गया। बाद में ट्रंप ने नरमी दिखाते हुए कहा कि ऐसा टैरिफ लेवल "टिकाऊ नहीं है" और भरोसा जताया कि रेयर अर्थ पर डील हो सकती है।

घरेलू नुस्खे सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए

सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए मार्केट में कई तरह के प्रॉडक्ट आपको मिल जाएंगे। ये बॉडी लोशन से लेकर स्किन केयर क्रीम, मॉश्चराइजर आदि के रूप में उपलब्ध हैं। कुछ प्रॉडक्ट स्किन टाइप के हिसाब से भी मिलने लगे हैं। यह बाकी प्रोडक्ट्स के मुताबिक ज्यादा फायदेमंद होते हैं l आप इन्हें इस्तेमाल करें या ना करें, यह आप पर निर्भर करता है। हम आपको कुछ बेसिक चीजें बताने जा रहे हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल कर सकते हैं। [1]

हर कोई चाहता है कि उसकी त्वचा हमेशा जवां दिखाई दे। लोग इसके लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। लेकिन त्वचा की सुंदरता सिर्फ बाहर से नहीं, उसके लिए भीतर से भी पोषण जरूरी है। जी हां! आपका खानपान जितना हेल्दी होगा, उतना ही आपकी त्वचा भी दमकेगी। इसका खयाल हमें फलों से लेकर सब्जियां और अन्य खानपान में रखना होगा।ऐसे फलों को अपनी डायट में शामिल करना होगा, जो एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर हैं।सर्दियों के मौसम में खासतौर पर हरी सब्जियों को अपनी डायट में शामिल करना होगा। इससे आपको शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व मिल जाते हैं। पालक, मेथी, बथुआ, सरसों कुछ ऐसी हरी सब्जियां हैं, जो सर्दियों के मौसम में आसानी से मिल जाती हैं।

वसा यानी फैट भी हमारी त्वचा के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। सर्दियों में यह हमारी त्वचा में नमी बनाए रखता है। खाने में हेल्दी फैट वाली चीजों जैसे मछली, सीड्स और नट्स जैसे मूंगफली, बादाम, आदि को शामिल करें। [

मॉइश्चराइज करना ना भूलें :

सर्दियां और इस मौसम में होने वाला प्रदूषण हमारी त्वचा से नमी को सोख लेते हैं। इससे चेहरा रूखा हो जाता है और उस पर सफेद पैचेज निकल आते हैं। ऐसे में त्वचा को आर्टिफिशियल तरीके से नमी प्रदान करने की जरूरत पड़ती है। यह बॉडी लोशन, मॉइश्चराइजर, क्रीम के तौर पर मार्केट में उपलब्ध है l आप घरेलू तरीकों से भी त्वचा को मॉइश्चर कर सकती हैं। और हां, सर्दियों में इसे रूटीन बना लें। क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपकी त्वचा रूखी रहेगी। [3]

तेल थेरेपी :

तेल हमारी त्वचा के लिए जरूरी है। सर्दियों में इसका इस्तेमाल त्वचा को नमी प्रदान करता है। सर्दियों में वैसे ही त्वचा ड्राई हो जाती है। उस पर हमारी कुछ आदतें भी त्वचा पर असर डालती हैं। जैसे, इन दिनों में लोग नहाते वक्त ज्यादा तेज गर्म पानी इस्तेमाल करते हैं। तेज गर्म पानी से नहाने से हमारे सिर की त्वचा ड्राई होती है, जिससे डैंड्रफ की परेशानी बढ़ती है और शरीर की त्वचा पर भी इसका असर पड़ता है।इसलिए नहाने के तुरंत बाद तेल से शरीर की मालिश जरूरी है। इसके लिए फेस ऑयल जैसे नारियल का तेल, ऑलिव ऑयल आदि का इस्तेमाल करें, क्योंकि फेस ऑयल में पॉलिफिनॉल्स, फैटी एसिड और एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं। ये हमारी त्वचा की चमक को बनाए रखते हैं। सरसों के तेल और बादाम तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन्हें सिर के बालों के लिए भी उपयोग किया जाता है।

होठों की देखभाल :

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि हमारे होंठ हमारी त्वचा के मुकाबले 10 गुना तेजी से ड्राई यानी रूखे होते हैं। सर्दियों में शरीर का ज्यादातर हिस्सा ढका रहता है, लेकिन हमारे होंठ नहीं। इनसान की त्वचा में सबसे संवेदनशील होठों की त्वचा ही होती है। यह शरीर की बाकी त्वचा के मुकाबले ज्यादा पतली होती है और इसे देखभाल की ज्यादा जरूरत पड़ती है।ठंडी और रूखी हवाएं और गर्म हवाएं हमारे होठों की त्वचा को नुकसान पहुंचाने के साथ ही इसे सख्त बना देती हैं। अगर इनका खयाल ना रखा जाए, तो होंठ फट जाते हैं, जो किसी के लिए भी एक पीड़ादायक स्थिति होती है। सर्दियां क्या, किसी भी मौसम में होठों की देखभाल की विशेष जरूरत होती है और आपको यह खयाल करना चाहिए। [4]

लिप बॉम होठों पर एक लेयर बना देते हैं और होठों को नमी प्रदान करते हैं। मार्केट में अनेक ब्रैंड्स के लिप बॉम मौजूद हैं। लेकिन इन्हें खरीदने से पहले इसे बनाने में इस्तेमाल हुए उत्पादों पर जरूर गौर करें। लिप बॉम वैक्स आधारित अवयवों की मदद से बनाए जाते हैं। इन्हें बनाने में मोम, कपूर और कई बार कुछ दवाइयों का भी इस्तेमाल किया जाता है।कुछ लिप बाम होठों को तुरंत फायदा और त्वचा को पोषण पहुंचाते हैं, लेकिन लंबे वक्त तक इन्हें इस्तेमाल करने से होंठ रूखे हो जाते हैं। ऐसा इन लिप बॉम को बनाने में इस्तेमाल किए गए कपूर, फिटकरी, सैलिसिलिक एसिड और मेनथॉल आदि की वजह से होता है। लिप बॉम ख रीदते वक्त ऐसे लिप बॉम को चुनें, जिसे मोम, कोकोआ मक्खन आदि का इस्तेमाल कर बनाया गया हो।

पानी और सुगंधित चीजों के बाद ग्लिसरीन, कॉस्मेटिक उत्पादों में उपयोग होने वाली तीसरी सबसे अहम चीज है। मॉइश्चराइजर और लोशन में तो यह सबसे प्रमुख इस्तेमाल होने वाली चीज है। ग्लिसरीन हमारी त्वचा की बाहरी लेयर को हाइड्रेड करती है। जलन आदि से त्वचा को बचाती है और घावों को भी तेजी से भरने में मदद करती है।यह एक नैचुरल कंपाउंड है, जो वेजिटेबल ऑयल और जानवरों के फैट में पाया जाता है। एकदम प्योर ग्लिसरीन को इस्तेमाल करने से बचें। आप इसे गुलाब जल में मिलाकर लगा सकते हैं। बहुत से लोगों को इससे एलर्जी की भी शिकायत रहती है। अगर आपको भी खुजली, रेडनैस और रैशेज दिखें, तो इस्तेमाल ना करें। नारियल का तेल हम सबके किचन में इस्तेमाल होता ही है। लेकिन त्वचा में इस्तेमाल के लिए हम अक्सर इसे अनदेखा करते हैं। कई रिसर्च में यह कहा जा चुका है कि नारियल के तेल में वह सबकुछ है, जो हमारी स्किन के लिए जरूरी है।हमारी त्वचा में प्रदूषण और दूसरी वजहों से हुए नुकसान की भरपाई करता है। और तो और त्वचा को बाहरी इन्फेक्शन से बचाने में भी मदद करता है। यह त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम भी करता है और इसे संवेदनशील जगहों जैसे आंखों के नीचे और होठों पर भी लगाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में झाई दूर करने के लिए दूध और बादाम को मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है। दूध हमारी त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ-साथ दाग-धब्बों को कम करने में भी मदद कर सकता है। दूध, त्वचा को ब्लीच करने में सहायक होता है,

भारत के 7 सबसे अच्छे निवेश विकल्प

क्या आप अपने पैसे को अपने काम में लाने के बारे में सोच रहे हैं? निवेश समय के साथ अपनी बचत बढ़ाने का एक स्मार्ट तरीका है। भारत में, चुनने के लिए निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं। आइए उनमें से सात सर्वश्रेष्ठ इन्वेस्टमेंट के बारे में जानते हैं।

1. सावधि जमा (एफडी):

सावधि जमा बचत खातों (Fixed Deposit Accounts) की तरह हैं, लेकिन उच्च ब्याज दरों (High interest rates) के साथ। आप किसी बैंक में एक निश्चित अवधि के लिए एक साथ पैसा जमा करते हैं और बैंक उस पर आपको ब्याज देता है। एफडी उन लोगों के लिए सुरक्षित और आदर्श है जो अपने पैसे के साथ जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

2. सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ):

पीपीएफ एक सरकार समर्थित बचत योजना है। आप किसी बैंक या डाकघर में पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यहां आपके द्वारा निवेश किया गया पैसा सुरक्षित है, और यह आपको अपनी रिटायरमेंट के लिए बचत करने में भी मदद करता है। पीपीएफ (Public provident fund) पर मिलने वाला ब्याज कर-मुक्त है।

3. म्युचुअल फंड:

म्यूचुअल फंड (Mutual Funds) विभिन्न निवेशकों से पैसा इकट्ठा करते हैं और इसे स्टॉक, बॉन्ड या अन्य संपत्तियों के मिश्रण में निवेश करते हैं। इन्हें पेशेवरों द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जिससे ये शुरुआती लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बन जाते हैं। आप छोटी रकम से शुरुआत कर सकते हैं और अपने निवेश में विविधता ला सकते हैं।

4. शेयर बाज़ार:

स्टॉक में निवेश का मतलब है कंपनियों के शेयर खरीदना। जब कंपनी अच्छा प्रदर्शन करती है तो आपके शेयरों का मूल्य बढ़ जाता है। लेकिन यह जोखिम भरा है क्योंकि स्टॉक की कीमतें तेजी से ऊपर और नीचे जा सकती हैं। लंबी अवधि के लिए शोध करना और निवेश करना सबसे अच्छा है।

5. रियल एस्टेट:

रियल एस्टेट (Real Estate) में निवेश का मतलब है जमीन, घर या अपार्टमेंट जैसी संपत्ति खरीदना। रियल एस्टेट समय के साथ बढ़ सकता है, और आप किराये से आय अर्जित कर सकते हैं। हालाँकि, इसके लिए पर्याप्त प्रारंभिक निवेश (Initial Investment) की आवश्यकता होती है।

6. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस):

एनपीएस एक पेंशन योजना है जो आपको सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने में मदद करती है। यह इक्विटी (Equity) और ऋण (Loans) निवेश का मिश्रण है। आप जोखिम का वह स्तर चुन सकते हैं जिसमें आप सहज हों। एनपीएस कर लाभ भी प्रदान करता है |

7. सोना:

सोने में निवेश भौतिक सोना (आभूषण या सिक्के) खरीदकर या गोल्ड फंड या बॉन्ड में निवेश करके किया जा सकता है। आर्थिक अनिश्चितता के समय में सोना एक सुरक्षित ठिकाना है और यह मुद्रास्फीति (Inflation) के खिलाफ बचाव का काम कर सकता है।

याद रखें, कोई भी निवेश पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं होता है। कहां निवेश करना है यह चुनने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता (Risk Tolerance) और समय सीमा का आकलन करना आवश्यक है। विभिन्न विकल्पों में अपने निवेश में विविधता लाने से भी जोखिम फैलाने में मदद मिल सकती है। यदि आप इस बारे में अनिश्चित हैं कि कहां से शुरुआत करें तो हमेशा एक वित्तीय सलाहकार (Financial advisor) से परामर्श लें।

अंत में, निवेश आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में इन सरल निवेश विकल्पों की खोज करके, आप अपने वित्तीय भविष्य (Financial Future) को सुरक्षित करने के लिए सोच-समझकर निर्णय ले सकते हैं। छोटी शुरुआत करें, धैर्य रखें और समय के साथ अपने पैसे को बढ़ते हुए देखें।

बचत शुरू करने का सही समयः आपके 20 या 30 के दशक में!

म्यूचुअल फंड में पैसा डबल होने में लगने वाला समय रिटर्न की दर पर निर्भर करता है। रूल ऑफ 72 के अनुसार, यदि औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है, तो पैसा लगभग 6 साल में दोगुना हो जाएगा। उच्च रिटर्न दर पर, यह अवधि कम हो सकती है, जैसे कि कुछ स्मॉल कैप और मिड कैप फंड ने पिछले 3 वर्षों में लगभग 26% सालाना रिटर्न देकर पैसा दोगुना कर दिया।

विभिन्न रिटर्न दर के आधार पर लगने वाला अनुमानित समयः

12% सालाना रिटर्नः लगभग 6 साल (72/12)
14% सालाना रिटर्नः लगभग 5 साल (72/14)
उच्च रिटर्न (जैसे 26% - 29%): लगभग 3 साल (72/28)

ध्यान रखने योग्य बातें:

कोई गारंटी नहींः यह अनुमान है और वास्तविक रिटर्न बाज़ार के प्रदर्शन के आधार पर बदल सकते हैं।

लंबे समय के लिए निवेशः म्यूचुअल फंड में निवेश, विशेषकर इक्विटी फंड, लंबी अवधि (3 से 5 साल) के लिए फायदेमंद होता है।

फंड का चुनावः अच्छा रिटर्न देने वाले फंड का चुनाव करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ फंड ने अतीत में बहुत कम समय में दोगुना रिटर्न दिया है।

नियमित निवेशः नियमित निवेश (SIP) से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जिससे जोखिम कम होता है।

म्यूचुअल फंड में पूरा पैसा डूबना बेहद दुर्लभ है, लेकिन यह पूरी तरह से जोखिम-मुक्त नहीं है। हालांकि, अगर आप सही फंड चुनते हैं, धैर्य रखते हैं और बाज़ार के उतार-चढ़ाव के दौरान घबराकर फैसले नहीं लेते हैं, तो पैसा डूबने का जोखिम कम हो जाता है। बाजार में गिरावट की वजह से निवेशित राशि का मूल्य कम हो सकता है, लेकिन लंबे समय में यह रिकवर भी हो सकता है।

पैसा डूबने की संभावना कब कम होती है?

लंबी अवधि का निवेशः अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करते हैं, खासकर 5 साल या उससे अधिक, तो पैसा डूबने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

विविध पोर्टफोलियोः म्यूचुअल फंड कई कंपनियों में निवेश करता है। इसलिए, यदि कुछ कंपनियाँ डूब भी जाती हैं, तो बाकी कंपनियों से मिलने वाला रिटर्न उस नुकसान को संतुलित कर सकता है।

सही फंड का चुनावः यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आपने अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार सही फंड चुना है। इक्विटी फंड में ज़्यादा जोखिम और ज़्यादा रिटर्न की संभावना होती है, जबकि डेट फंड में जोखिम कम और रिटर्न भी कम होता है।

जोखिम के कारण

खराब प्रदर्शनः अगर कोई फंड लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि वह सही रणनीति नहीं अपना रहा है।

ज्यादा जोखिमः इक्विटी फंड जैसे कुछ फंड बाज़ार के उतार-चढ़ाव के कारण ज़्यादा अस्थिर हो सकते हैं।

गलत रणनीतिः गलत रणनीति अपनाना या बाज़ार में गिरावट आने पर घबराकर निवेश निकालना, आपके नुकसान का कारण बन सकता है।

निष्कर्ष

म्यूचुअल फंड में पूरा पैसा डूबना लगभग असंभव है, क्योंकि यह बाज़ार की स्थिति पर निर्भर करता है।

बाज़ार के उतार-चढ़ाव के कारण आपके निवेश के मूल्य में गिरावट आ सकती है, लेकिन लंबे समय में इसमें सुधार की संभावना होती है।

आप अपना पैसा सुरक्षित रखने के लिए सही फंड चुन सकते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं।

कौन हैं Ikkis में अगस्त्या नंदा के अपोजिट नजर आ रही एक्ट्रेस, अक्षय कुमार से है खास कनेक्शन

दिनेश विजन निर्मित इक्कीस मूवी से अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। हाल ही में, फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें सिमर की हल्की सी झलक ने फैंस का दिल जीत लिया। अब अक्षय ने भांजी के डेब्यू पर अपनी खुशी जाहिर की है।

अक्षय कुमार (Akshay Kumar) ने अपनी भांजी सिमर भाटिया के लिए एक इमोशनल नोट लिखा है। उन्होंने श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म इक्कीस से अभिनय की शुरुआत की है। फिल्म में वो अगस्त्या नंदा के अपोजिट नजर आएंगी। अक्षय ने इंस्टा पोस्ट के जरिए उन्हें प्यार भेजा।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन के नाति अगस्त्या नंदा बहुत जल्द बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाले हैं। एक्टर की अपकमिंग मूवी इक्कीस का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है और हर कोई उनकी तारीफ करते नहीं थक रहा। अगस्त्या ने फिल्म में अरुण खेत्रपाल का रोल निभाया है।

अक्षय कुमार की बहन की बेटी हैं सिमर

वहीं इस रोल में अगस्त्या के अपोजिट नजर आई अभिनेत्री सिमर भाटिया का भी बॉलीवुड कनेक्शन है। दरअसल सिमर अक्षय कुमार की भांजी हैं। सिमर अक्षय कुमार की बहन अल्का भाटिया की बेटी हैं। टीजर रिलीज के बाद अक्षय कुमार ने ट्रेलर रिलीज के बाद सिमर के लिए एक लंबा चौड़ा नोट लिखकर उनकी तारीफ की।

अक्षय कुमार ने दी शुभकामनाएं

इंस्टा पर फिल्म के ट्रेलर से स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा,"मेरी छोटी सिमी अब इतनी छोटी नहीं रही। तुम्हारे लिविंग रूम परफॉर्मेंस से लेकर #Ikkis में बड़े पर्दे तक,दिल गर्व से फूला नहीं समा रहा! सिमर भाटिया। अगस्त्य, क्या स्क्रीन प्रेजेंस है! पूरी टीम को ढेर सारी सफलता की शुभकामनाएं" इस पर रिएक्ट करते हुए सिमर ने लिखा, "हमेशा के लिए तुम्हारी छोटी सिमी। हर चीज के लिए शुक्रिया। आपसे प्यार करती हूं।"

सिमर की मां अल्का ने साल 1997 में वैभव कपूर से शादी की थी। इस शादी से उनकी एक बच्ची सिमर है। कुछ समय बाद ही अलका अपने पति से अलग हो गई थीं। इक्कीस की कहानी 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की कहानी पर आधारित है।

किस पर आधारित है फिल्म की कहानी?

अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना ने भी उनके लिए एक प्यार भरी पोस्ट लिखी। फिल्म में सिमर, अगस्त्य के किरदार अरुण खेत्रपाल की प्रेमिका की भूमिका निभाएंगी। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित 'इक्कीस' इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। यह अपकमिंग वॉर ड्रामा सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। फिल्म में धर्मेंद्र, जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी हैं। इसका निर्माण दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है।

भांजी के डेब्यू पर अक्षय कुमार का रिएक्शन

अक्षय कुमार ने सिमर भाटिया की डेब्यू फिल्म के ट्रेलर रिलीज पर अपना रिएक्शन दिया है और अपनी भांजी के लिए एक प्यारा सा नोट

लिखा है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सिमर की मूवी इक्कीस का ट्रेलर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने लिखा, "मेरी नन्ही सी सिमी अब बच्ची नहीं रही। लिविंग रूम में आपके परफॉर्मेंस से इक्कीस में बिग स्क्रीन तक, दिल गर्व से भर गया है सिमर भाटिया। और अगस्त्य, क्या शानदार स्क्रीन प्रेजेंस है। बड़ी सफलता के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं।" अक्षय कुमार ने अपनी भांजी सिमर भाटिया के लिए सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट लिखा है। सिमर को श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म 'इक्कीस' में देखा जाएगा। ये उनकी पहली फिल्म होगी। अक्षय ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है।

बालों का झड़ना होगा कुछ ही दिनों में दूर, इन तीन हेयर स्प्रे को जरूर करें ट्राई

बालों को लंबा, घना, काला और खूबसूरत बनाने के लिए लोग काफी कोशिश करते हैं. लेकिन फिर भी उनके बाल मजबूत नहीं बन पाते हैं, यही नहीं ऐसे कई लोग हैं, जो बालों के झड़ने को लेकर भी काफी परेशान रहते हैं.

बालों को बनाएं मजबूत

अगर आप भी झड़ते बालों की वजह से परेशान हो गए हैं और अपने बालों को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए है. आज हम आपको ऐसे तीन हेयर स्प्रे के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से अपने घर पर तैयार कर सकते हैं. इन हेयर स्प्रे की मदद से आप बालों को खूबसूरत बना सकते हैं.

गुलाब जल और नारियल तेल का हेयर स्प्रे

आप घर पर रहकर गुलाब जल और नारियल तेल का हेयर स्प्रे बना सकते हैं. इसे बनाने का तरीका बहुत आसान है. इसके लिए सबसे पहले आप एक कप गुलाब जल को गुनगुना करें, इसमें तीन बड़े चम्मच नारियल तेल मिक्स कर दें. जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए, तो इसे अपने बालों पर लगा ले या फिर स्प्रे बोतल में भरकर बालों पर स्प्रे कर सकते हैं. इससे आपके बाल झड़ना कम होंगे और मजबूत बनेंगे.

लौंग की मदद से बनाएं हेयर स्प्रे

इसके अलावा आप लौंग की मदद से हेयर स्प्रे बना सकते हैं. हालांकि लौंग का इस्तेमाल खाने की चीजों में ज्यादा होता है. लेकिन यह बालों के लिए भी काफी फायदेमंद मानी गई है. इसके लिए आपको लौंग को रात भर पानी में भिगोकर रखना होगा. दूसरे दिन सुबह इस लौंग के पानी में थोड़ा एलोवेरा जेल मिक्स कर एक मिश्रण तैयार कर ले. इसे स्प्रे बोतल में भरकर अपने बालों पर स्प्रे कर सकते हैं. ऐसा करने से बाल काले और स्ट्रेट होंगे.

ट्राई करें नींबू से बना हेयर स्प्रे

इन दोनों हेयर स्प्रे के अलावा आप घर पर नींबू से बना हेयर स्प्रे भी ट्राई कर सकते हैं. इसे बनाने के लिए आप एलोवेरा जेल, नींबू का रस और थोड़ा नारियल का तेल इन तीनों को मिलाकर एक स्प्रे बोतल में भर लें, फिर अपने बालों को धोने के बाद स्प्रे बोतल की मदद से स्प्रे करें. इससे आपके बालों को प्राकृतिक चमक मिलेगी और बाल मजबूत बनेंगे.

इन तीनों हेयर स्प्रे का इस्तेमाल कर आप अपने बालों को लंबा घना और मजबूत बना सकते हैं. यही नहीं जिन लोगों को हेयर फॉल की प्रॉब्लम ज्यादा है, वह भी इन हेयर स्प्रे का इस्तेमाल कर अपने बालों को मजबूत बना सकते हैं.

बालों का झड़ना

आपके बालों के सामान्य विकास चक्र के तहत हर दिन कुछ बाल झड़ना आम बात है। ज़्यादातर लोगों के झड़े हुए बाल वापस उग आते हैं और आपके सिर पर घने बाल बने रहते हैं। लेकिन बीमारी, हार्मोनल बदलाव,

तनाव, बढ़ती उम्र और वंशानुगत बीमारियाँ आपके बालों के विकास चक्र में बाधा डाल सकती हैं। ज़्यादा बाल झड़ते हैं, लेकिन नए बाल हमेशा वापस नहीं उगते।

बालों का झड़ना क्या है?

ज़्यादातर स्वस्थ लोग रोज़ाना 100 बाल तक खो देते हैं। आपके बालों के विकास चक्र के एक हिस्से के रूप में, नए बाल उगते हैं और झड़े हुए बालों की जगह ले लेते हैं।

जब आपके बाल ज़्यादा झड़ने लगें—और कम या बिल्कुल भी न उगें—तो इस स्थिति को एलोपेसिया (बालों का झड़ना) कहा जाता है। बालों का झड़ना कई प्रकार का होता है, और यह किसी भी लिंग के वयस्कों और बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। आपके सिर्फ़ सिर के या पूरे शरीर के बाल भी झड़ सकते हैं।

बाल झड़ने के प्रकार क्या हैं?

कुछ प्रकार के बाल स्थायी होते हैं, जबकि कुछ अस्थायी होते हैं। बालों के झड़ने के सबसे आम प्रकार हैं:

एंड्रोजेनिक एलोपेसियाः इस प्रकार का वंशानुगत गंजापन किसी को भी प्रभावित कर सकता है (पुरुष पैटर्न गंजापन या महिलाओं में बालों का झड़ना)।

एलोपेसिया एरीटा : एलोपेसिया एरीटा एक स्वप्रतिरक्षी रोग है जिसके परिणामस्वरूप सिर और शरीर से बाल झड़ने लगते हैं।

टेलोजन एफ्लुवियम : इस प्रकार के बालों के झड़ने में कम समय में बालों का तेज़ी से झड़ना शामिल है। यह आमतौर पर आपके शरीर के किसी शारीरिक या भावनात्मक तनाव से गुज़रने के कुछ महीनों बाद होता है। यह अचानक हार्मोनल परिवर्तनों के कारण भी हो सकता है।एनाजेन एफ्लुवियमः यह बहुत तेजी से बालों का झड़ना कुछ चिकित्सा उपचारों, जैसे कीमोथेरेपी, के कारण होता है।बालों का झड़ना कितना आम है?गंजापन (एंड्रोजेनिक एलोपेसिया) बालों के झड़ने का सबसे आम प्रकार है। अमेरिका में अनुमानित 8 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं।बालों का झड़ना कीमोथेरेपी के सबसे आम दुष्प्रभावों में से एक है। अमेरिका में एलोपेसिया एरियाटा से 68 लाख लोग प्रभावित हैं।

लक्षण और कारण

बाल झड़ने का क्या कारण है?

बालों के झड़ने के कई संभावित कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण ये हैं:

आनुवंशिकी (वे जीन जो आपको अपने माता-पिता से विरासत में मिलते हैं) के कारण बालों का वंशानुगत झड़ना।

खोपड़ी पर फंगल संक्रमण ।

ऐसे हेयरस्टाइल जो बालों को कसकर खींचते हैं (जैसे चोटी, हेयर एक्सटेंशन या टाइट पोनीटेल)।बालों की देखभाल जो प्रसंस्करण (पर्म और ब्लीच सहित) के कारण नुकसान पहुंचा सकती है।हार्मोनल परिवर्तन (जैसे गर्भावस्था, प्रसव या रजोनिवृत्ति)।चिकित्सा उपचार (जैसे कीमोथेरेपी और कुछ दवाएं)।पोषण संबंधी कमियां (विशेषकर पर्याप्त मात्रा में आयरन या प्रोटीन न मिलना)। तनावपूर्ण घटनाएँ (जैसे सर्जरी होना या किसी प्रियजन को खोना)।थायरॉइड रोग .

बाल झड़ने के लक्षण क्या हैं?

लोग बालों के झड़ने का अनुभव अलग-अलग तरीकों से करते हैं, जो बालों के झड़ने के प्रकार और उसके कारण पर निर्भर करता है। सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:

पीछे हटती हुई हेयरलाइन (पुरुष पैटर्न गंजापन की विशिष्ट विशेषता)।

पूरे सिर पर बालों का पतला होना (महिलाओं में बालों के झड़ने का विशिष्ट लक्षण)।

सिर पर बालों के छोटे-छोटे टुकड़ों का झड़ना।

सिर और शरीर पर बालों का झड़ना।

बाल झड़ने की जटिलताएं क्या हैं?

बालों का झड़ना—चाहे वह अस्थायी हो या स्थायी—कई लोगों के लिए भावनात्मक रूप से कठिन हो सकता है। कुछ प्रकार के बालों का झड़ना अंततः गंजेपन का कारण बन सकता है।अगर आपके बाल काफ़ी झड़ रहे हैं, तो अपने सिर की त्वचा की सुरक्षा करना ज़रूरी है। धूप में निकलते समय टोपी, स्कार्फ़ या कोई और सिर ढकने वाली चीज़ पहनें और रोज़ाना सनस्क्रीन लगाएँ। धूप में निकलने से त्वचा कैंसर का ख़तरा बढ़ जाता है ।

निदान और परीक्षण

बालों के झड़ने का निदान कैसे किया जाता है?कुछ मामलों में, बालों के झड़ने का कारण स्पष्ट होता है—उदाहरण के लिए, अगर कीमोथेरेपी के दौरान आपके बाल झड़ रहे हैं। कई बार, आपके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को आपके बालों के झड़ने का कारण जानने के लिए कुछ जाँच-पड़ताल करनी पड़ सकती है। सही निदान निर्धारित करने के लिए, आपका प्रदाता निम्न कार्य कर सकता है:

अपने परिवार के इतिहास के बारे में पूछें, जैसे कि क्या आपके किसी रिश्तेदार को बाल झड़ने की समस्या हुई थी और किस उम्र में।

अपना मेडिकल इतिहास देखें.थायरॉइड फ़ंक्शन और आयरन के स्तर को मापने के लिए रक्त परीक्षण का आदेश दें ।

संक्रमण के लक्षणों के लिए अपने सिर की जांच करें।त्वचा रोग की जांच के लिए स्कैल्प बायोप्सी लें।

प्रबंधन और उपचार

बालों के झड़ने का इलाज कैसे किया जाता है?अगर आपके बाल दवाइयों, हार्मोनल असंतुलन, थायरॉइड रोग या आहार के कारण झड़ रहे हैं, तो आपका डॉक्टर इसका कारण पता लगाएगा। बालों का झड़ना रोकने के लिए अक्सर मूल समस्या का समाधान ही काफी होता है।ज़्यादातर बाल झड़ने के उपचार एंड्रोजेनिक एलोपेसिया (पुरुष और महिला दोनों तरह के बालों का झड़ना) में मदद के लिए होते हैं। इन उपचारों में शामिल हैं:

दवाइयाँ: बिना डॉक्टर के पर्चे के मिलने वाली दवाइयाँ (जैसे मिनोक्सिडिल , या रोगेन®) आमतौर पर पतले बालों के इलाज का पहला तरीका होती हैं। डॉक्टर के पर्चे पर मिलने वाली मौखिक दवा (फ़िनस्टेराइड , या प्रोपेसिया®) केवल पुरुषों में होने वाले गंजेपन के लिए ही स्वीकृत है।

खुशबू से भरें अपना आशियाना

दिनभर की भागदौड़, ट्रैफिक का शोर, औफिस का तनाव और थकान भरी शाम के बाद जब हम अपने घर लौटते हैं तो बस एक ही चीज चाहिए होती है सुकून और ताजगी और यह सुकून सिर्फ साफसुथरे कमरे से ही नहीं बल्कि अच्छी महक से भी आता है. घर की हवा जब भीनीभीनी खुशबू से महकती है तो मन अपनेआप हलका महसूस करता है.आजकल लोग घर की सजावट के साथसाथ होम फ्रैगरैंस यानी घर को महकाने वाले प्रोडक्ट्स पर भी ध्यान देने लगे हैं. आइए, जानते हैं कि कैसे आप अपने घर को सिर्फ देखने में ही नहीं, महसूस करने में भी शानदार बना सकते हैं कुछ पुराने, कुछ नए और कुछ एकदम हट कर रूम फ्रैशनर आइडियाज के साथः मार्केट में कई तरह के होम फ्रैशनर मिलते हैं जो घर की सीलन, गीले कपड़ों की बदबू या किचन की गंध को मिनटों में दूर कर देते हैं. इन में से कुछ तो कमरे की मूड सैटिंग भी कर देते हैं. इन का चयन आप अपनी पसंद और मूड के हिसाब से कर सकती हैं.

होम फ्रैगरैंस के औप्शंस

आजकल मार्केट में कई तरह के होम फ्रैगरैंस उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से चुन सकती हैं. इन में परफ्यूम डिस्पैंसर, अरोमा लैंप्स, रूम स्प्रे, एअर फ्रैशनर्स, पौटपौरी, सेंटेड औयल्स और सैंटेड कैंडल्स शामिल हैं. फ्रैगरैंस की कैटेगरीज भी अलगअलग होती हैं जैसे फ्रूटी (वैनिला, स्ट्राबैरी, चौकलेट) और फ्लोरल (जैस्मीन, गुलाब, लैवेंडर, इंडियन स्पाइस). ये खुशबुएं न सिर्फ घर को महकाती हैं बल्कि तनाव को कम कर के मूड को भी बेहतर बनाती हैं.

ट्रैडिशनल नैचुरल फ्रैगरैंस

अगरबत्तियांः अगरबत्ती खुशबूदार लकड़ियों, जड़ीबूटियों, तेलों, मसालों, जैस्मीन, चंदन, गुलाब और देवदार जैसी प्राकृतिक चीजों से बनती हैं. अगरबत्तियां 2 तरह की होती हैंःडाइरैक्ट बर्नः ये स्टिक में होती हैं, जिन्हें जलाने पर धीरेधीरे घर के हर कोने में खुशबू फैलती है.**पौटपौरीः** पौटपौरी में सूखे फूल, पत्तियां, मिट्टी लकड़ी या सिरैमिक के खूबसूरत बाउल में रखी जाती हैं. आप चाहें तो मिट्टी के बरतन में पानी भर कर ताजा गुलाब की पंखुड़ियां डाल सकती हैं और उसे दरवाजे या खिड़की पर टांग सकती हैं. हवा के साथ इस की खुशबू पूरे घर में फैलती रहेगी.एअर फ्रैशनर्सः ये छोटेछोटे कैन में आते हैं, जिन्हें दीवार पर लगा कर एक बटन दबाने से घर में ताजगी भरी खुशबू फैल जाती है. ये इस्तेमाल में आसान और असरदार होते हैं.

रीड डिफ्यूजरः रीड डिफ्यूजर में नैचुरल और सिंथैटिक औयल का इस्तेमाल होता है. ये हवा में खुशबू को घोल कर लंबे समय तक घर को महकाते हैं. इन्हें बारबार जलाने की जरूरत नहीं पड़ती और ये अलगअलग साइज और खुशबुओं में मिलते हैं.

फ्रैगरैंस कैंडल्सः मार्केट में कई रंगों, डिजाइनों और खुशबुओं में फ्रैगरैंस कैंडल्स उपलब्ध हैं. डिजाइनर अरोमा लैंप में पानी की कुछ बूंदों के साथ अरोमा औयल डाल कर घर को लंबे समय तक महकाया जा सकता है.

कुछ नए और हट कर रूम फ्रैशनर आइडियाज

अरोमा डिफ्यूजर मशीनः यह छोटी इलैक्ट्रौनिक मशीन होती है, जिस में पानी और अरोमा औयल डाला जाता है. इसे औन करते ही मिस्ट के साथ खुशबू पूरे कमरे में फैल जाती है खासकर बैडरूम या लिविंगरूम में इस का जबरदस्त असर होता है.

ऐरोमैटिक सैशेः इन छोटेछोटे पाउचों में सूखे फूल और अरोमा तेल होते हैं. इन्हें आप अलमारी, शू रैक या बैग में रख सकती हैं. कपड़े भी महकते हैं और अलमारी भी.

फैब्रिक स्प्रेः सोफा, परदे, कुशन, बैडशीट आदि पर यह स्प्रे किया जाता है. इस से हर कोना ताजा और साफसुथरा लगता है

स्मार्ट सैंसिंग फ्रैशनरः ये औटोमैटिक सैंसर्स वाले होते हैं जो जब कोई कमरे में आता है तब खुशबू छोड़ते हैं. कुछ में मोबाइल ऐप से कंट्रोल का औप्शन भी होता है.

ऐसे मसाले जो आपकी सब्जियों के स्वाद को बढ़ा दे

हर दिन बनने वाली सब्जी को नया और स्वादिष्ट कैसे बनाएं? ये हर महिला की चिंता होती है. बच्चे हो या पति हर दिन लजीज खाने की फरमाइश महिलाओं को परेशान करती रहती है. अक्सर खाना बनाते समय रोटी, दाल, चावल आदि तो आसानी से बन जाता है, लेकिन सब्जी में वेराइटी लाना बहुत मुश्किल हो जाता है.

एक जैसा खाना रोजरोज खाया जाए तो बोरियत तो हो ही जाती है, लेकिन हर रोज वेरायटी लाने के लिए आखिर इतनी मेहनत कौन करे? ऐसे में कुछ मसाला ऐसा होना चाहिए जो आपकी सब्जियों के स्वाद को बढ़ा दें. ये अक्सर हमारी किचन में होते भी हैं पर इन पर हमारा ध्यान कम ही जाता है.

तो आइए जाने वह कौन से मसाले होते हैं जो सादी और सिंपल सब्जी के फ्लेवर, स्वाद और खुशबू को बढ़ाते है.

किचन किंग मसाला से बनाये भरवा सब्जी का स्वाद

भरवा बैंगन के नाम अगर आपके बच्चे भी मुंह बनाते हैं, तो अब परेशान होने का नहीं. कोई भी भरवा सब्जी हो चाहे वह भरवा भिंडी हो, भरवा बैंगन हो या फिर भरवा तौरी हो अब आपको अलग से बच्चों के लिए कुछ बनाने का टेंशन नहीं लेने का. बस किचन किंग मसाला लाएं. यह अपने नाम की ही तरह किचन का राजा है और जब बात राजा की हो तो आपके बेटे को तो राजा बेटा बनना ही पड़ेगा.

जब ये मसाला किसी भी भरवा सब्जी में डालता है न तो उस बकबका स्वाद अपने आप खत्म हो जाता है और एक अलग ही खड़े मसाले की खुशबु से आपकी डिश महकने लगती है और दूर से लगता है मानो आज तो पक्का घर में मेहमान आ रहें हैं और मम्मी कुछ

अच्छा बना रही हैं. अब आप खुद ही सोचिये जिसकी खुशबु इतनी जानदार है उसका स्वाद कैसा होगा?

मैगी मसाला है बड़ा मजेदार, बढ़ाएं आलू घीए की सब्जी का स्वाद

मैगी का दीवाना तो बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई होता है. एक बार आप सोच कर देखिये कि अगर आपकी सब्जियों में से भी मैगी का स्वाद आने लगे तो भल कौन मैगी के लिए हर वक्त मम्मी की डांट खायेगा. भाई हम तो सब्जी में ही मैगी का स्वाद लेना ज्यादा पसंद करेंगे.

ब्रोकली की सब्जी में मैगी मसाला डालें. इसके इस्तेमाल से सब्जी का जायका बढ़ सकता है. इसके लिए सबसे पहले ब्रोकली में सब्जी मसाला छोड़कर अन्य सभी मसाले को डालकर पका लें. जब लगे कि सब्जी आधी पक गई है तो उसमें मैगी मसाला डालकर अच्छे से चला लें और लगभग 5 मिनट बाद गैस को बंद कर दीजिए. इससे सब्जी का जायका बढ़ सकता है.

इसके इस्तेमाल से सब्जी का जायका बढ़ सकता है. इसके लिए सबसे पहले ब्रोकली में सब्जी मसाला छोड़कर अन्य सभी मसाले को डालकर पका लें. जब लगे कि सब्जी आधी पक गई है तो उसमें मैगी मसाला डालकर अच्छे से चला लें और लगभग 5 मिनट बाद गैस को बंद कर दीजिए.

इसके इस्तेमाल से सब्जी का जायका बढ़ सकता है. इसके लिए सबसे पहले ब्रोकली में सब्जी मसाला छोड़कर अन्य सभी मसाले को डालकर पका लें. जब लगे कि सब्जी आधी पक गई है तो उसमें मैगी मसाला डालकर अच्छे से चला लें और लगभग 5 मिनट बाद गैस को बंद कर दीजिए. इससे सब्जी का जायका बढ़ सकता है.

मैगी मसाला आमलेट खाया है आपने कभी? अगर नहीं तो एक बार बनाकर देखें. सबसे पहले एक बौल में अंडे को फोड़कर डालें और उसमें बारीक़ कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च. टमाटर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए. फिर इसमें डालिये अपना मैजिक मैगी मसाला और इसे डालकर दो बार अच्छे से फेंट लीजिए.

अब एक पैन में तेल गरम करके ऑमलेट बना लीजिए. यक़ीनन ये आपको पसंद आएगा. इसके आलावा आप मैगी मसाला से जीरा आलू और पकोड़े भी बना सकते हैं.

छोला मसाला लगाएं पनीर भुजी में पंजाबी तड़का

चना मसाला से आप कई स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं. जैसे चना मसाला सैंडविच, चना मसाला चाट, और चना मसाला पराठा. इसके अलावा, आप दही वाले छोले, छोले की सब्जी, चना मसाला कबाब और चना मसाला सूप भी बना सकते हैं.

अगर आप पनीर का सैंडविच बना रहे हैं तो पनीर में चना मसाला मैश करके इसे बनाया जा सकता है.आप दही, चटनी, प्याज, टमाटर और चना मसाला मिला सकते हैं. इस तरह चना मसाला से एक अच्छी चाट बनाये जा सकती है. चना मसाला को पराठे के अंदर भरकर, पराठा बनाकर भी खाया जा सकता है. इसके लिए चने को बॉयल मैश करके छोले मसाला मिलकर भी परांठे में भरा जा सकता है. चना मसाला को दही के साथ मिलाकर, दही वाले छोले बनाए जा सकते हैं, जो रोटी या चावल के साथ बहुत स्वादिष्ट लगते हैं. इसके आलावा पनीर की भुजी में बाकि मसलों के साथ छोला मसाला डालने पर एक बिलकुल अलग पंजाबी टेस्ट आ जायेगा.

सांभर मसाला से दाल बन जाये ढांबे की तड़का दाल

अब कौन है भला जो ढाबे की तड़का दाल नहीं खाना चाहेगा. ये बन तो जाएगी पर इसके लिए आपको सांभर मसाला यूज़ करना होगा. खूब सारा प्याज, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च अपने मसलदानी के मसाले और 1 चम्मच सांभर मसाला. फिर देखिये कैसे पूरा घर उंगलिया चाट चाट कर दाल चट कर जायेंगे. इस तरह सांभर मसाला किसी भी दाल या सब्जी की करी में एक स्वादिष्ट और सुगंधित स्वाद जोड़ सकता है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में करियर कैसे शुरू करें?

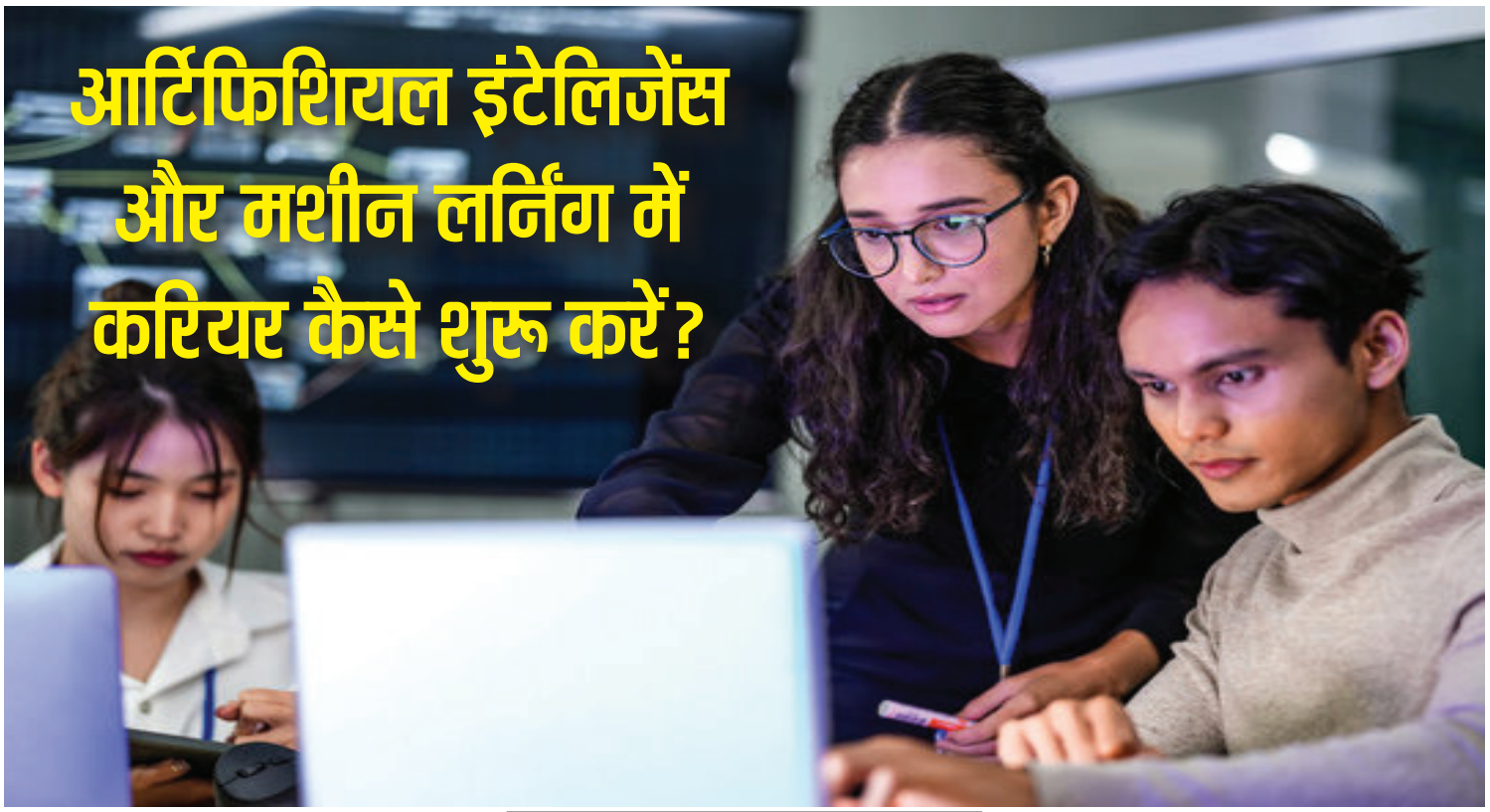

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) दो ऐसे शब्द हैं जिनका इस्तेमाल अक्सर एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है, लेकिन इन दोनों अत्याधुनिक क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक व्यापक अवधारणा है जो मशीनों द्वारा ऐसे कार्य करने को संदर्भित करती है जिनके लिए आमतौर पर मानवीय बुद्धि की आवश्यकता होती है, उदाहरण के लिए, प्राकृतिक मानवीय भाषा को समझना और वस्तुओं को पहचानना। दूसरी ओर, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक उपसमूह है जो मशीनों को डेटा से सीखने और समय के साथ अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की क्षमता सिखाने पर केंद्रित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का हमारे जीवन पर पहले से ही गहरा प्रभाव पड़ रहा है, और यह और भी व्यापक होता जाएगा। आज इन तकनीकों का उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसके कुछ रोज़मर्रा के उदाहरण यहां दिए गए हैं:

स्वायत्त वाहन:

स्वचालित कारों के विकास में एआई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, तथा मशीनों का उपयोग कारों को जटिल वातावरण में नेविगेट करना तथा तुरंत निर्णय लेना सिखाने के लिए किया जा रहा है।

धोखाधड़ी का पता लगाना: वित्तीय संस्थाओं द्वारा धोखाधड़ी की गतिविधि का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग किया जा रहा है, जैसे कि व्यवहार के असामान्य पैटर्न जो क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी का संकेत दे सकते हैं।

व्यक्तिगत सहायक: सिरी और एलेक्सा जैसे आभासी सहायक एआई द्वारा संचालित होते हैं और हमारी प्राकृतिक भाषा संबंधी प्रश्नों को समझने और उनका उत्तर देने में बेहतर होते जा रहे हैं।

चेहरा पहचान: एआई का उपयोग कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सुरक्षा फर्मों, सरकारी एजेंसियों आदि द्वारा बड़ी भीड़ के चेहरों को स्कैन करने और व्यक्तियों की पहचान करने के लिए किया जा रहा है।

जैसे-जैसे ये तकनीकें विकसित होती रहेंगी, आने वाले वर्षों में AI और ML और भी ज़्यादा क्रांतिकारी बदलाव लाएँगे। अगर आप इन अत्याधुनिक तकनीकों में अपने ज्ञान को मज़बूत करना चाहते हैं, तो किसी भी उच्च-स्तरीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स पर विचार करें जो मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के साथ-साथ AI कौशल पर भी केंद्रित हो।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में करियर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में करियर आज आपके लिए सबसे ज़्यादा मांग वाले और फ़ायदेमंद करियर विकल्पों में से एक है। प्रभावशाली वेतन और मज़बूत नौकरी वृद्धि अनुमानों के साथ, इस आकर्षक और तेज़ी से बढ़ते क्षेत्र में प्रवेश करने का इससे बेहतर समय कभी नहीं रहा। लेकिन एआई और मशीन लर्निंग में करियर बनाने का असल मतलब क्या है? यहाँ, हम इन क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की नौकरियों के बारे में जानेंगे और एआई और मशीन लर्निंग में करियर बनाने के लिए आप क्या कर सकते हैं, इस पर भी चर्चा करेंगे। इस तकनीक की अच्छी समझ हासिल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट्स का अभ्यास करें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में नौकरियों के प्रकार

एआई और एमएल के क्षेत्र में, उम्मीदवारों के लिए नौकरी के अनगिनत अवसर उपलब्ध हैं। यहाँ कुछ सबसे लोकप्रिय नौकरी भूमिकाएँ दी गई हैं:

एआई इंजीनियर:

वे मशीन लर्निंग एल्गोरिदम और डीप लर्निंग न्यूरल नेटवर्क्स की सहायता से जटिल एआई मॉडल विकसित करने, प्रोग्रामिंग करने और प्रशिक्षण देने के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। एआई एज अ सर्विस कोर्स मुफ़्त में देखें।

मशीन लर्निंग इंजीनियर:

वे मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने और उसे लागू करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, जिसमें सही एल्गोरिदम का चयन करने से लेकर मॉडल का समर्थन करने वाले बुनियादी ढांचे को डिजाइन करने तक सब कुछ शामिल होता है।

डेटा साइंटिस्ट:

वे डेटा एकत्र करने, उसे साफ़ करने और उसका विश्लेषण करने के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। वे इस डेटा का उपयोग पूर्वानुमान मॉडल बनाने के लिए करते हैं जिनका उपयोग डेटा-आधारित निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है।

अनुसंधान वैज्ञानिक:

वे वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए मशीन लर्निंग के नए तरीके विकसित करने के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। उनकी ज़िम्मेदारियों में नए एल्गोरिदम विकसित करने से लेकर नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग या कंप्यूटर विज़न जैसे मशीन लर्निंग के अनुप्रयोगों पर काम करना शामिल हो सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य का दायरा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे युग की महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों में से एक है। भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के क्षेत्र असीम हैं; इसमें हर उद्योग में क्रांति लाने और हमारी दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की क्षमता है। भविष्य में, एआई का विकास जारी रहेगा और यह और भी अधिक परिष्कृत होता जाएगा, और यह हमारे आसपास की दुनिया की जटिलताओं को समझने और उनका जवाब देने में और भी बेहतर होता जाएगा। एआई की मदद से, हम दुनिया की कुछ सबसे गंभीर समस्याओं, जैसे जलवायु परिवर्तन, भोजन और पानी की कमी, और बीमारियों से निपटने में सक्षम होंगे।

आज के जॉब मार्केट में सबसे ज़्यादा मांग वाले कौशलों में एआई और मशीन लर्निंग सबसे आगे हैं। फोर्ब्स के एक लेख के अनुसार , अगले पाँच सालों में एआई नौकरियों या मशीन लर्निंग कौशल में 71% की वृद्धि होने का अनुमान है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में करियर शुरू करना

मैं वर्षों से एक मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ML) पेशेवर के रूप में काम कर रहा हूँ, लेकिन जब मैंने शुरुआत की थी, तो सबसे ज़रूरी शर्त जो मैंने अपनाई थी, वह थी प्रोग्रामिंग कौशल में पूर्ण दक्षता। एक मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इच्छुक होने के नाते, मुझे C++, Java, Python और R प्रोग्रामिंग भाषाएँ सीखने की ज़रूरत थी। जहाँ C++ इंजीनियरों को कोडिंग प्रक्रिया की गति बढ़ाने में मदद करता है, वहीं Python ने मुझे जटिल एल्गोरिदम को बेहतर ढंग से समझने और बनाने में मदद की। इसलिए, मैंने विभिन्न परियोजनाओं पर काम करना शुरू किया, जिससे मुझे इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और मेरे रिज्यूमे को उजागर करने में मदद मिली। मैंने दूसरों के साथ भी सहयोग किया है, और इससे मुझे उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खुद को बेहतर बनाने में मदद मिली। एक्सेप्शनल रेज़्यूमे राइटर्स के निदेशक स्टीवन मैककोनेल भी प्रोग्रामिंग कौशल के महत्व को साझा करते हैं:

हमारा देश हमारा अभिमान

॥ हर हर महादेव ॥

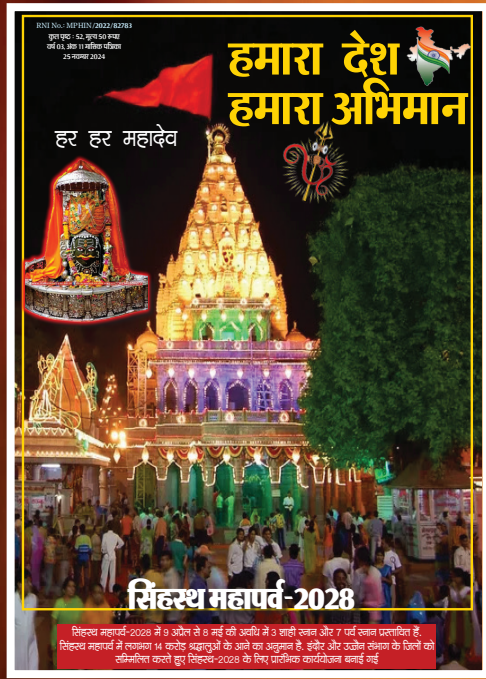

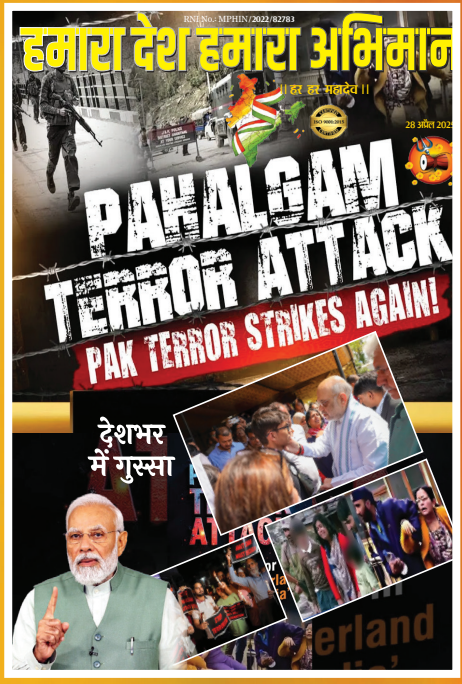

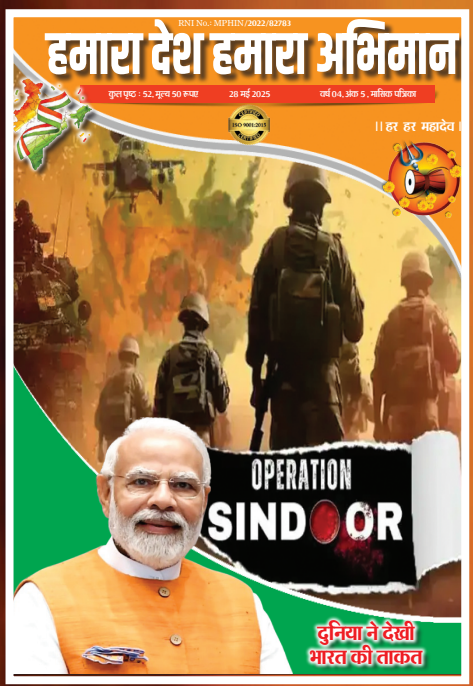

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें.....

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136